

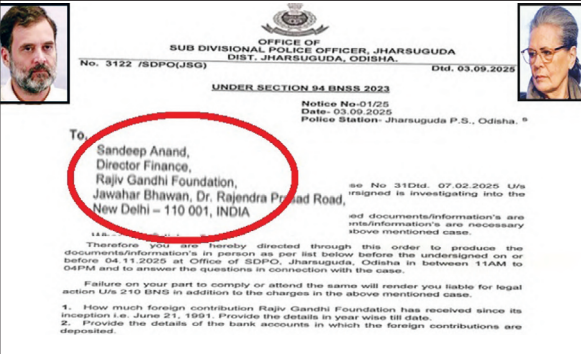
## राजीव गांधी फाउंडेशन की देशविरोधी हरकतों पर कस रहा शिकंजा

# चीन और जाकिर नाइक से लिए धन का हिसाब दो

नई दिल्ली, 08 सितंबर (एजेंसियां)। भारत राज्य (इंडियन स्टेट) के खिलाफ लड़ने का राहुल गांधी का राष्ट्र विरोधी आह्वान उनके राष्ट्रप्रेम की असलियत खोलने वाला है। भारत के शत्रु देश चीन और भारत से निष्कासित आतंकी धर्मगुरु जाकिर नाइक से धन लेने के मामले में राजीव गांधी फाउंडेशन से जवाब मांगा गया है। ओडीशा पुलिस ने राजीव गांधी फाउंडेशन (आरजीएफ) के निदेशक (वित्त) संदीप आनंद को नोटिस

जारी कर 04 नवंबर 2025 तक इन सब जानकारियों के साथ जरूरी दस्तावेज जमा करने का निर्देश दिया है। नोटिस का पालन न करने पर बीएनएस की धारा 210 के तहत कार्रवाई की जाएगी। ओडीशा पुलिस ने राहुल गांधी के इंडियन स्टेट से लड़ रहे वाले बयान के खिलाफ दर्ज एफआईआर की जांच आगे बढ़ाई है। पुलिस की जांच अब राजीव गांधी फाउंडेशन (आरजीएफ) तक पहुंच गई है।

फाउंडेशन को फाइनेंशियल रिकॉर्ड पेश करने का नोटिस भेजा गया है। इसमें इस्लामी कट्टरपंथी जाकिर नाइक और चीन से फंडिंग का ब्यौरा मांगा गया है। ओडीशा की झारसुगुड़ा पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस ने 03 सितंबर 2025 को भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएस) 2023 की धारा 94 के तहत आरजीएफ को नोटिस भेजा है। झारसुगुड़ा के पुलिस उपाधीक्षक उमाशंकर सिंह द्वारा आरजीएफ के वित्त



ओडीशा पुलिस ने नोटिस जारी कर मांगे दस्तावेज राहुल गांधी पर भारी पड़ रहा राष्ट्र विरोधी बयान

निदेशक संदीप आनंद को जारी किए गए नोटिस में कहा गया है कि राजीव गांधी फाउंडेशन को 1991 से मिले विदेशी योगदान का पूरा रिकॉर्ड प्रस्तुत किया जाए। इसमें बैंक खाता विवरण और अधिकृत हस्ताक्षरकर्ता के साथ-साथ लेखा परीक्षकों के नाम और संपर्क शामिल होंगे। फाउंडेशन से एफसीआरए लाइसेंस की कॉपी भी मांगी गई है। फाउंडेशन को जारी हुए नोटिस में वर्ष 2005-06 के बीच चीन से और वर्ष 2011 में

आतंकी धर्मगुरु जाकिर नाइक से लिए गए 2.49 करोड़ रुपए के बारे में भी स्पष्टीकरण मांगा गया है। ओडीशा पुलिस ने यूपीए शासन के दौरान पीएम राहत कोष का दुरुपयोग किए जाने के बारे में भी जवाब मांगा है। राजीव गांधी फाउंडेशन (आरजीएफ) को 04 नवंबर 2025 तक इन सब जानकारियों के साथ दस्तावेज जमा करने होंगे। नोटिस का पालन न करने पर बीएनएस की धारा 210 के तहत कार्रवाई करने की भी

चेतावनी दी गई है। संबलपुर के आईजी हिमांशु लाल ने कहा, जांच अब उस चरण में पहुंच गई है जहां राजीव गांधी फाउंडेशन (आरजीएफ) और उससे संबंधित संस्थाओं को रिकॉर्ड प्रस्तुत करने होंगे। यह एक कानूनी प्रक्रिया है। कानून अपना काम करेगा। उल्लेखनीय है कि राहुल गांधी भी राजीव गांधी फाउंडेशन के बोर्ड सदस्यों में से एक हैं। इस फाउंडेशन की अध्यक्ष सोनिया गांधी है।

►10पर

## विपक्ष की बेमानी चिल्लपों के बीच सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया

# आधार कार्ड नागरिकता का सबूत नहीं

नई दिल्ली, 08 सितंबर (एजेंसियां)। विपक्ष की तमाम चिल्लपों के बीच सुप्रीम कोर्ट ने यह स्पष्ट कर दिया है कि आधार कार्ड को देश की नागरिकता का सबूत नहीं माना जा सकता। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आधार कार्ड की वैधता की जांच करने का पूरा अधिकार चुनाव आयोग को है। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी स्पष्ट कर दिया है कि जो व्यक्ति भारत का आधिकारिक नागरिक होगा, उसे ही मताधिकार प्राप्त होगा। बिहार मतदाता सूची गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) मामले में सुप्रीम कोर्ट ने देश के समक्ष यह स्पष्ट कर दिया कि आधार कार्ड को देश की नागरिकता का सबूत नहीं माना जा सकता। आधार कार्ड मतदाता सूची के लिए वैध पहचान पत्र हो सकता है, लेकिन उसकी वैधता की जांच करना चुनाव आयोग का अधिकार है। बिहार मतदाता सूची गहन पुनरीक्षण मामले में सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव



आयोग को निर्देश दिया कि वे आधार कार्ड को 12वां दस्तावेज मानें ताकि मतदाता वोटर लिस्ट में नाम शामिल कराने के लिए आधार कार्ड को भी पेश कर सकें, लेकिन आधार कार्ड की वैधता को जांच चुनाव आयोग

आधार कार्ड की वैधता की जांच कर सकता है चुनाव आयोग प्रमाणित नागरिकों के नाम ही मतदाता सूची में शामिल होंगे

कर सकता है। चुनाव आयोग पहले ही 11 दस्तावेजों की सूची जारी कर चुका है, जिन्हें दिखाकर मतदाता, वोटर लिस्ट में अपना नाम शामिल कर सकते हैं। पहले इन दस्तावेजों में आधार कार्ड शामिल नहीं

था, लेकिन अब सुप्रीम कोर्ट ने आधार कार्ड को बतौर 12वां दस्तावेज मानने का आदेश दिया है। शीर्ष अदालत ने चुनाव आयोग से अपने सभी अधिकारियों को निर्देश जारी करने को भी कहा है ताकि आधार कार्ड को स्वीकार किया जा सके। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने साफ कर दिया कि आधार कार्ड को नागरिकता का सबूत नहीं माना जा सकता। चुनाव आयोग को बड़ी राहत देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि चुनाव आयोग को आधार कार्ड की वैधता जांचने का पूरा अधिकार होगा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि केवल वास्तविक नागरिकों को ही वोट देने की अनुमति होगी, जाली दस्तावेजों के आधार पर असली होने का दावा करने वालों को मतदाता सूची से बाहर रखा जाए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि कोई भी नहीं चाहता कि चुनाव आयोग अवैध प्रवासियों को मतदाता सूची में शामिल करे।

►10पर

## रेवंत रेड्डी के खिलाफ भाजपा की याचिका खारिज

# नेता की चमड़ी मोटी होनी चाहिए : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 08 सितंबर (एजेंसियां)।

सुप्रीम कोर्ट ने भारतीय जनता पार्टी की तेलंगाना शाखा की ओर से राज्य के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के खिलाफ दायर याचिका पर विचार करने से इन्कार कर दिया है। इस याचिका में रेवंत रेड्डी के खिलाफ कथित अपमानजनक टिप्पणियों के मामले को रद्द करने के तेलंगाना हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती दी गई थी। 2024 के लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान रेवंत रेड्डी ने कहा था कि अगर भाजपा तेलंगाना में सत्ता में आती है तो वह आरक्षण समाप्त कर देगी। मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई की अध्यक्षता वाली पीठ ने सोमवार को यह कहते हुए मामले को खारिज कर दिया कि शीर्ष अदालत को राजनीतिक लड़ाई लड़ने के मंच में नहीं बदला जाना चाहिए।



## शीर्ष अदालत को सियासी लड़ाई का मंच न बनाएं

मुख्य न्यायाधीश ने टिप्पणी की, यदि आप नेता हैं, तो आपके पास इन सब चीजों को सहने के लिए मोटी चमड़ी होनी चाहिए। मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई, न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन और जस्टिस अतुल एस चंद्रकर की पीठ ने कहा कि वह इस मामले में हस्तक्षेप करने के लिए इच्छुक नहीं है।

►10पर

## सांप्रदायिक हरकतों और अफवाहबाजी पर सख्ती का नतीजा

# संसद भवन में घुसे उपद्रवी, हिंसा में 14 मरे

काठमांडू, 08 सितंबर (एजेंसियां)।

अफवाहबाजी, कट्टर सांप्रदायिक हरकतें और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के बेजा इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाने के सरकार के फैसले के खिलाफ नेपाल में अराजक तत्वों ने काठमांडू को ढाका बनाने की कोशिश की। सरकार के भ्रष्टाचार और सोशल मीडिया पर बैन के खिलाफ आंदोलन के नाम पर उपद्रवियों की भीड़ ने पुलिस पर हमला बोल दिया और बिल्कुल बांग्लादेश की तरह काठमांडू में भी संसद भवन में घुस गए। उग्र भीड़ पर पुलिस ने पहले लाठीचार्ज किया और आंसू गैस के गोले दागे।



काठमांडू को ढाका बनाने की साजिश हींसा

लेकिन भीड़ का इरादा कुछ और था। इसे देखते हुए पुलिस को उपद्रवियों पर बल प्रयोग करना पड़ा। उपद्रवियों द्वारा भड़काई गई हिंसा में 14 लोगों के मारे जाने की खबर है। 50 लोगों के घायल होने की भी जानकारी मिली है। नेपाल में सरकार के भ्रष्टाचार और सोशल मीडिया पर प्रतिबंध के खिलाफ प्रदर्शनकारियों सड़कों पर उतरकर प्रदर्शन किया, सरकार के खिलाफ उग्र नारेबाजी की और संसद भवन में घुस गए। सुरक्षा बलों की ओर से जब उन्हें रोकने की कोशिश की गई, तब वे और हिंसक हो गए और बैरिकेड कूदकर ध्वज-उधर भागने लगे।

►10पर

## मटन नहीं तो शादी नहीं..!



जम्मू, 08 सितंबर (व्यूरो)।

जम्मू कश्मीर में मटन का अकाल हो गया है, इसलिए शादियां नहीं हो रही हैं। सैकड़ों शादियां मटन के अकाल के कारण स्थगित हो गई हैं। श्रीनगर-जम्मू राजमार्ग के लगातार बंद रहने और मुगल रोड पर कथित कुप्रबंधन के कारण कश्मीर घाटी में मटन उद्योग बुरी तरह प्रभावित हुआ है। इससे मटन की भारी कमी हो गई है और लोगों को शादी समारोह स्थगित करने पड़े हैं। मटन डीलर्स एसोसिएशन के अनुसार, मटन की अनुपलब्धता के कारण घाटी में होने वाली 150 से ज्यादा शादियां स्थगित करनी पड़ी हैं।

►10पर

## प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भाजपा सांसदों से कहा

# जनता से जुड़ें, कॉरपोरेट एजेंडे से बचें



जनता का हित सर्वोपरि रहना चाहिए

नई दिल्ली, 08 सितंबर (एजेंसियां)। भाजपा की कार्यशाला में पीएम मोदी ने सांसदों से संसदीय समितियों में बड़-चढ़कर भाग लेने की अपील की। पीएम मोदी ने सांसदों से अपने-अपने क्षेत्रों में टिफिन मीटिंग रखने का भी आह्वान किया। पीएम मोदी ने सांसदों से अपील की कि वह अपने क्षेत्रों में इस बात का ध्यान रखें कि समारोह स्थगित करने पड़े हैं। मटन डीलर्स एसोसिएशन के अनुसार, मटन की अनुपलब्धता के कारण घाटी में होने वाली 150 से ज्यादा शादियां स्थगित करनी पड़ी हैं।

उनका कहना था कि जनता का हित हमेशा सर्वोपरि रहना चाहिए। पार्टी कार्यशाला में विभिन्न सांसद समूहों से बात करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने उन्हें संसदीय समितियों में सक्रिय रहने के लिए कहा। पीएम ने कहा, इन बैठकों में जाने से पहले आप मंत्रियों और अधिकारियों से मिलें ताकि आप विषय की गहराई समझ सकें। पीएम मोदी ने सांसदों से सरकारी योजनाओं पर ध्यान देने और स्वच्छता अभियान में आगे बढ़ने के लिए सिंगापुर का उदाहरण लेने का आह्वान किया। पीएम मोदी ने सांसदों

से अपने संसदीय क्षेत्रों की विधानसभा सीटों पर हर महीने एक टिफिन मीटिंग आयोजित करने को कहा, ताकि लोगों से सीधा संवाद हो सके और उनकी समस्याओं को जाना जा सके। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, हमारी पार्टी में संसद कार्यशाला जैसे मंच महत्वपूर्ण हैं क्योंकि ये एक-दूसरे से सीखने और इस बात पर विचार-विमर्श करने के बेहतरीन मंच हैं कि हम लोगों की और बेहतर सेवा कैसे कर सकते हैं। पीएम मोदी ने जीएसटी सुधारों की प्रशंसा की और इसके लाभों को जनता

►10पर

## कुलगाम में 2 आतंकी डेर, 2 जवान भी शहीद

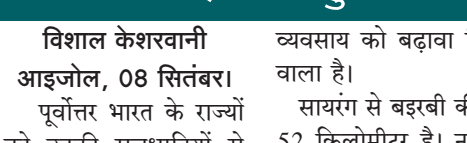


जम्मू, 08 सितंबर (व्यूरो)।

कश्मीर के कुलगाम इलाके के जंगलों में तीन से चार आतंकीयों के साथ मुठभेड़ के बाद सुरक्षाबलों ने दो को मार गिराया है जबकि बाकी के साथ मुठभेड़ जारी थी। मुठभेड़ में सेना के एक अधिकारी समेत चार जवान जख्मी हो गए थे जिनमें से दो ने बाद में दम तोड़ दिया। दूसरी ओर बीएसएफ ने जम्मू के आरएस पुरा में एक पाकिस्तानी नागरिक को पकड़ा है। अधिकारियों ने बताया कि सोमवार को दक्षिण कश्मीर के कुलगाम जिले के गुड्डार वन क्षेत्र में आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच मुठभेड़ शुरू हो गई। पुलिस, सेना की 9 आरआर और

►10पर

## पहली बार मिजोरम की राजधानी आइजोल पहुंचेगी रेल



विशाल केशरवानी आइजोल, 08 सितंबर। पूर्वोत्तर भारत के राज्यों को उनकी राजधानियों से जोड़ने के अपने संकल्प को पूरा करने की दिशा में केंद्र सरकार ने मजबूत कदम बढ़ाया है। मिजोरम की राजधानी आइजोल के पास सायरंग स्टेशन को बड़बी शहर से रेल द्वारा जोड़ा जाएगा। यह नई रेल लाइन 52 किलोमीटर लंबी है और इसमें 48 सुरंगें और 142 पुल हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 13 सितंबर को इस रेल लाइन का उद्घाटन करेंगे। इस परियोजना पर 8070 करोड़ रुपए खर्च हुए हैं। इस रेल लाइन से मिजोरम के पर्यटन

## दुर्गम क्षेत्र में अब होगी सुगम यात्रा



## पीएम मोदी 13 सितंबर को करेंगे नायाब प्रोजेक्ट का उद्घाटन

## 48 सुरंगों और 142 पुलों से गुजरेंगी 52 किमी की रेल लाइन

पहुंचेगा और उनकी यात्रा और मिजोरम के लिए पहली सुलभ हो जाएगी। इस नई परियोजना की जानकारी देने

के लिए कर्नाटक के पत्रकारों के लिए एक अध्ययन दौरे का आयोजन किया गया। इसमें राज्य के कई पत्रकारों ने भाग लिया। इस दौरे में दक्षिण पश्चिम रेलवे की जन-सम्पर्क अधिकारी राधा रानी, दक्षिण पश्चिम रेलवे के वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी पवन कुमार और पूर्वोत्तर रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी कर्पिजल के शर्मा भी शामिल थे, जिन्होंने परियोजना के बारे में विस्तार से जानकारी दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 29 नवंबर 2014 को मिजोरम में बड़बी से सायरंग तक की नई रेल लाइन की आधारशिला रखी थी। 21 मार्च 2016 को असम से

बड़बी तक रेल मार्ग को ब्रॉड गेज में परिवर्तित करने के साथ पहली मालगाड़ी मिजोरम के बड़बी पहुंची। 10 जून 2025 को हतकी से सायरंग तक अंतिम सेक्शन चालू किया गया। इससे 51.38 किलोमीटर रेल मार्ग पूरी हो गई और आइजोल पहली बार भारतीय रेलवे के नेटवर्क से जुड़ गया। परियोजना की कुल लंबाई 51.38 किलोमीटर है। परियोजना लाइन कोलकाता और आइजोल जिलों से होकर गुजरती है। जिसमें हरतकी, कॉनपुरई, मुअलखांग, सायरंग स्टेशन शामिल हैं।

►10पर

## बंगाल में रेत तस्करो के खिलाफ ईडी का छापा



कोलकाता, 08 सितंबर (एजेंसियां)।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सोमवार को कोलकाता सहित पश्चिम बंगाल में 20 से ज्यादा जगहों पर सिलसिलेवार छापेमारी की। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि रेत तस्करी रैकेट में शामिल लोगों और उनके व्यवसायों पर छापेमारी की गई। कोलकाता के बेहाला, रीजेंट पार्क, बिधाननगर और कल्याणी समेत कई इलाकों में छापेमारी हुई है। इस कार्रवाई के केंद्र में पश्चिम बंगाल के झाड़ग्राम का कुख्यात रेत तस्करी श्रेष्ठ जहीरूल है। ईडी के अधिकारियों ने झारग्राम के गोपीबल्लुवपुर में स्वर्णखा नदी के पास स्थित शेख जहीरूल के आवास की तलाशी ली।

►10पर





# संस्कृति, शिल्प कौशल एवं विलासिता की प्रदर्शनी जीतो जेवर एंड द ब्राइडल स्टोरी सम्पन्न



## प्रसिद्ध ब्रांड की स्टालों ने हजारों आगंतुकों का मन मोहा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जीतो बेंगलूरु नार्थ, केकेजी जोन एवं एपेक्स महिला विंग द्वारा बेंगलूरु के त्रिपुरा वासिनी पैलेस ग्राउंड में आयोजित संस्कृति, शिल्प कौशल एवं विलासिता की तीन दिवसीय प्रदर्शनी का समापन रविवार को हुआ।

प्रदर्शनी में हीरा, सोना, कुंदन, रत्न, पोलकी व चांदी के नवीनतम जेवर एवं अन्य उत्पाद, वैडिंग आउटफिट्स, डिजायनर लहंगे, साड़िया, शेरवानी, इंडो वेस्टर्न परिधान, डेकोरेशन, फोटोग्राफी, इवेंट मैनेजमेंट, आमंत्रण पत्र, ब्यूटी उत्पाद, मेकअप आदि उत्पादों व सेवे-13ओं से सजी प्रसिद्ध ब्रांड की स्टालों ने हजारों आगंतुकों का न केवल मन मोहा अपितु उनके परिवार व रिश्तेदारों के यह आयोजित होने वाले शुभ कार्यों तथा शादी ब्याह में इस खंड में आने वाली दुविधाओं को कम करके चयन प्रक्रिया को आसान बनाने में सहायक बनी। जीतो बेंगलूरु नार्थ के अध्यक्ष विमल कटारिया



ने सभी प्रायोजकों, जीतो एपेक्स, जीतो केकेजी जोन, जीतो बेंगलूरु का आभार व्यक्त करते हुए बताया कि यह सामूहिक समर्पण एवं इच्छाशक्ति का ही परिणाम है जिससे कि एक विशाल आयोजन निर्विघ्न संपन्न हुआ। उन्होंने कहा कि समाज के प्रति समर्पित जीतो की प्रतिबद्धता एवं निष्काम भाव का ही परिणाम है कि अनेकों चुनौतियों से द्रुत करते हुए सफलता का परचम लहराया। उन्होंने कहा कि सफलता जादू के डंडे से नहीं अपितु सेवा, समर्पण एवं श्रद्धा से मिलती है और आयोजन के कार्यों में भागीदारी निभाने वाले प्रत्येक व्यक्ति में इन तीनों

चीजों का मिश्रण था। महामंत्री विजय सिंघवी ने आयोजन की सफलता पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि प्रदर्शनी में अनेकों प्रसिद्ध उत्पाद एवं सेवाओं के साथ आयोजित शून्य से शिखर तक, हमसफर एक खोज, जेबीएन 9 एक्स, एचएनआई के साथ नेटवर्किंग, युवा मानस को धन्यवाद दिया। जीतो जेवर एक्सपो के संयोजक सुरेश गन्ना, सह संयोजक प्रवीण दक व संजीव गन्ना ने आयोजन को सफलतम बताते हुए कहा

कि यह पूरी टीम के तीन महीनों के अथक प्रयास का परिणाम है। जीतो बेंगलूरु नार्थ की महिला विंग अध्यक्ष लक्ष्मी बाफना, मुख्य सचिव रक्षा छाजेड, द ब्राइडल स्टोरी संयोजक सुमन सिंघवी, सह संयोजक बिंदु नाहर ने कहा कि प्रदर्शनी की सफलता नारी शक्ति के व्यापारिक एवं सामाजिक कौशल की क्षमता का प्रदर्शन भी है। आयोजन की पंजीकरण समिति में राकेश मेहता, प्रायोजक समिति में अशोक भंडारी, फूड समिति में विनोद नंदावत, नितेश गांधी, शेखर चानोदिया, वेन्यू समिति में दिनेश बाफना, नरेंद्र आच्छा, सतीश पोरवाड़,

गणमान्य अतिथि समिति में कमल पूनमिया, संघ संस्था समिति में दिनेश खीवेंसरा, श्रेयांश गांधी, विशेष व्यक्ति आमंत्रण समिति में दिनेश लोढ़ा, किशोर कर्णावट, अरविंद टपरावत ने सभी समिति सदस्यों के साथ कर्तव्य निष्ठा के साथ कार्य करते हुए आयोजन को सफलता का अमली जामा पहनाया। आयोजन के सफलता का शिखर चूमने पर जीतो एपेक्स के चेयरमैन पृथ्वीराज कोठारी, केकेजी जोन अध्यक्ष प्रवीण बाफना एवं जीतो बेंगलूरु साउथ अध्यक्ष ने संदेश के द्वारा सफलता का श्रेय जीतो बेंगलूरु नार्थ के साथ कर्तव्य धर्म, कर्तव्य निष्ठा, कर्तव्यपथ, निःस्वार्थ सेवा अडिग संकल्प, समर्पण की परिकाष्ठा, जोश एवं होश का संगम, निष्काम कर्म, समाजहित की सोच एवं जीतो की प्रतिबद्धता निभाने वाले सभी ज्ञात तथा अज्ञात स्रोतों को दिया। प्रदर्शनी में आयोजित जेबीएन 9 एक्स में मदन मुणोत, शून्य से शिखर में डॉ. चेतन मेहता, पंकज जैन, शेखर जैन, युवा सम्मेलन में प्रमित बाफना, अनीष भोजनी और आशीष टपरावत इत्यादि ने सराहनीय सहयोग दिया।

## प्रभु की वाणी सुनने से श्रद्धा होती है मजबूत: साध्वी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री धेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अलसूर के तत्व-1वधान में महावीर भवन में आयोजित प्रवचन में साध्वी श्री इंदुप्रभा जी ने कहा कि प्रभु की वाणी सुनने से श्रद्धा मजबूत होती है और श्रद्धा से संयम में रुचि बढ़ती है। त्याग में संयम है। तीर्थंकर हो या चक्रवर्ती सभी अपार वैभव को त्याग कर संयम मार्ग अपनाते हैं। पुण्यवान को ही संयम और संयमी प्रिय लगते हैं। सिद्ध पद पाना है तो प्रमाद छोड़ना पड़ेगा। जयमल जी ने मात्र एक प्रवचन सुना और जीवन में उतार लिया था। आज वे आचार्य जयमल जी के नाम से वंदनीय पूजनीय बन गए। इस से पूर्व प्रवचन प्रारंभ करते हुए साध्वी श्री निपुणप्रभा जी ने कहा कि लौकिक सुख क्षणिक होते हैं और आभास मात्र होते हैं। शाश्वत सुख पाने के लिए प्रमाद कम करना होगा। खाने पीने, घूमने और व्यर्थ की चर्चाओं में हम प्राप्त समय व्यर्थ कर रहे हैं। मृत्यु हमारे सामने खड़ी है फिर भी जीवन सुधारने का कोई प्रयत्न नहीं हो रहा है। प्रभु महावीर ने गणधर गौतम को बार बार चेताते हुए हमें भी चेताया है कि हम क्षण मात्र का भी प्रमाद नहीं करें। प्रवचन सभा में सज्जनबाई लोढ़ा ने 14 तथा आशा बाई गुलेच्छा ने 32 उपवास के प्रत्याख्यान लिए। अलसूर संघ के मंत्री अभय कुमार बाठिया ने सभा का संचालन किया। धनपत राज बोहरा ने अतिथियों का स्वागत किया। साध्वी श्री शशिप्रभा जी ने मंगल पाठ सुनाया।

## राजभाषा कार्यान्वयन समिति की त्रैमासिक बैठक आयोजित



बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। रेल पहिया कारखाना में सोमवार को चन्द्र वीर रमण, महाप्रबंधक रेपका की अध्यक्षता में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक आयोजित की गई, जिसमें सभी विभागाध्यक्षों ने भाग लिया। आनंद स्वरूप, मुख्य राजभाषा अधिकारी व प्रधान मुख्य यांत्रिक इंजीनियर ने महाप्रबंधक एवं सभी विभागाध्यक्षों का स्वागत किया तथा उन्होंने अपने संबोधन में राजभाषा के विकास के लिए हिंदी में अधिक से अधिक कार्य करने का सुझाव दिया। बैठक में विभागवार राजभाषा प्रगति की समीक्षा की गई। महाप्रबंधक ने रेल पहिया कारखाना में हिंदी के प्रयोग-प्रसार की सराहना की और दैनिक कार्यों में हिंदी के प्रयोग को और बढ़ाने का सुझाव दिया। एस.सविता, राजभाषा अधिकारी द्वारा बैठक का संचालन किया गया।

## हम जीवन में जैसा सोचते हैं वैसा ही बन जाते हैं: साध्वी भव्यगुणा

दावणगेरे/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री शंखेश्वर पार्थ राजेन्द्र सूरि गुरुमंदिर संघ काईपेट दावणगेरे में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी भव्यगुणा श्री ने शाह लाइफ स्टाइल अपार्टमेंट में सभा को संबोधित करते हुए कहा कि हजार समस्याओं का समाधान हमारी सकारात्मक सोच में छिपा है। जीवन का विकास हो या पारिवारिक प्रेम, सबका आधार हमारी बड़ी सोच ही है। जैसे सांप-सीढ़ी के खेल में सीढ़ी हमें नीचे से ऊपर पहुंचाती है और सांप का मुंह हमें ठेठ ऊपर से नीचे लाकर पटकता है, वैसे ही सकारात्मक सोच हमारी जिंदगी में सीढ़ी की भूमिका अदा करती है और नकारात्मक सोच सांप के मुंह की। हम चाहें तो सोच को सुधार भी सकते हैं और बिगाड़ भी सकते हैं, पर हमें इतना जरूर याद



रखना चाहिए कि हम जीवन में जैसा सोचते हैं वैसा ही बन जाते हैं। अच्छा सोचेंगे तो अच्छा इंसान बन जाएंगे और बुरा सोचेंगे तो बुरा इंसान बन जाएंगे। उन्होंने कहा कि हम निगेटिव वातावरण में दो मिनट का भी धैर्य रख लेंगे तो अपने आने वाले बीस घंटों को दुखी होने से बचा लेंगे। साध्वी शीतलगुणा ने कहा कि मानव जीवन का उद्देश्य अपनी आत्मा को उस परम शिखर पर विराजमान करना है जहां प्रभु व अपनी

आत्मा की समस्त दूरियां मिट जाए तथा परमात्मा के पुनीत चरणों में अपनी आत्मा भी समर्पित हो कर परम पद मोक्ष की प्राप्ति कर सकें। साध्वी ने कहा कि जिसकी वाणी व जीवन में सत्य धर्म अवतरित हो जाता है, उसकी संसार सागर से मुक्ति एकदम निश्चित है। साध्वीवृंद ने शाह लाइफ स्टाइल अपार्टमेंट में सभी घर पर पगलिया करके मांगलिक सुनाया। सकल संघ ने साधर्मिक भक्ति का लाभ लिया। अंबालाल शाह ने बताया कि शाह लाइफ स्टाइल अपार्टमेंट परिवार से साधर्मिक भक्ति का लाभ प्रवीण कुमार, नटवरलाल, संघवी चंपालाल फुलचंद, प्रियेश कुमार, पक्षाल कुमार, रमेश कुमार, क्राड मुथा, भवर्लाल तलसा रायगांधी, अशोक कुमार चुन्निलाल रायगांधी परिवार ने लिया।



बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्रेष्ठ महिला संगठन' अलंकरण से सम्मानित श्री मातृछाया जैन महिला संगठन ने पर्युषण महापर्व को सेवा यात्रा का स्वरूप दिया। अध्यक्ष ललिता नागोरी ने बताया कि संगठन ने अपने मूल उद्देश्यों जीवदया, देवद्वय, साधर्मिक भक्ति, परमार्थ सेवा एवं सामाजिक कल्याण को साकार करते हुए विविध सेवाकार्यों का आयोजन किया। मार्गदर्शिका त्रिशला कोठारी ने कहा कि दान केवल वस्तु का नहीं होता, यह तो हृदय की करुणा का प्रकटीकरण है। इसके अंतर्गत संगठन ने प्रातःकाल जीवदया भक्ति

तथा विभिन्न जिनालयों में पूजन सामग्री अर्पित की।

दानदाताओं के सहयोग से संगठन ने एडिडूर गोशाला, श्री कामधेनु गोशाला ट्रस्ट चिक्कमगलूर, ऋषभ कामधेनु गोशाला को गौवंशों के लिए घास भेजी। भगवान महावीर गौतीर्थ गोशाला को दैनिक उपयोगी सामग्री प्रदान की। जरूरतमंद साधर्मिक परिवारों को राशन एवं नकद राशि वितरित की गई। कर्नाटक वेलफेयर एसोसिएशन फॉर द ब्लाइंड में बच्चों को जैकेट एवं खाद्य सामग्री दी गई। आहोर (राज.) स्थित मंदबुद्धि बच्चों के आश्रम में बच्चों के लिए



पूरे दिन का भोजन एवं जिनमंदिर दर्शन की व्यवस्था की गई। सचिव रेशमा बड़ोला ने बताया कि मातृश्री मनोविकास केंद्र में दिव्यांग बच्चों हेतु आवश्यक सामग्री दी गई। महावीर स्वामी जीवदया ग्रुप राजमंडी एवं श्री महावीर जैन पशु सेवा केंद्र ने हल्लोर को दुर्घटनाग्रस्त पशुओं की चिकित्सा हेतु सहयोग राशि दी गई।

उपाध्यक्ष पुष्पा बाफना ने बताया कि मुंबई में दृष्टिबाधित एवं कैसर पीड़ित अस्पताल को सहयोग राशि दी गई। महानगर पालिका के कर्मचारियों को अनाज के किट वितरित किए गए। सेवाकार्यों में

निर्मला दांतेवाड़िया, त्रिशला दांतेवाड़िया, नीलम ललवानी, सारिका लुंकड़, मनीषा जैन, ईशा वोरा, रीटा जैन, सरला मेहता, सुनीता भंडारी, मीना सोलंकी, मीना सोनी-गरा, पुष्पा सोनीगरा, लीला भंसाली, पुष्पा नागोरी, उषा जैन, शोभा भंडारी, कंचन आर., पिंकी बंदायुथा, हेमा बंदायुथा, मंजु ओस्तवाल, रेणु गांधी, मनीषा सालेचा, मोनिका पालरेचा, पवन मुथा आदि का सराहनीय सहयोग रहा। श्री मातृछाया जैन महिला संगठन की ओर से विशाल शॉपिंग निःशुल्क प्रदर्शनी का आयोजन 16 एवं 17 को होगा।

## भव्य 2-इन-1 सेवा कार्यक्रम का शुभारंभ

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक सरकार के परिवहन मंत्री रामलिंगा रेड्डी एवं कोरमंगला वार्ड के कारपोरेटर एम. चंद्रप्पा ने कोरमंगला बीएमटीसी डिपो में मारवाड़ी युवा मंच बेंगलूरु स्टार्स द्वारा आयोजित भव्य 2-इन-1 सेवा कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मंत्री एवं कारपोरेटर ने अपने उद्बोधन में बाबूलाल गुप्ता फाउंडेशन और मायुम बेंगलूरु स्टार्स की समाजसेवा की भावना की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्य समाज में सकारात्मक परिवर्तन का आधार बनते हैं और युवाओं को प्रेरित करते हैं। यह डिपो प्रतिदिन लगभग 800 से 900 बस चालकों एवं सहायक कर्मचारियों की सेवा करता है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत दो प्रमुख राष्ट्रीय परियोजनाएँ संपन्न की गईं। बाबूलाल गुप्ता फाउंडेशन के उदार सहयोग से अमृतधारा जल ही



जीवन अभियान की 8वीं सेवा के तहत डिपो परिसर में 500 लीटर क्षमता की एक अत्याधुनिक मेगा आरओ यूनिट स्थापित की गई। यह यूनिट अमृतधारा अभियान की 8वीं सेवा है, जिसका लाभ प्रतिदिन बीएमटीसी के सभी कर्मचारियों को मिलेगा। इस अवसर पर मंच ने बाबूलाल गुप्ता एवं उनके परिवार के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया। अन्न सेवा - सेवा से संतोष मारवाड़ी युवा मंच बेंगलूरु स्टार्स द्वारा सेवा से संतोष अभियान के अंतर्गत अन्न सेवा का आयोजन किया गया, जिसमें

लगभग 400 लोगों को भोजन वितरित किया गया। यह सेवा बीएमटीसी स्टाफ के दैनिक जीवन में सहयोग और आनंद का संचार करने हेतु की गई। कई सदस्य अपने परिवार सहित इस पुण्य कार्य में सम्मिलित हुए। कार्यक्रम में बाबूलाल गुप्ता फाउंडेशन के ट्रस्टी बाबूलाल गुप्ता एवं उनका परिवार विशेष रूप से उपस्थित रहा। मंच की ओर से पूर्व अध्यक्ष आनंद अग्रवाल, पूर्व अध्यक्ष ऋषभ सरफि, प्रांतीय अमृतधारा संयोजक गौरांग गुप्ता तथा 2025-26 की कार्यकारिणी

समिति के अधिकांश सदस्य बड़ी संख्या में मौजूद रहे और सक्रिय भूमिका निभाई।

बीएमटीसी के वरिष्ठ अधिकारी डेपो मैनेजर - रमेश पी, उपनिर्बंधक बीएमटीसी पूर्व अमर लिंगा होश पूजारी एवं उप यांत्रिक इंजीनियर आनंद ने अपनी उपस्थिति और सहयोग से आयोजन की गरिमा और बढ़ाई। शाखा अध्यक्ष आशीष फिटकरीवाला ने कहा शाखा का यह बीएमटीसी के साथ दूसरा सफल कार्यक्रम है जो समाज सेवा की दिशा में एक सशक्त कदम है। उन्होंने शाखा संयोजक दीपा चौधरी, अभिनव डोकानिया और गौरांग गुप्ता को धन्यवाद देते हुए कहा कि पिछले एक माह से निःस्वार्थ भाव से परिश्रम किया, उसी का परिणाम आज का यह भव्य, सुंदर और सफल आयोजन है।

## शिक्षा सबके लिए प्रोजेक्ट के अंतर्गत मेगा बैग वितरण एवं साइबर सेफ्टी कार्यक्रम का आयोजन

कोलार/शुभ लाभ ब्यूरो।

शिक्षा सबके लिए प्रोजेक्ट के अंतर्गत कोलार क्षेत्र में मेगा बैग वितरण शिविर एवं साइबर सेफ्टी कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया।

यह आयोजन न केवल बच्चों के जीवन में उपयोगी रहा बल्कि समाज के लिए भी प्रेरणादायी उदाहरण प्रस्तुत करता है। क्रिएशन ग्रुप (विजय गोयल) के उदार सहयोग से यह कार्यक्रम और भी यादगार बन सका। उनके सहयोग के बिना यह भव्य पहल संभव नहीं थी। कार्यक्रम की शुरुआत बैग वितरण शिविर से हुई। इसमें 1300 स्कूल बैग जरूरतमंद बच्चों तक पहुंचाए गए। इस साल की बैग वितरण पहल का यह एक अहम पड़ाव रहा, क्योंकि इस कार्यक्रम के साथ ही इस वित्तीय



वर्ष में वितरित बैगों की कुल संख्या 5000 का आँकड़ा पार कर 5800 तक पहुंच गई। इस उपलब्धि पर संगठन के अध्यक्ष गोपाल कुमार ने सभी सदस्यों को हार्दिक बधाई दी और कहा कि यह सभी की सामूहिक मेहनत और समाजसेवा के प्रति समर्पण का परिणाम है। उन्होंने इस उपलब्धि को शिक्षा को बढ़ावा देने की दिशा में संगठन का एक

महत्वपूर्ण मील का पत्थर बताया। बैग वितरण के बाद साइबर सेफ्टी सत्र आयोजित किया गया, जिसमें 7वीं से 10वीं कक्षा के विद्यार्थियों को मोबाइल एवं इंटरनेट से जुड़े खतरों, साइबर क्राइम से बचाव के उपाय तथा सुरक्षित डिजिटल व्यवहार की जानकारी दी गई। विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह और ध्यान से इसमें भाग लिया। इस सत्र को स्कूल समन्वयकों और शिक्षकों ने विशेष रूप से सराहा और कहा कि आज के समय में बच्चों को साइबर सुरक्षा की जानकारी देना अत्यंत आवश्यक है। सभी बच्चों के लिए भोजन की व्यवस्था भी की गई, जिससे लाभार्थी बच्चों के चेहरे पर खुशी साफ झलक रही थी। इस मानवीय पहल ने कार्यक्रम को और प्रभावशाली बना दिया। इस सफल आयोजन का श्रेय समर्पित समन्वयकों को जाता है, जिसमें पूर्व अध्यक्ष अंकित मोदी, पूर्व अध्यक्ष स्नेह जाजू, प्रदीप अग्रवाल, पर्यनित राठी और आशु मित्तल शामिल हैं। इस अवसर पर उपाध्यक्ष कन्हैया अग्रवाल, तनुज टेकरियावाल, अशोक अग्रवाल, विनोद गर्ग, अमित अग्रवाल, सौरभ मित्तल, प्रदीप चौधरी आदि लोग उपस्थित थे।











## ट्रंप के टैरिफ पर बड़ा प्रहार

## पीएम मोदी ने उतारी सांसदों की फौज, इन 3 टारगेट पर काम करने का दिया निर्देश

नई दिल्ली, 08 सितंबर (एजेंसियां)।

भारत पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के द्वारा 50 प्रतिशत का टैरिफ लगाने के फैसले के बाद अब पीएम मोदी ने नई रणनीति बनाई है। दरअसल, पीएम मोदी आत्मनिर्भर भारत बनाने के लिए सांसदों की फौज उतारने जा रहे हैं। दरअसल, पीएम मोदी ने सांसदों की कार्यशाला में 'स्वदेशी' का नारा एक बार फिर से बुलंद किया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को सतारूड राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के सांसदों से भारत में निर्मित उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए 'स्वदेशी मेला' आयोजित करने का आग्रह किया और कहा कि आत्मनिर्भरता ही भारत के उत्थान का मार्ग है।

सूत्रों ने बताया कि उपराष्ट्रपति चुनाव से एक दिन पहले सांसदों को संबोधित करते हुए मोदी ने भारत में निर्मित उत्पादों को बढ़ावा देने की आवश्यकता



पर जोर दिया और लोगों को जीएसटी दरों में कटौती के व्यापक प्रभाव के बारे में बताने का आग्रह किया।

सूत्रों ने बताया कि इसके अलावा उन्होंने सांसदों से खासकर त्योहारी

सीजन में अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों में लोगों एवं व्यापारियों के साथ बैठकें करने का आग्रह किया। केंद्रीय मंत्री किरेन रीजीजू ने बाद में कहा कि मोदी

ने किसी देश का जिक्र नहीं किया, बल्कि आत्मनिर्भरता की जरूरत पर जोर दिया।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत एक मजबूत राष्ट्र के रूप में उभर रहा है, ऐसे में कुछ चुनौतियां भी आएंगी और विकसित राष्ट्र बनने की राह पर आगे बढ़ने के लिए उसे आत्मनिर्भर होने की जरूरत है।

रिजिजू ने कहा कि उन्होंने सांसदों से अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों में भारत में निर्मित उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए मेले आयोजित करने और इसमें नेतृत्वकारी भूमिका निभाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि लोगों को भारत में निर्मित उत्पादों पर उतना ही गर्व होना चाहिए, जितना वे कभी जापानी वस्तुओं पर महसूस करते थे।

पीएम मोदी ने सांसदों से कहा कि वे जिस कार्यक्रम में शामिल हों, 'स्वदेशी' उसका हिस्सा होना चाहिए। प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार द्वारा माल एवं सेवा कर (जीएसटी) दरों में कटौती से एक लहर पैदा हुई है और सांसद जनता के साथ बैठकें करके इस संदेश को उन तक पहुंचाएं। सूत्रों ने बताया कि मोदी ने सांसदों को सलाह दी कि वे मंगलवार को होने वाले उपराष्ट्रपति चुनाव में सही तरीके से मतदान करें, ताकि कोई भी वोट बर्बाद न हो।

तेजस्वी की पत्नी पर गलत बयान के बाद राजबल्लभ की सफाई

## किसी महिला को जानवर कहना मेरे स्वभाव में नहीं

नवादा , 08 सितंबर (एजेंसियां)।

नवादा में सोमवार को आयोजित एक विशाल सामाजिक कार्यकर्ता सम्मेलन में पूर्व श्रम राज्यमंत्री राजबल्लभ प्रसाद ने अपने राजनीतिक विरोधियों पर जमकर हमला बोला। उन्होंने चेतावनी दी कि बयानबाजी करने वालों को अदालत में घसीटकर सच उगलवाया जाएगा।

राजबल्लभ ने कहा कि तेजस्वी यादव की पत्नी राजश्री यादव के बयान को तोड़-मरोड़कर पेश किया गया, जबकि उन्होंने कोई अपातिजनक टिप्पणी नहीं की थी। उन्होंने कहा कि मैं स्पष्टवादी हूँ। आदमी को आदमी और जानवर को जानवर ही कहूंगा। किसी महिला को जानवर कहना मेरे स्वभाव में नहीं। मेरे बयान को तोड़ने-मरोड़ने वालों को जनता और अदालत दोनों सबक सिखाएंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि



यह लड़ाई वैचारिक है, हिंसक नहीं। इसी दौरान उन्होंने विनय यादव को दंगल में चुनौती दी। राजबल्लभ ने व्यंग्य करते हुए कहा कि सुबह-शाम दो किलो दूध भेजंगा तैयारी के लिए। अगर जीत गए तो 11 लाख का इनाम दूंगा, लेकिन अगर चांप दिया तो जिम्मेदारी उनकी होगी।

बिना नाम लिए कौशल यादव पर भी उन्होंने हमला बोला। हत्या, अपहरण और बालू घोटाले से जुड़े केस नंबर तक मंच से पढ़कर सुनाए और आर-पेप लगाया कि बड़े नेताओं की शह पर ऐसे मामलों को 19 साल से दबाया जा रहा है। उन्होंने विनय यादव पर भी

जनवितरण प्रणाली, मध्यान्ह भोजन और आंगनबाड़ी योजन-1ओं में भ्रष्टाचार करने का आरोप लगाया। सम्मेलन की अध्यक्षता वरिष्ठ समाजसेवी देवकी मांडवी ने की और संचालन प्रिंस तमन्ना ने किया। भारी जनसमूह से उत्साहित राजबल्लभ ने सैकड़ों वरिष्ठ नागरिकों, महिलाओं और पत्रकारों को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया। इस मौके पर सदर विधायक विभा देवी, रजौली विधायक प्रकाशवीर, एमएलसी अशोक कुमार, जिला परिषद अध्यक्ष पुष्पा राजवंशी समेत कई नेताओं ने राजबल्लभ प्रसाद के सामाजिक योगदान की सराहना की।

## जम्मू कश्मीर में जन सुरक्षा अधिनियम के तहत कार्रवाई

## आम आदमी पार्टी का विधायक गिरफ्तार

विकास कार्य में बाधा डालने और युवकों को भड़काने का आरोप

जम्मू, 08 सितंबर (ब्यूरो)।

जम्मू कश्मीर के डोडा विधानसभा क्षेत्र से आम आदमी पार्टी के विधायक मेहराज मलिक को जन सुरक्षा अधिनियम (पीएसए) के तहत हिरासत में लिया गया। अधिकारियों ने पुष्टि की है कि मेहराज मलिक को सरकारी अधिकारियों से बदसलूकी करने, विकास कार्यों में बाधा डालने और युवकों को हिंसा के लिए भड़काने के गंभीर आरोप में गिरफ्तार किया गया है। मलिक पर 18 एफआईआर दर्ज किए गए हैं। अधिकारियों ने कहा कि सार्वजनिक व्यवस्था बनाए



रखने के लिए हिरासत आवश्यक थी। यह भी संकेत मिला कि आने वाले दिनों में पीएसए के तहत और भी विधायक हिरासत में लिए जा सकते हैं।

पीएसए जम्मू कश्मीर का एक प्रशासनिक कानून है, जो कुछ मामलों में बिना आरोप या

मुकदमे के दो साल तक की हिरासत की अनुमति देता है। अधिकारियों ने कहा कि मलिक के आचरण से क्षेत्र में शांति और शासन को खतरा है। आम आदमी पार्टी के मेहराज मलिक ने 2024 के विधानसभा चुनाव में डोडा से अपने भाजपा प्रतिद्वंद्वी को 4,500 से अधिक मतों के अंतर से हराया था। इससे पहले, दिसंबर 2020 में उन्होंने कहा। निर्वाचन क्षेत्र से जिला विकास परिषद का चुनाव जीता था और अक्टूबर 2024 में विधानसभा चुनाव जीतने के बाद पद से इस्तीफा दे दिया था।

पटना, 08 सितंबर (ब्यूरो)।

रोहतास जिला कांग्रेस कमेटी इन दिनों अंतर्विरोध के कारण सुर्खियों में है। इससे पहले कांग्रेस जिला अध्यक्ष कन्हैया सिंह नोटरी को भी इसी कारण अपना पद गंवाना पड़ा था। अब नए जिलाध्यक्ष अमरेंद्र कुमार पांडे के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए सच्येंद्र दुबे को अपना जिलाध्यक्ष घोषित कर दिया है। राजनीतिक विशेषज्ञ मानते हैं कि बिहार विधानसभा चुनाव से



पहले पार्टी में चल रहे थे अंतर्विरोध जिले में चुनाव परिणामों को प्रभावित कर सकते हैं।

जिला कांग्रेस कमेटी में राजनीतिक उथल-पुथल के बीच सोमवार को एक प्रेस वार्ता आयोजित की गई। जिलाध्यक्ष

अमरेंद्र कुमार पांडे ने कहा कि बीते रविवार को जगजीवन सेवा आश्रम में आयोजित कार्यक्रमों सम्मान समारोह के दौरान मेरे खिलाफ जो आरोप लगाए गए, वे पूरी तरह निराधार हैं। उन्होंने कहा कि जो लोग विरोध कर रहे हैं, वे चेनारी विधायक मुरारी

प्रसाद गौतम के संपर्क में हैं और पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल रहे हैं, जिसका साक्ष्य उनके पास मौजूद है।

अमरेंद्र कुमार पांडे ने चेतावनी दी कि संगठन का कोई भी सदस्य अगर पार्टी के अनुशासन का उल्लंघन करेगा, उसके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। चेनारी विधायक के साथ घूमने वाले लोग पार्टी के साथ विश्वासघात कर रहे हैं और उनके लिए कांग्रेस में कोई जगह नहीं है।

जिलाध्यक्ष ने कहा कि जिलाध्यक्ष का पद पार्टी के शीर्ष नेतृत्व द्वारा मनोनीत किया जाता है। इसलिए किसी कार्यकर्ता द्वारा

जिलाध्यक्ष का अपमान करना, पार्टी नेतृत्व का अपमान है। उन्होंने उन कार्यकर्ताओं की भी निंदा की, जो झड़ो नाव की सवारी कर रहे हैं।

अमरेंद्र कुमार पांडे ने भाजपा पर आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस में विरोध के पीछे भाजपा का स्लीपर सेल सक्रिय है। भाजपा का अपना जनाधार कमजोर है, इसलिए उन्हें कांग्रेस के कुछ लोगों का सहारा लेना पड़ रहा है।

प्रेस वार्ता के दौरान अनिरुद्ध तिवारी, बीडी शुक्ला, तौफिक अहमद मकरानी, राजेश्वर कुशवाहा और सौरभ कुशवाहा मौजूद रहे।

## भ्रष्टाचार के जनक से मिले हैं! लालू-रेड्डी की मुलाकात पर ललन सिंह ने कसा तंज

पटना/दिल्ली, 08 सितंबर (ब्यूरो)।

केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह ने इंडिया ब्लॉक गठबंधन की ओर से उपराष्ट्रपति पद के लिए उम्मीदवार सुदर्शन रेड्डी और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव की मुलाकात पर तंज कसते हुए कहा कि वे उनसे मिल रहे हैं जो इस देश में भ्रष्टाचार के जनक हैं। मीडिया से बातचीत के दौरान केंद्रीय मंत्री ललन सिंह ने कहा कि बहुत अच्छी बात है कि वे मिलने के लिए गए हैं। जो इस देश में भ्रष्टाचार के जनक हैं, वे उनसे मिलते हैं। अच्छी बात है। उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए 9



सितंबर को मतदान होना है, जिसमें एनडीए के उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन और इंडिया गठबंधन के उम्मीदवार बी. सुदर्शन रेड्डी के बीच मुकाबला है। उपराष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए सोमवार को दिल्ली में जनता

दल यूनाइटेड (जदयू) सांसदों की एक मीटिंग हुई। इस मीटिंग में चुनाव को लेकर चर्चा हुई। मीटिंग के बाद मीडिया से बातचीत के दौरान केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह ने कहा कि उपराष्ट्रपति पद के

लिए 9 सितंबर को चुनाव होगा। लोकसभा और राज्यसभा के सभी जदयू सांसद, कौशलेंद्र कुमार के आवास पर एकत्रित हुए।

उनकी ओर से सभी सांसदों के लिए दोपहर के भोजन का आयोजन किया गया था। उन्होंने कहा कि एनडीए के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन भी मौजूद थे और उन्होंने सभी से बातचीत की। चूंकि मतदान मंगलवार को होना है, इसलिए सांसदों ने मतदान प्रक्रिया का अभ्यास भी किया ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि प्रत्येक वोट सही ढंग से डाला जाए।

केंद्रीय मंत्री ने भरोसा दिलाया

है कि जदयू पार्टी पूरी एकजुटता और मुस्तैदी के साथ एनडीए के उम्मीदवार, पीएम मोदी की ओर से घोषित उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन के साथ खड़ी है। उन्होंने विपक्ष को जवाब देते हुए कहा कि जो भी सांसद चुन कर आए हैं, उनके पास भी विवेक है और उन्हें पता है कि वोट कहां और कैसे करना है। एनडीए की ओर से जो उपराष्ट्रपति पद के लिए उम्मीदवार हैं, उनका एक लंबा सामाजिक जीवन का एक लंबा इतिहास है। वे जमीन स्तर की रिएलिटी से वाकिफ हैं। इसीलिए उन्हें ही देश का उपराष्ट्रपति होना चाहिए जो देश की मूल समस्याओं से वाकिफ हो।

## बाहुबली मुन्ना शुक्ला पर जदयू प्रवक्ता का निशाना कभी लालगंज में हथियार लेकर घूमते थे लोग

वैशाली, 08 सितंबर (ब्यूरो)।

जदयू के प्रवक्ता संजय सिंह ने सोमवार को लालगंज में सभा को संबोधित करते हुए पूर्व विधायक और बाहुबली मुन्ना शुक्ला पर सीधा हमला बोला। उन्होंने कहा कि लालगंज विधानसभा क्षेत्र से एनडीए का जो भी उम्मीदवार होगा, उसे भारी मतों से जिताना है।

संजय सिंह ने कहा कि आज दो धाराओं की लड़ाई है। विकास बनाम विनाश की। 1990 से 2005 तक के दौर को याद कीजिए, जब लालगंज में बड़ी-बड़ी गाड़ियों में राइफल लहराते लोग घूमते थे। लेकिन आज ऐसा दृश्य नहीं देखने को मिलता, क्योंकि 2005 में बिहार को न्याय के साथ विकास का



नाा देने वाले नीतीश कुमार मुख्यमंत्री बने। उन्होंने आगे कहा कि नीतीश कुमार पर आज तक भ्रष्टाचार का कोई आरोप नहीं लगा और वे अपने परिवार के लिए नहीं, बल्कि बिहार की 14 करोड़ जनता के लिए जीते हैं। संजय सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपलब्धियों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने बिहार को कई सौगातें दीं। दरभंगा एयरपोर्ट शुरू

हो चुका है और अब प्रधानमंत्री पूर्णिया में एयरपोर्ट का उद्घाटन करने वाले हैं। सभा में उन्होंने प्रधानमंत्री की दृढ़ नीति का जिक्र करते हुए कहा, झपहलगाय में हमला हुआ था तो प्रधानमंत्री ने साफ कहा था कि जो हमारे पर्यटकों को मारेगा, उसे घर में घुसकर मारेंगे। उन्होंने 56 इंच के सीने का परिचय दिया और पाकिस्तान को करारा जवाब दिया।

## पटना में फर्जी आईपीएस अधिकारी गिरफ्तार

ठगी के कई मामलों का खुलासा, सोशल मीडिया से बढ़ाता था कनेक्शन

पटना, 08 सितंबर (ब्यूरो)।

बिहार की राजधानी पटना में फर्जी आईपीएस अधिकारी बनकर लोगों से ठगी करने के आरोपी युवक को पुलिस ने सोमवार को गिरफ्तार किया। पुलिस ने बताया कि आरोपी की पहचान फुलवारीशरीफ निवासी असलम अहमद के रूप में हुई है। पुलिस से जुड़े आधिकारिक सूत्र ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर रविवार को छापीमारी कर आरोपी को पकड़ा गया, जो पकड़े जाने के वक्त वर्दी में था। पटना पुलिस ने बताया कि आरोपी के पास से भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस)



अधिकारी का फर्जी पहचान पत्र, ईमेल आईडी के प्रिंटआउट, मोबाइल फोन और लैपटॉप बरामद किए गए हैं। जांच में यह भी सामने आया है कि वह सोशल मीडिया पर भी अपनी पहचान एक वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी के रूप में करता था और लोगों को भ्रमित कर उनसे पैसे ऐंठता था।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, आरोपी ने कई लोगों से नौकरी दिलाने, स्थानांतरण कराने और मामलों में मदद करने के नाम पर ठगी की है। प्रारंभिक पूछताछ में

उसने कुछ लोगों से लाखों रुपये वसूलने की बात स्वीकार की है। पुलिस का कहना है कि आरोपी लंबे समय से इस फर्जीबाड़े में लिप्त था और उसने अपनी विश्वसनीयता बढ़ाने के लिए वर्दी पहनकर तस्वीरें भी खिंचवाई थीं। फिलहाल उसके नेटवर्क और उससे जुड़े अन्य लोगों की भी जांच की जा रही है।

आरोपी के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की कई गंभीर धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस अब ठगी के शिकार लोगों की पहचान कर पूरे मामले का खुलासा करने में जुटी है।

## बिहार में युवाओं को साधेगी भाजपा, पहले चरण में 14 जिलों पर नजर, बड़े नेताओं को मंच पर उतारने की तैयारी

पटना, 08 सितंबर (ब्यूरो)।

पूरी तरह से चुनावी रंग में उतर चुकी बिहार भाजपा अपना निशाना राज्य के युवाओं पर साध कर चुनावी जंग को एक नया रूप देने जा रही है। जिले में आयोजित कार्यक्रम में युवाओं को प्रेरणा देने या सक्रिय करने को भाजपा कद्दावर नेताओं को उस मंच पर उतारने की पूरी तैयारी कर ली है। युवाओं को साधने का यह कार्यक्रम पहले चरण में 14 जिलों में होगा। जानिए पूरी तैयारी क्या है और कौन बनेंगे उस मंच के चेहरे?

भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) बिहार में 14 क्षेत्रीय युवा सम्मेलन का आयोजन करने



जा रही है। ये जानकारी भाजयुमो के प्रदेश अध्यक्ष भारतेंदु मिश्रा ने दी। भाजपा प्रदेश कार्यालय में जानकारी साझा करते उन्होंने बताया कि इन सम्मेलनों का एक महत्वपूर्ण उद्देश्य ज्यादा से ज्यादा युवाओं के बीच संपर्क कर उन्हें भाजपा की नीति से जोड़ना और दूसरा उद्देश्य इंडी गठबंधन के झूठ का पर्दाफाश करना भी है। भाजयुमो की ओर से

आयोजित 14 क्षेत्रीय युवा सम्मेलन में देशभर से पार्टी के वरिष्ठ नेतागण शामिल होंगे। क्षेत्रीय युवा सम्मेलन का शुभारंभ 10 सितंबर को गोपालगंज जिले से होगा। यहां भाजयुमो राष्ट्रीय अध्यक्ष और सांसद तेजस्वी सूर्या मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। इसके अलावा क्षेत्रीय युवा सम्मेलन में गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत, केंद्रीय मंत्री

गिरिराज सिंह, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल, उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, विजय कुमार सिन्हा, सांसद अनुराग ठाकुर, बांसुरी स्वराज, संजय जायसवाल, राष्ट्रीय मंत्री ऋतुराज सिन्हा, मंत्री नितिन नवीन सहित अन्य नेतागण विभिन्न जिलों में आयोजित क्षेत्रीय युवा सम्मेलन में भाग लेंगे। भाजयुमो ने इस मौके पर नमो युवा रन का भी आयोजन किया है। इस माध्यम से युवाओं को स्वस्थ बिहार, शिक्षित बिहार का संदेश देगी। इसके अलावा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन 17 सितंबर के दिन पटना में रक्तदान शिविर का शुभारंभ होगा और अगले दिन सभी 52

संगठनात्मक जिलों में रक्तदान शिविर का आयोजन होगा। भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष भारतेंदु मिश्रा ने कहा कि भाजयुमो लगातार विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से बिहार के युवाओं से संपर्क कर यह बताना चाहती है कि बिहार के युवाओं को अंधेरे की गत में जाने से बचाकर एनडीए सरकार उनका उज्ज्वल भविष्य गढ़ रही है। बिहार सरकार और केंद्र सरकार युवाओं के सपनों के साथ खड़ी है। साथ इसके इन्हीं युवाओं के सहारे बिहार के दो युवराज के भ्रम और झूठ को अस्वीकार कर पुनः राज्य की डबल इंजन सरकार बनाने के लिए प्रेरित करेगी।



# बाढ़ पीड़ित राज्यों के लिए यूपी सरकार ने भेजी राहत सामग्री

## सीएम योगी ने खाना किए राहत सामग्रियों से लदे वाहन



**सहारनपुर, 08 सितंबर (एजेंसियां)।**  
मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को सहारनपुर से उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और पंजाब के बाढ़ प्रभावित नागरिकों के लिए राहत सामग्री से लदे 48 ट्रकों को हरी झंडी दिखाकर खाना किया।  
सरोवर पोर्टिको, अंबाला रोड पर आयोजित कार्यक्रम में सीएम योगी ने कहा कि राहत सामग्री मानवीय संवेदना की महत्वपूर्ण कड़ी है। संकट की इस घड़ी में उत्तर प्रदेश की 25 करोड़ जनता इन तीनों राज्यों के अपने बहन-भाइयों के साथ खड़ी है। इस दौरान सीएम योगी ने इस मौके पर उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश को पांच-पांच करोड़ रुपये की अतिरिक्त सहायता राशि भी प्रदान की गई।  
मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज उत्तर प्रदेश की 25 करोड़ जनता की ओर से राहत सामग्री के रूप में उत्तराखंड, हिमाचल और पंजाब

के नागरिकों के लिए भेजा जा रहा है। सीएम योगी ने कहा कि जो सामग्री उत्तर प्रदेश में वितरित की जाती है, उसी को आज इन 48 ट्रकों के माध्यम से उत्तराखंड, हिमाचल और पंजाब के बहनों-भाइयों के लिए उपलब्ध करवाया जा रहा है। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के एक भारत, श्रेष्ठ भारत की अवधारणा पर जोर देते हुए कहा कि अगर कहीं आपदा आएगी, उत्तर प्रदेश सहायता के लिए तैयार रहेगा।  
उन्होंने कहा कि उत्तराखंड और हिमाचल में बाढ़ फटने और अतिवृष्टि से भारी तबाही हुई है, इसलिए उत्तर प्रदेश सरकार और नागरिकों की ओर से पांच करोड़ रुपये की सहायता उत्तराखंड को और पांच करोड़ रुपये हिमाचल सरकार के राहत कोष के लिए उपलब्ध करवाए जा रहे हैं।  
राहत सहायता पहुंचाने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री कुंवर बृजेश सिंह उत्तराखंड जाएंगे। मंत्री जसवंत सैनी हिमाचल प्रदेश की राहत सामग्री

और धनराशि लेकर जाएंगे। पंजाब के लिए सहारनपुर के नगर विधायक राजीव गुम्बर राहत सामग्री लेकर जाएंगे।  
सीएम ने कहा कि ये प्रतिनिधि वहां जाकर उत्तर प्रदेश वासियों की संवेदना प्रेषित करेंगे और सामग्री सौंपेंगे। जब पूरा देश संकट में एकजुट होता है, तो संकट, संकट नहीं रह जाता। उन्होंने कहा कि इन सभी के बावजूद, अगर अन्य सहयोग की आवश्यकता पड़ेगी, तो उत्तर प्रदेश सरकार और 25 करोड़ की जनता हर पीड़ित के साथ खड़ी है और हर प्रकार का सहयोग करने के लिए तत्पर रहेगी।  
यूपी सरकार द्वारा भेजी गई राहत सामग्री में लार्ड, चना, भुना चना, चीनी, बिस्किट, माचिस, मोमबत्ती, नहाने का साबुन, बाल्टी, तिरपाल, आटा, चावल, अरहर की दाल, आलू, हल्दी, मिर्च, मसाला, रिफाईंड तेल, नमक, सेनिटीर पैड, कपड़ा धोने का साबुन, तौलिया, सूती कपड़ा,

डिस्पोजल बैग, मग, डिटॉल, उपलब्ध है। इसके अलावा आटा 10 किलो, चावल 10 किलो, अरहर की दाल 2 किलो, आलू 10 किलो, बाल्टी 18 लीटर की, नहाने का साबुन दो, मोमबत्ती का एक पैकेट, माचिस का एक पैकेट, बिस्कुट के 10 पैकेट, चीनी 1 किलो, भुना चना 2 किलो, चना 2 किलो और लार्ड ढाई किलो के साथ ही, सरसों का तेल 1 किलो, नमक 1 किलो और अन्य सामग्री देने के साथ ही, यह सब सामग्री पैकेट में पीड़ित परिवार को उपलब्ध करवाया गया है, जिससे संकट की घड़ी में वह आसानी से अपना भरण-पोषण कर सके।  
इस अवसर पर विधान परिषद सदस्य व प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी, राज्यमंत्री जसवंत सिंह सैनी, कुंवर बृजेश सिंह, विधायक कीरत सिंह, देवेन्द्र निम, महापौर डॉ. अजय कुमार, राजीव गुम्बर, मुकेश चौधरी, समेत कई जनप्रतिनिधि व अधिकारीगण मौजूद थे।

**धर्मांतरण गिरोह के खिलाफ दाखिल एटीएस की चार्जशीट से खुलासा**  
**500 करोड़ की फंडिंग, 1000 मुस्लिम युवकों की फौज**



**2047 तक भारत को इस्लामिक राष्ट्र बनाने की साजिश**

**लखनऊ, 08 सितंबर (एजेंसियां)।**

उत्तर प्रदेश एंटी-टेरिज्म स्कॉड (एटीएस) ने बलरामपुर में हुए अवैध धर्मांतरण केस में मुख्य आरोपित जलालुद्दीन उर्फ छांगुर और उसके बेटे महबूब के खिलाफ चार्जशीट दाखिल कर दी है। एटीएस की जांच में खुलासा हुआ है कि छांगुर भारत को 2047 तक इस्लामिक राष्ट्र बनाने की साजिश रच रहा था।  
चार्जशीट में 29 गवाहों के बयान शामिल हैं, जिनमें से 10 पीड़ित हैं। एक महिला गवाह ने महबूब और उसके साथी नवीन रोहरा पर बलात्कार और छेड़खानी के भी आरोप लगाए हैं। एटीएस की रिपोर्ट के मुताबिक, छांगुर और उसके साथी गरीब और कमजोर लोगों को लालच, धमकी और मानसिक दबाव देकर धर्मांतरण करवा रहे थे। छांगुर को धर्मांतरण के लिए मुस्लिम देशों से 500 करोड़ मिले थे और उसके निशाने पर गरीब युवतियां और विधवा महिलाएं थीं। साथ ही, छांगुर व उसके बेटे पर हिंदू लड़कियों को धर्मांतरण के लिए फंसाने के लिए 1,000 से अधिक मुस्लिम युवकों को पैसे देने का आरोप है। गैंग इस्लामिक दावा सेंटर और मदरसे खोलने की तैयारी में था। जांच में ये भी सामने आया है कि पूरी गैंग कोडवर्ड का इस्तेमाल करती थी, जैसे लड़कियों को प्रोजेक्ट, ब्रेनवॉश को काजल करना, धर्मांतरण के लिए मुलाकात को दीदार कराना। एटीएस की चार्जशीट के अनुसार, यह पूरा नेटवर्क एक सुनियोजित साजिश के तहत लोगों का धर्म बदलवाने, उन्हें बर्गलाने और भारत की धार्मिक संरचना को बदलने की योजना पर काम कर रहा था।

## बरेली में वर्षों से डॉक्टर बना बैठा बांग्लादेशी गिरफ्तार

**बरेली, 08 सितंबर (एजेंसियां)।**

उत्तर प्रदेश के बरेली में पुलिस ने भारत में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी डॉक्टर राज मंडल को गिरफ्तार किया है। वह 2017 में एक साल के वीजा पर भारत आया था लेकिन वीजा के जुलाई 2018 में खत्म होने के बाद भी गैरकानूनी रूप से बरेली में रहकर क्लिनिक चला रहा था। पुलिस ने बताया कि राज मंडल ढाका का निवासी है। वह फर्जी आधार कार्ड, पैन



कार्ड और वोटर आईडी कार्ड बनाकर खुद को भारत का नागरिक बताया था। वह बरेली के थाना फतेहगंज पश्चिमी क्षेत्र के बलिया गांव में बंगाली डॉक्टर नाम से जाना जाता था और लोगों को छोटी-मोटी दवाएं देता था। पुलिस ने बताया कि उसके पास कोई मेडिकल योग्यता नहीं है। फतेहगंज पश्चिमी थाना पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया। पुलिस अब यह जांच कर रही है कि राज मंडल इतने सालों तक भारत में कैसे रह पाया, किस-किस से संपर्क में था और उसके इस नेटवर्क में और कौन-कौन शामिल हैं।

## लाल किला परिसर से चोरी हुआ बेशकीमती कलश बरामद

**हापुड़, 08 सितंबर (एजेंसियां)।**

लाल किले के पास एक पार्क से कलश चोरी के मामले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान हापुड़ निवासी के रूप में हुई है। जिसका नाम भूषण वर्मा है।  
लाल किला के सामने 15 अगस्त पार्क में चल रहे जैन समाज के धार्मिक अनुष्ठान से एक करोड़ से अधिक कीमत का कलश चोरी मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के पास से कीमती कलश भी बरामद कर लिया गया है। आरोपी का नाम भूषण वर्मा है और वो हापुड़ का रहने वाला बताया जा रहा है। बता दें कि आरोपी की तलाश के लिए 10



टीमों का गठन कर दिया था। शुरुआत में चार टीमों को ही जांच में लगाया गया था। जिले के स्पेशल स्टाफ, एएटीएस, एंटी नारकोटिक्स सेल समेत तेज तर्रार पुलिस अधिकारियों को आरोपी की तलाश में लगा दिया गया।  
दरअसल, कलश चोरी होने के बाद जैन समाज में भारी रोष था। कलश की कीमत को भी दरकिनार कर दिया जाए तो कलश पूरे जैन समाज के लिए खासा धार्मिक महत्व रखता था। जिला पुलिस उपायुक्त राजा बांठिया ने गिरफ्तार से पहले कहा

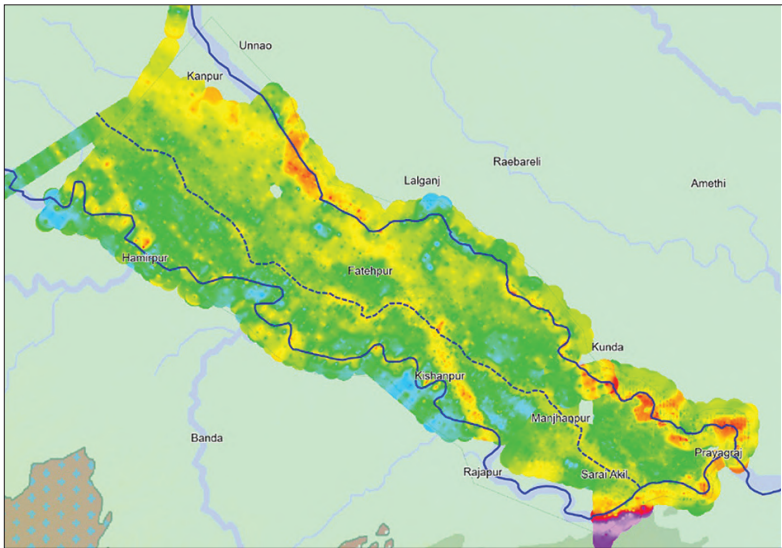
था कि आरोपी का सुराग मिला है, टीमें जल्द ही उसको गिरफ्तार कर लेंगी। जांच के दौरान पता लगा है कि आरोपी लगातार कार्यक्रम में शामिल होकर मौके की तलाश कर रहा था। जैसे ही उसको मौका मिला वह वारदात को अंजाम देकर वहां से निकल गया।  
पुलिस अधिकारी ने कहा कि लाल किला के ठीक सामने 15 अगस्त पार्क में 28 अगस्त से जैन समाज का अनुष्ठान चल रहा था। कार्यक्रम 9 सितंबर तक चलेगा। इसके लिए विशेष मंच तैयार किया गया है। अनुष्ठान में धोती और अंग वस्त्र पहनना अनिवार्य है। इन वस्त्रों को धारण करने के बाद ही अनुष्ठान में शामिल हुआ जा सकता है। पूजा के लिए सिविल लाइंस के कारोबारी सुधीर जैन अपना कीमती कलश रोजाना अनुष्ठान में लेकर पहुंचते थे। इसको मंच पर रख दिया जाता था। इसके आसपास श्रद्धालु व खुद सुधीर मौजूद रहते थे।  
कलश में 760 ग्राम सोना, 150 ग्राम हीरे, माणिक्य और पन्ना जैसे कीमती रत्न लगे हुए हैं। इस कलश को रोजाना सुधीर जैन वापस की ले जाते थे। मंगलवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला अनुष्ठान में शामिल होने पहुंचे थे। आयोजक व अन्य लोग उनके स्वागत में व्यस्त हो गए। बिड़ला जब वहां से गए तो कलश गायब हो गया।

## नमामि गंगे मिशन : आधुनिक मैपिंग पद्धति से नदियों की हो रही पहचान

### एकीफर मैपिंग से गहरे दबी हुई प्राचीन नदी की पहचान हुई

**लखनऊ/प्रयागराज 08 सितंबर (एजेंसियां)।**

राष्ट्रीय गंगा मिशन (नमामि गंगे) के तहत प्रयागराज में एकीफर मैपिंग परियोजना लागू की जा रही है। परियोजना का लक्ष्य गंगा नदी के किनारे जल संचयन के उपायों को बेहतर बनाना और जल स्तर को नियंत्रित करने के लिए एक स्थायी प्रणाली विकसित करना है। इस परियोजना में नवाचार और तकनीकी दृष्टिकोण को शामिल किया गया है, जिसमें स्मार्ट जल प्रबंधन प्रणाली, रिमोट सेंसिंग और ड्रोन तकनीकी का उपयोग किया जा रहा है।  
यह प्रणाली न केवल जल आपूर्ति में सुधार करेगी, बल्कि नदियों के प्राकृतिक प्रवाह को बनाए रखने में मदद करेगी।  
इसके अलावा, जल स्रोतों के संरक्षण के साथ-साथ क्षेत्रीय जल संकट को हल करने के लिए तकनीकी दृष्टिकोणों का कार्यान्वयन किया जा रहा है, जिससे आने वाले समय में पानी की स्थिर आपूर्ति सुनिश्चित हो सकेगी। नमामि गंगे अभियान के तहत गंगा-यमुना दोआब क्षेत्र (प्रयागराज से कानपुर के मध्य) में पेलियो-चैनलों पर केंद्रित एकीफर मानचित्रण के दौरान एक उल्लेखनीय उपलब्धि प्राप्त हुई है।  
वैज्ञानिकों ने इस अध्ययन के माध्यम से लगभग 200 किलोमीटर लंबी, लगभग 4



किलोमीटर चौड़ी तथा 15-25 मीटर गहरी दबी हुई प्राचीन नदी की पहचान की है। यह उपलब्धि भारत के इतिहास और संस्कृति के अध्ययन में एक नया अध्याय जोड़ती है। इस परियोजना के अंतर्गत उपग्रह चित्रण तकनीक, भू-स्थानिक आंकड़ों तथा नवीनतम वैज्ञानिक उपकरणों का प्रयोग कर प्राचीन नदी मार्गों एवं भूगर्भीय जलाशयों का विस्तृत मानचित्रण किया गया।

एकीफर अध्ययनों से पता चलता है कि यह प्राचीन नदी लगभग 3,500-4,000

मिलियन क्यूबिक मीटर तक जल भंडारण क्षमता रखती है। 150 से अधिक प्रबंधित एकीफर मैपिंग पुनर्भरण स्थल चिन्हित किए गए हैं, जहां पुनर्भरण संरचनाएं बनाई जाएंगी ताकि भूजल स्तर बढ़ सके और नदी का आधार प्रवाह स्थायी बना रहे। प्रयागराज में एकीफर मानचित्रण परियोजना के सफल कार्यान्वयन से भूजल पुनर्भरण में वृद्धि होगी और नदी के प्रवाह में सुधार होगा, जिससे नमामि गंगे मिशन के अखिल गंगा की दृष्टि को बल मिलेगा।

## 25 से 29 तक यूपी में होगा इंटरनेशनल ट्रेड शो का तीसरा संस्करण

**प्रधानमंत्री मोदी करेंगे पांच दिवसीय यूपी आईटीएस का शुभारंभ**  
**साझेदार देश के रूप में इस बार हो रही है रूस की सहभागिता**



**लखनऊ, 08 सितंबर (एजेंसियां)।**

उत्तर प्रदेश के क्राफ्ट, कुजीन और कल्चर से दुनियाभर के उद्यमियों, विनिर्माताओं और व्यापारियों को परिचित कराने वाले वार्षिक आयोजन उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो (यूपीआईटीएस) का तीसरा संस्करण आगामी 25 से 29 सितंबर तक ग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्सपोजिशन मार्ट में आयोजित होने जा रहा है। इस भव्य आयोजन का शुभारंभ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा होगा। तीसरे संस्करण में साझेदार देश के रूप में रूस की सहभागिता होगी। सोमवार को तैयारियों की समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अब तक यूपीआईटीएस के दो संस्करण सफलतापूर्वक आयोजित हो चुके हैं। वर्ष 2023 में हुई शुरुआत ने प्रदेश के निर्यात

को नई गति और वैश्विक पहचान दी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह आयोजन आईटी/आईटीईएस, एमएसएमई, स्टार्टअप, शिक्षा, कृषि, स्वास्थ्य, पर्यटन व संस्कृति, ऊर्जा और ओडीओपी जैसे सेक्टरों के उद्यमियों, आंत्रप्रेन्योर, विनिर्माताओं और निर्यातकों को वैश्विक मंच उपलब्ध कराएगा। उन्होंने निर्देश दिया कि इस वर्ष ट्रेड शो में मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान, पीएम स्वनिधि और पीएम इंटरशिप कार्यक्रम पर केंद्रित विशेष प्रदर्शनी लगाई जाए। साथ ही अन्य सभी प्रमुख विभाग भी अपनी उपलब्धियों का प्रदर्शन करें, ताकि यह आयोजन प्रदेश की ब्रांडिंग का सशक्त माध्यम बन सके। मुख्यमंत्री ने बायर-सेलर मीट की व्यवस्था तथा इसमें सहयोग के लिए सीएम

फेलो की तैनाती करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने यह भी कहा कि इस बार के आयोजन में पद्म पुरस्कारों से सम्मानित उत्तर प्रदेश के उद्यमियों/शिल्पकारों को विशेष रूप से आमंत्रित किया जाए। मुख्यमंत्री ने गौतमबुद्ध विश्वविद्यालय के छात्रों को आयोजन से जोड़ने के भी निर्देश दिए।  
आधिकारिक तौर पर बताया गया कि इस बार 2500 से अधिक एक्जीबिटर्स ने पंजीयन कराया है, जबकि 500 से अधिक विदेशी खरीदार इसमें भाग लेने आ रहे हैं। इस बार रूस पार्टनर कंट्री के रूप में सहयोग कर रहा है और उसका प्रतिनिधिमंडल ट्रेड शो में शामिल होगा। उन्होंने बताया कि ट्रेड शो के आकर्षणों में खादी केंद्रित फैशन शो प्रमुख है।



## संपादकीय

## अभिव्यक्ति की आजादी की सीमाएं

**पश्चिम** बंगाल की विधानसभा में संविधान, लोकतंत्र, गरिमा, मर्यादा को तार-तार किया गया। क्षोभ और शर्मिंदगी के कोई और शब्द हैं, तो उनका उल्लेख भी किया जा सकता है। यह न तो संघीय ढांचा है और न ही अभिव्यक्ति की आजादी है। हम जानते हैं कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी समविचारक नहीं होंगी। जब वह लोकसभा सांसद थीं, तब ऐसा हुड़दंग मचाया था कि स्पीकर सोमनाथ चटर्जी पर बिल के टुकड़े-टुकड़े कर उछाल दिए थे। तब उन्होंने बंगाल में घुसपैठियों के मुद्दे पर अपना नकारात्मक आक्रोश, रोष व्यक्त किया था। आज भी वही मुद्दा है, लेकिन आज वह खुद मुख्यमंत्री हैं। आज राजनीति के कारण उनके सुर और रवैये बदल चुके हैं। आज ममता बनर्जी बांग्लादेशी घुसपैठियों की अवधारणा मानती ही नहीं। उन्होंने ‘बांग्लाभाषी’ और ‘प्रवासी बंगाली’ सरीखे नए शब्द गढ़ लिए हैं और केंद्र सरकार पर ‘बंगालियों पर अत्याचार’ के आरोप मढ़ रही हैं। ममता बनर्जी ऐसी पहली मुख्यमंत्री हैं, जिन्होंने विधानसभा में चीख-चोख कर नार लगाए हैं- ‘मोदी चोर, वोट चोर, अमित शाह चोर...’।

हम जानते हैं कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी समविचारक नहीं होंगी। जब वह लोकसभा सांसद थीं, तब ऐसा हुड़दंग मचाया था कि स्पीकर सोमनाथ चटर्जी पर बिल के टुकड़े-टुकड़े कर उछाल दिए थे। तब उन्होंने बंगाल में घुसपैठियों के मुद्दे पर अपना नकारात्मक आक्रोश, रोष व्यक्त किया था। आज भी वही मुद्दा है, लेकिन आज वह खुद मुख्यमंत्री हैं। आज राजनीति के कारण उनके सुर और रवैये बदल चुके हैं। आज ममता बनर्जी बांग्लादेशी घुसपैठियों की अवधारणा मानती ही नहीं। उन्होंने ‘बांग्लाभाषी’ और ‘प्रवासी बंगाली’ सरीखे नए शब्द गढ़ लिए हैं और केंद्र सरकार पर ‘बंगालियों पर अत्याचार’ के आरोप मढ़ रही हैं। ममता बनर्जी ऐसी पहली मुख्यमंत्री हैं, जिन्होंने विधानसभा में चीख-चीख कर नारे लगाए हैं- ‘ मोदी चोर, वोट चोर, अमित शाह चोर...’।

भाजपा डकैतों, आतंकियों, अत्याचारियों की पार्टी है।’ यह दुखद ही नहीं, बेशर्मी और नालायकी है, दुर्भाग्यपूर्ण है कि एक मुख्यमंत्री ने सदन में ही देश के प्रधानमंत्री को ‘चोर, डकैत, अत्याचारी’ करार दिया है। अफसोस और विडंबना यह है कि ऐसे गालीबाज मुख्यमंत्री के खिलाफ कोई संवैधानिक कार्रवाई नहीं की गई है और न ही हमें ऐसी कोई संभावना लगती है। क्या देश का प्रधानमंत्री ऐसा किरदार बना दिया गया है, जिसके खिलाफ तमाम मर्यादाओं और संवैधानिक आचरणों की हदें लांघी जा सकती हैं? क्या संविधान में ऐसे भी अनुच्छेद हैं, जिनके तहत प्रधानमंत्रों को, कोई भी, किसी भी मौके पर, गालियां देकर अपमानित कर सकता है? यह निरंकुशता लोकतांत्रिक और संघीय भी नहीं है। ‘वोट चोर’ कुछ हद तक राजनीतिक और चुनावी मुद्दा हो सकता है, लेकिन ये शब्द भी आपत्तजनक और अश्लील हैं। अब चुनाव आयोग 10 सितंबर को सभी क्षेत्रीय मुख्य चुनाव अधिकारियों के साथ देश भर में मतदाता सूचियों के गहन पुनरीक्षण को लेकर विमर्श करेगा। जाहिर है कि बिहार वाली प्रक्रिया बंगाल में भी हो सकती है, क्योंकि अप्रैल, 2026 के आसपास वहां विधानसभा चुनाव होने हैं। अजय, तमिलनाडु, पॉडिचेरी, केरल आदि राज्यों में भी 2026 में चुनाव हैं। कौन-कौन, मतदाता संशोधन की इस कवायद के मद्देनजर प्रधानमंत्रों को ‘चोर’ कहेंगा? क्या इस संवैधानिक प्रक्रिया पर प्रधानमंत्री और चुनाव आयोग को, ममता की पार्टी तुमणूल कांग्रेस, ‘चोर’ करार देते हुए विरोध प्रकट करेगी? बंगाल में हिंसक प्रदर्शन भी किए जाएंगे? एक राज्य में अराजकता फैलाने की बौनी राजनीति खेली जाएगी? बेशक सदनों की गरिमा और उनके चरित्र को इतना खंडित न किया जाए कि पक्ष और विपक्ष के निर्वाचित सदस्य हाथापीए करें, मारपीट तक की नौबत आ जाए और सदस्यों को जमीन पर ही चित पटकनी दे दी जाए। बंगाल की विधानसभा में यह सब कुछ हुआ। भाजपा के मुख्य सचेतक शंकर घोष की अस्पताल तक ले जाना पड़ा। नेता प्रतिपक्ष सुवेन्दु अधिकारी को भी मारलों की धमकी है कि अब सभी स्तरों के सदनों में तुमणूल माहौल देखने को मिलता है। अब सांसदों/विधायकों के निलंबन भी स्पीकर के नीर-क्षीर विवेक के उदाहरण नहीं रहे। सभापति अपने राजनीतिक दल से प्रभावित रहते हैं, लिहाजा फैसले तटस्थ नहीं माने जा सकते। यकीनन ये दृश्य लोकतंत्र और संविधान के सबसे कलंकित अपमान हैं। यदि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी सदन में बिंदुवार बंगालियों के अत्याचार की घटनाएं पेश करतीं, सदन संयत होकर कार्यवाही करता, तो वह एक राष्ट्रीय मुद्दा बन सकता था। ‘मोदी चोर’ कहकर तो ममता ने अपनी छीछालेंदर काईई है। अब यह मुद्दा हंगामा मचाएंगे कि ममता घुसपैठियों, बांग्लादेशियों, अवैध प्रवासीयों के वोट बैंक की राजनीति करती हैं। देश में करीब 2.5 करोड़ घुसपैठिए हैं। यह आंकड़ा बहुत पुराना है, लिहाजा मोदी सरकार भी सवालिया रही है कि अभी तक घुसपैठियों को देशनिालता देकर उनके मूल देश क्यों नहीं भेजा जा सका? यह भूल अंतर्निहित थीमो क्यों है? बहरहाल कहा जा सकता है कि घुसपैठ के मुद्दे पर सभी राजनीतिक दल ईमानदार नहीं हैं। भारत ऐसा अकेला देश है, जहां घुसपैठियों का मनोदल बढ़ाने वाली पार्टियां भी हैं। आपस में गालियां देने के बजाय आत्ममंथन करें कि यदि देश की एकता, अखंडता को बचाना है, तो घुसपैठियों पर सर्वसम्मत फैसला लें।

के जरिए सदन से बाहर कर दिया गया। दुर्भाग्य है कि अब सभी स्तरों के सदनों में ऐसा ही माहौल देखने को मिलता है। अब सांसदों/विधायकों के निलंबन भी स्पीकर के नीर-क्षीर विवेक के उदाहरण नहीं रहे। सभापति अपने राजनीतिक दल से प्रभावित रहते हैं, लिहाजा फैसले तटस्थ नहीं माने जा सकते। यकीनन ये दृश्य लोकतंत्र और संविधान के सबसे कलंकित अपमान हैं। यदि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी सदन में बिंदुवार बंगालियों के अत्याचार की घटनाएं पेश करतीं, सदन संयत होकर कार्यवाही करता, तो वह एक राष्ट्रीय मुद्दा बन सकता था। ‘मोदी चोर’ कहकर तो ममता ने अपनी छीछालेंदर काईई है। अब यह मुद्दा हंगामा मचाएंगे कि ममता घुसपैठियों, बांग्लादेशियों, अवैध प्रवासीयों के वोट बैंक की राजनीति करती हैं। देश में करीब 2.5 करोड़ घुसपैठिए हैं। यह आंकड़ा बहुत पुराना है, लिहाजा मोदी सरकार भी सवालिया रही है कि अभी तक घुसपैठियों को देशनिालता देकर उनके मूल देश क्यों नहीं भेजा जा सका? यह भूल अंतर्निहित थीमो क्यों है? बहरहाल कहा जा सकता है कि घुसपैठ के मुद्दे पर सभी राजनीतिक दल ईमानदार नहीं हैं। भारत ऐसा अकेला देश है, जहां घुसपैठियों का मनोदल बढ़ाने वाली पार्टियां भी हैं। आपस में गालियां देने के बजाय आत्ममंथन करें कि यदि देश की एकता, अखंडता को बचाना है, तो घुसपैठियों पर सर्वसम्मत फैसला लें।

## कुछ अलग

## आंसुओं का बाजार...

### रेहड़ी

पर आंसू बिक रहे थे, ‘ले तो हेमामालिनी के आंसू। मीना कुमारी के ले लो...’ यह आंसुओं का बाजार था, आंसुओं का व्यापार पिछले कुछ सालों में एक स्टार्टअप के जरिए क्या शुरू हुआ, यहां तो सारा मेक इन इंडिया अभियान अब आंसुओं के उत्पादन तक का उद्योग बन गया। अब देश जहां कहीं रोता है, तो एक साथ स्टार्टअप, मेक इन इंडिया और पूरे विश्व में विश्व गुरु की महिमा में हमारे आंसुओं का उत्पादन होने लगता है। सरकार ने स्टार्टअप योजना के तहत बहुत काम किया और अंततः फैसला हुआ कि विश्व में जो भारतीय पहली बार कुछ करेगा, उसे सरकार में भी पद मिलेगा। सरकार में पद पाने की लालसा ने हर भारतीय को उत्पादक बना दिया। तरह-तरह के नारे पैदा होने लगे। विश्व के बेहतरीन नारों में भारत अखल हो चुका है। हर दिन कोई न कोई स्टार्टअप एक नया नारा उछाल कर सरकारी पद पर आसीन हो जाता है।

## दृष्टि कोण

## जीएसटी से राहत और आर्थिक रफ्तार

**हाल** ही में 3 सितंबर को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को अध्यक्षता में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) परिवर्धन की 56वीं बैठक में महंगाई से आम आदमी को राहत देने, ट्रंप टैरिफ से जूझ रहे उद्योग-कारोबार को गति देने और देश को आर्थिक रफ्तार बढ़ाने के मद्देनजर जीएसटी ढांचे और जीएसटी दरों में आमूल सुधार करने के लिए प्रभावी दिशेष लिए गए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा स्वतंत्रता दिवस के संबोधन में दिवाली से पहले उपहार के रूप में जीएसटी के नए रहतकारी सुधारों का ऐलान किया गया था। अब जीएसटी परिषद ने अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधारों पर जोर लगा दी है। इस अहम कर सुधार पर प्रधामंत्री मोदी ने कहा कि जीएसटी में बदलाव के फैसलों से आम जनता, किसानों, एगएस्पएमई, मध्यम वर्ग महिलाओं और युवाओं को लाभ होगा। जब एक ऐतिहासिक बदलाव है। ये व्यापक सुधार नागरिकों के जीवन को बेहतर बनाएंगे और खास तौर से छोटे व्यापारियों और कारोबारों के लिए व्यापार करने में आसानी सुनिश्चित करेंगे। खास बात यह है कि

## मंगलवार,09 सितंबर, 2025 बेंगलूरु

## डॉ. सत्यवान सौरभ

## शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन 2025 में भारत ने सुरक्षा, संपर्क और अवसर के तीन स्तंभों पर बल देकर तकनीक को साझा भविष्य का आधार बताया। यह चिप क्रांति न केवल आर्थिक विकास का मार्ग प्रशस्त कर रही है, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा, नवाचार और आत्मगौरव की नई उड़ान भी भर रही है।

शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन 2025 में भारत ने सुरक्षा, संपर्क और अवसर के तीन स्तंभों पर बल देकर तकनीक को साझा भविष्य का आधार बताया। यह चिप क्रांति न केवल आर्थिक विकास का मार्ग प्रशस्त कर रही है, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा, नवाचार और आत्मगौरव की नई उड़ान भी भर रही है। भारत आज उस ऐतिहासिक दौर से गुजर रहा है जहाँ सपने केवल सपने नहीं रह गए हैं, बल्कि नये यथार्थ का रूप ले चुके हैं। दशकों तक जिस देश को तकनीक के क्षेत्र में उपभोक्ता भर समझा जाता था, वही देश आज निर्माता, आपूर्तिकर्ता और नवप्रवर्तक बनने की राह पर तेजी से बढ़ रहा है। सेमीकंडक्टर और चिप निर्माण की दिशा में भारत के प्रयास इसी परिवर्तन की सबसे सशक्त गवाही देते हैं। यह केवल तकनीकी विकास का संकेत नहीं है, बल्कि राष्ट्रीय आत्मगौरव, आत्मनिर्भरता और आत्मविश्वास की उड़ान भी है। चिप अथवा सेमीकंडक्टर आज के युग की सबसे अनिवार्य धुरी है। बीसवीं शताब्दी में तेल ने जैसे विश्व राजनीति और अर्थव्यवस्था को संचालित किया था, उसी प्रकार इक्कीसवीं शताब्दी में चिप वैश्विक शक्ति संतुलन का आधार बन चुकी है। आधुनिक जीवन का कोई भी क्षेत्र इससे अछूता नहीं है। मोबाइल फ़ोन, कंप्यूटर, स्मार्ट रॉब, वाहन, रेल, हवाई जहाज, रक्षा उपकरण, उपग्रह, स्वास्थ्य सेवाओं के उन्नत यंत्र, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और रोबोट तक—हर क्षेत्र में चिप की अनिवार्यता स्पष्ट दिखाई देती है। इसीलिए जो राष्ट्र इस क्षेत्र में आत्मनिर्भर और सशक्त है, वही आने वाले समय में विश्व की राजनीति और अर्थव्यवस्था में निर्णायक भूमिका निभाएगा। भारत की स्थिति लंबे समय तक इस क्षेत्र में कमजोर रही। भारी पूंजी निवेश, लगातार ऊर्जा और जल संसाधनों की आवश्यकता, प्रशिक्षित मानव संसाधन की कमी और अनुसंधान की उपेक्षा जैसे कारणों से भारत पिछड़ता रहा। चीन,

ने सेमीकंडक्टर निर्माण के क्षेत्र में ऐतिहासिक कदम उठाते हुए विश्व स्तर पर अपनी तकनीकी पहचान बनाई है। गुजरात और कर्नाटक में चिप पार्क, विदेशी निवेश और शिक्षा संस्थानों की सक्रिय भागीदारी ने इस अभियान को गति दी है। शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन 2025 में भारत ने सुरक्षा, संपर्क और अवसर के तीन स्तंभों पर बल देकर तकनीक को साझा भविष्य का आधार बताया। यह चिप क्रांति न केवल आर्थिक विकास का मार्ग प्रशस्त कर रही है, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा, नवाचार और आत्मगौरव की नई उड़ान भी भर रही है।

## देश दुनिया से

# नागरिक कर्तव्यों का प्रचार-प्रसार आवश्यक

**नागरिकों** द्वारा कर्तव्यों के ज्ञान और निर्वाह के बिना संकल्प से सिद्धि का मार्ग बाधित होता है। इसलिए आज व्यापक स्तर पर यह आवश्यक है कि संविधान सम्मत नागरिक कर्तव्यों का प्रचार-प्रसार हो। विकसित भारत के संकल्प में सभी को अधिकार मिलें इसके लिए यह भी आवश्यक है कि सभी नागरिक कर्तव्यों का पालन भी करें। संविधान लोकतंत्र की आत्मा है। लोकतंत्र सम्मत विभिन्न प्रविधान और समूची व्यवस्थाएं संविधान से ही चालित होती हैं। यही कारण है कि भारत में संविधान सर्वोपरि है। यह संविधान ही है जो प्रत्येक नागरिक को सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक रूप से न्याय, विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्रदान करता है। साथ ही यह प्रत्येक नागरिक की गरिमा को भी सुनिश्चित करता है। संविधान के विभिन्न अनुच्छेदों में समता का अधिकार, शोषण के विरुद्ध अधिकार, धर्म की स्वतंत्रता का अधिकार एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता आदि अधिकारों की व्यापक चर्चा है और एक नागरिक के नाते हम सभी इन अधिकारों के संबंध में सजग भी रहते हैं। वहीं संविधान के भाग 4 क और अनुच्छेद 51क में मूल कर्तव्य के अंतर्गत 11 बिंदुओं का भी उल्लेख है जिसमें प्रत्येक नागरिक के लिए कर्तव्य बताए गए हैं। इनमें से कुछ प्रमुख कर्तव्यों पर विचार करें तो हम पाते हैं कि भारत के प्रत्येक नागरिक का पहला कर्तव्य है कि वह संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे। भारत की प्रभुता, एकता और अखंडता की रक्षा करे और उसे अधुण रखे। देश की रक्षा करे और आवाहन किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे। भारत के सभी लोगों में समरसता और सामान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म,भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो। प्रकृति- पर्यावरण को जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणी पात्र के प्रति दया का भाव रखे। सार्वजनिक संपत्ति को सुरक्षित रखे और हिंसा से दूर रहे। यदि माता-पिता या संरक्षक हैं, 6 वर्ष से 14 वर्ष की आयु वाले अनेक, यथार्थित, बालक या प्रतिपाल्य के लिए शिक्षा के अवसर प्रदान करें आदि। यहां गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता है कि क्या एक नागरिक के नाते हमें संविधान



सम्मत मूल कर्तव्यों का ज्ञान है? क्या हम नागरिक कर्तव्यों का निर्वाह करते हैं? क्या यह सच नहीं है कि हम एक नागरिक के रूप में अपने कर्तव्यों की अपेक्षा अपने अधिकारों के प्रति अधिक सचेत रहते हैं? क्या आज हमें यह समझने की आवश्यकता नहीं है कि अधिकार और कर्तव्य दोनों साथ-साथ हैं? यदि संविधान हमें अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार देता है तो यह अधिकार असीमित नहीं है। इसके साथ हमारे नागरिक कर्तव्य भी जुड़े हैं। भारत का संविधान हमें यह अधिकार देता है कि हम अपने मताधिकार का प्रयोग करें। उसके जरिए अच्छे जनप्रतिनिधियों को चुने। न्यायपालिका एवं संविधान सम्मत संस्थाओं में विश्वास रखें लेकिन कई बार देखने में आता है कि हम अपने मताधिकार का प्रयोग नहीं करते बल्कि जाति एवं क्षेत्रीयता आदि के प्रभाव में आकर अपराधी प्रवृत्ति वाले जनप्रतिनिधियों को चुनते हैं। कई बार हमारे जनप्रतिनिधि निहित स्वार्थी एवं राजनीतिक लाभ के लिए संविधान सम्मत बने चुनाव आयोग को कार्यप्रणाली का ही विरोध करते हैं। इतना ही नहीं, वे विपक्ष के नाम पर न्यायपालिका के निर्णयों और संसद में बनाए गए कानूनों के प्रति भी अविश्वास फैलाने का प्रयास करते हैं। दिन-प्रतिदिन जाति, संप्रदाय,भाषा एवं क्षेत्रीयता के झगड़े सामान्य होते जा रहे हैं। इन आधारों पर एक दूसरे से वैमनस्य बढ़ रहा है। समान भ्रातृत्व की भावना को आघात पहुंचाया जाता है, क्या यह संविधान सम्मत मूल कर्तव्यों के अनुरूप है? विगत दिनों ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सैन्य अभियान पर नकारात्मक दिम्पणियां की गईं। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान और उसके बाद भारत के विरुद्ध जासूसी करने वाले दर्जनों लोगों को गिरफ्तार किया गया। ये देश के ऐसे नागरिक हैं जो कुछ रुयों के लालच में देश की एकता

एवं अखंडता से खिलवाड़ कर रहे थे। इस संबंध में दिल्ली हाई कोर्ट ने कहा- जासूसी भारत की अखंडता, संप्रभुता और सुरक्षा के खिलाफ है और राष्ट्र के साथ विश्वासघात है।विडंबना यह भी है कि कुछ चुने हुए जन प्रतिनिधि भी संसद के अंदर और बाहर सेना के पराक्रम पर प्रश्न उठाकर का मोनबल गिराते का प्रयास करते हैं, क्या यह नागरिक कर्तव्यों के विरुद्ध नहीं है? भारतवर्ष का संविधान जनप्रतिनिधियों के आचरण और दायित्व पर भी निर्देश करता है किंतु पिछले लंबे समय से कई जनप्रतिनिधि संविधान खतर में हैं, लोकतंत्र खतरे में है, इंग्लैप मशीन खराब हैं, चुनाव आयोग सत्तारूढ़ पार्टी के इशारों पर काम करता है, वोट चोरी हो रही है, सरकार केवल पूंजीपतियों के हित में काम कर रही है आदि बेबुनियाद आरोपों के सहारे राजनीतिक स्वायत्त के अंदरे छेला रहे हैं, जो समाज में आक्रोश बढ़ाने और लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं को कमजोर करने का काम करते हैं, क्या इस प्रकार का आचरण नागरिक कर्तव्यों की अवहेलना नहीं है? यदि ऐसे कृत्य संविधान सम्मत नागरिक कर्तव्यों की अवहेलना हैं तो फिर ऐसे लोगों के विरुद्ध दंडात्मक कार्रवाही क्यों नहीं होती? आज प्रकृति-पर्यावरण, वन, झील, नदी और वन्यजीवों के अस्तित्व पर खतरा मंडरा रहा है। इनका दोहन और इन्हें प्रदूषित करना जारी है। कई नदियां भर चुकी हैं अथवा भयंकर प्रदूषण की गिरफ्त में हैं। वन क्षेत्र के लगातार घटने से वन्यजीवों के अस्तित्व पर खतरा पैदा हो रहा है। अनुचित तरीके से संशु को काटने वाले, नदी, झीलों और प्रकृति-पर्यावरण को प्रदूषित करने वाले कौन हैं? क्या यह संविधान सम्मत नागरिक कर्तव्यों के विरुद्ध नहीं है? समय-समय पर धरने-प्रदर्शनों के चलते सार्वजनिक संपत्ति को आग लगा देना, तोड़फोड़ और साथ ही छोटी-छोटी बातों पर हिंसा सामान्य होते जा रहे हैं जबकि नागरिक कर्तव्यों में इनके निषेध को बत कही गई है। नागरिक कर्तव्य तो यह भी है कि हम अपने प्रकृति- पर्यावरण को स्वच्छ रखें। यहां वहां कूड़ा-कचरा न फैलाएं लेकिन क्या एक नागरिक के नाते हमें यह ज्ञान है? ध्यान रहे जब हम अपने लिए स्वच्छ जल, स्वच्छ वायु और गरिमापूर्ण जीवन के अधिकार की बात करते हैं तब हमें जल व वायु की स्वच्छता और दूसरों के गरिमापूर्ण जीवन के लिए नागरिक कर्तव्य भी निभाने पड़ेंगे।

परांत, कैसर समेत 33 जीवन रक्षक दवाओं पर अब जीएसटी नहीं लगाए। लाइफ और हेल्थ इंश्योरेंस पूरी तरह से जीएसटी मुक्त हो गए हैं। अभी इन पर 18 फीसदी जीएसटी लगता है। सभी ऑटो पाट्रस पर जीएसटी 18 फीसदी होगा। सोमेट और तिपहिया वाहनों पर यह अब 28 फीसदी से घटकर 18 फीसदी हो गया है। इससे अब घर बनाना भी सस्ता हो जाएगा। निश्चित रूप से नए बदलाव से आम आदमी के लेजर किसान और छोटे उद्योगों के इस्तेमाल में आने वाली सेकड़ों वस्तुएं सस्ती हो जाएंगी।निश्चित रूप से जीएसटी की दरों के नए बदलाव के बावजूद वित्त वर्ष 2025-26 में राज्यों की आमदनी बढ़ने की संभावना है।एसबीआईरिसर्च की जीएसटी 2.0 रिपोर्ट के मुताबिक, एसजीएसटी और केंद्र से ट्रांसफर होने वाली रकम के जरिए राज्यों को लगभग 14 लाख करोड़ रुपए मिल सकते हैं। जीएसटी में मिलने वाले रेवेन्यू का आधा हिस्सा सीधे केंद्र सरकार और आधा हिस्सा राज्यों को मिलता है। इसके अलावा, केंद्र के हिस्से का लगभग 41 फीसदी भी राज्यों को वापस मिलता है।

## भारत की स्थिति लंबे समय तक इस क्षेत्र में कमजोर रही

# भारत की चिप क्रांति : सपनों से साकार होती हकीकत



ताइवान, अमेरिका और कोरिया जैसे देशों ने इस स्थिति का लाभ उठाकर वैश्विक बाज़ार पर प्रभुत्व कायम किया और भारत को केवल एक विशाल उपभोक्ता बाज़ार के रूप में देखा जाने लगा। किन्तु राष्ट्रों के जीवन में भी ऐसे क्षण आते हैं जब परिस्थितियाँ बदली हुई राह पर चलने को बाध्य करती हैं। भारत के लिए भी यही अवसर बोते कुछ वर्षों में आया और उसने चुनौती को अवसर में बदलने का संकल्प लिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में प्रारम्भ हुए ‘डिजिटल इंडिया’, ‘मेक इन इंडिया’ और ‘स्टार्टअप इंडिया’ जैसे अभियानों ने तकनीकी आत्मनिर्भरता की दिशा में नया उत्साह जगाया। इन अभियानों ने यह संदेश दिया कि भारत अब केवल उपभोक्ता नहीं, बल्कि निर्माता भी बनेगा। वर्ष 2021 में घोषित भारत सेमीकंडक्टर मिशन ने इस संकल्प को ठोस आधार प्रदान किया। इसके अंतर्गत गुजरात और कर्नाटक में चिप निर्माण पार्क स्थापित करने की दिशा में कार्य प्रारम्भ हुआ। ताइवान, जापान और अमेरिका की कंपनियों ने भारत में निवेश और सहयोग की इच्छा प्रकट की। अरबों डॉलर के निवेश प्रस्ताव आए और अनुसंधान संस्थानों को सीधे इस अभियान से जोड़ा गया। इक्कीस महामारी ने वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला की कमजोरियों को उजागर कर दिया। जब चीन और ताइवान के कारखाने ठप पड़े तो पूरी दुनिया में मोबाइल, वाहन और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का

संकट खड़ा हो गया। कीमतें बढ़ीं, उत्पादन ठप हुआ और उपभोक्ताओं को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। उस कठिन दौर में भारत ने महसूस किया कि तकनीकी आत्मनिर्भरता केवल सुविधा का विषय नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा और आर्थिक स्वतंत्रता का भी प्रश्न है। तभी भारत ने यह अवसर पहचाना और अपने को आपूर्ति श्रृंखला का विश्वसनीय केंद्र बनाने की दिशा में कदम बढ़ाए। वर्ष 2025 में चीन के तियानजिन नगर में सम्पन्न शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन इस संदर्भ में अत्यंत महत्वपूर्ण रहा। भारत ने यहाँ अपने दृष्टिकोण को स्पष्ट करते हुए सुरक्षा, संपर्क और अवसर के तीन स्तंभ प्रस्तुत किए। भारत ने कहा कि तकनीकी केवल व्यापार और उद्योग का विषय नहीं, बल्कि साझा सुरक्षा, स्थायी संपर्क और सामूहिक अवसर का आधार है। सेमीकंडक्टर विकास और डिजिटल नवाचार को सामूहिक प्राथमिकता बनाने का भारत का आह्वान इस सम्मेलन की सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धि रहा। तियानजिन घोषणा पत्र में भारत की यह दृष्टि परिलक्षित हुई, जिससे यह प्रमाणित हो गया कि विश्व समुदाय भारत के बढ़ते तकनीकी महत्व को स्वीकार कर रहा है। भारत ने इस प्रयास को केवल उद्योग तक सीमित नहीं रखा है। शिक्षा संस्थानों, अनुसंधान केंद्रों और स्टार्टअपों को भी इस अभियान से जोड़ा जा रहा है। आईआईटी, एनआईटी और अन्य

विश्वविद्यालयों में चिप डिजाइनिंग, नैनोटेक्नोलॉजी और एंवेडेड सिस्टम से जुड़े पाठ्यक्रम आरम्भ किए गए हैं। युवाओं को अनुसंधान और नवाचार की दिशा में प्रेरित किया जा रहा है। इस प्रकार आने वाली पीढ़ी को तकनीकी नेतृत्व सौंपने की ठोस तैयारी की जा रही है। सेमीकंडक्टर क्षेत्र में भारत का यह अभियान रोजगार सृजन और औद्योगिक विकास का भी आधार बनेगा। अनुमान है कि आने वाले दस वर्षों में इस क्षेत्र से दस लाख से अधिक प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर पैदा होंगे। निर्माण, डिजाइनिंग, परीक्षण और वितरण के स्तर पर नये उद्योग और स्टार्टअप उभरेंगे। यह केवल तकनीकी विकास नहीं, बल्कि आर्थिक आत्मनिर्भरता की दिशा में भी ऐतिहासिक कदम होगा। इस अभियान का एक महत्वपूर्ण पहलू राष्ट्रीय सुरक्षा से भी जुड़ा है। रक्षा उपकरणों और उपग्रह तकनीक में आत्मनिर्भरता बढ़ने से भारत की रणनीतिक स्थिति सुदृढ़ होगी। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और साइबर सुरक्षा में भी भारत का प्रभाव बढ़ेगा। स्पष्ट है कि चिप निर्माण केवल उद्योग की आवश्यकता नहीं, बल्कि राष्ट्र की सुरक्षा और संप्रभुता से भी गहरा रूप से जुड़ा है। हालाँकि, चुनौतियाँ अभी भी शेष हैं। बिजली और जल की सतत आपूर्ति, अनुसंधान में निरंतर निवेश, वैश्विक बाज़ार में प्रतिस्पर्धा और पर्यावरणीय संतुलन जैसी बाधाएँ इस यात्रा को कठिन बना सकती हैं। किंतु सरकार, उद्योग और समाज के संयुक्त प्रयास से इन चुनौतियों का समाधान अवश्य होगा। भारत ने जिस आत्मविश्वास और संकल्प के साथ इस यात्रा का आरम्भ किया है, उससे यह स्पष्ट है कि वह पीछे मुड़कर देखने वाला नहीं। आज भारत की चिप क्रांति केवल तकनीकी आत्मनिर्भरता की कहानी नहीं, बल्कि यह आत्मगौरव, आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता की महगाथा भी है। उम्मीदों की विप सचमुच हौसलों को पंख दे चुकी है। बीसवीं शताब्दी में तेल ने जैसे विश्व व्यवस्था को बदला, उसी प्रकार इक्कीसवीं शताब्दी में चिप और तकनीक वैश्विक नेतृत्व का निर्धारण करेगी। भारत ने इस क्षेत्र में अपने कदम दृढ़तापूर्वक बढ़ा दिए हैं और अब उसका सपना धीरे-धीरे साकार होता दिखा रहा है।

## आप का नजरिया

## क्या ट्रंप टैरिफ वापस लेंगे?

‘एप्पल’ ने भारत से 67,000 करोड़ रुपए कमाए हैं। ‘मेजन’ ने 40,000 करोड़ रुपए कमाए हैं। ‘गूगल’ ने 22-23,000 करोड़ रुपए बनाए हैं और ‘मेटा’ ने भी लगभग इतनी ही कमाई की है। ये सभी अमरीकी कंपनियां हैं और भारत उनका सबसे बड़ा बाजार है। भारत में इनके प्लॉट भी सक्रिय होंगे अथवा स्थापित होने की प्रक्रिया में होंगे। ऐसी कई और अमरीकी कंपनियां होंगी, जो भारत में व्यापार कर रही हैं और मोटा मुनाफा कूट रही हैं। इन कंपनियों के सबसे अधिक ग्राहक और उपयोगकर्ता भी भारत में हैं। यह मुनाफा अमरीका में ही जा रहा है। राष्ट्रपति ट्रंप अब भारत के बारे में क्या सोच रहे हैं? चूंकि अमरीकी कंपनियां भारत में उत्पादन कर रही हैं और माल अमरीकी बाजार में जा रहा है, तो फ्रास्ट्रपिट ट्रंप इन उत्पादों की भी 50 फीसदी टैरिफ थोपेंगे? बल्कि ट्रंप हरररोज टैरिफ पर सफाई दे रहे हैं। भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय के सूत्रों का मानना है कि राष्ट्रपति ट्रंप 100 दिनों के अंतराल में टैरिफ पर पुनर्विचार कर अपने फैसले को वापस ले सकते हैं, लिहाजा उन्होंने सर्वोच्च अदालत से आग्रह किया है कि वह टैरिफ मामले पर यथाशीघ्र सुनवाई कर उसे ‘वैध’ करार दे। अदालत नवंबर माह में सुनवाई शुरू करेगी, यह पहले से ही तय है। राष्ट्रपति ट्रंप इसलिए भी व्तिंत हैं, क्योंकि दुनिया दो ध्रुवों के बीच बंटती जा रही है और अमरीका को ‘शीत युद्ध’ एक बार फिर शुरू होने की आशंका है। अमरीका की ताकत भी बंटती जा रही है। अब देश अमरीका की ‘दादागीरी’ मानते रहने को तैयार नहीं हैं। राष्ट्रपति ट्रंप और अमरीकी मंत्री अब भी भारत को अपना ‘परम मित्र’ मानते हैं। अमरीकी विशेषज्ञ भी मानते हैं कि देश के राष्ट्रपतियों ने दशकों की मेहनत, कूटनीति, दूरदर्शिता और देशों की लामबंदी के जरिए जो ताकत अर्जित की थी और अमरीका को सबसे बड़ी 25 दिलियन डॉलर से अधिक की अर्थव्यवस्था तक पहुंचाया था, राष्ट्रपति ट्रंप उस पर पानी फेर रहे हैं। भारत को 50 फीसदी टैरिफ से अमरीका ने दबाव में लाने की रणनीति बनाई, लेकिन भारत दूसरे ध्रुव पर रूस और चीन के साथ मिल गया। उसके समर्थन में 50 अन्य देश, ब्रिक्स और एससीओ के देश आ खड़े हुए। भारत के वाणिज्य-उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने एक साक्षात्कार में खुलासा किया है कि भारत का ऑस्ट्रेलिया और ओमान के साथ व्यापार का करार शीघ्र ही होने जा रहा है। भारत की 50 अन्य देशों के साथ भी निर्यात की संभावनाओं पर बातचीत जारी है। अमरीका के साथ भी नवंबर तक व्यापार-समझौता होना लगभग तय है। भारत आगामी दो सालों के भीतर विश्व की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक महाशक्ति बन सकता है। सवाल यह है कि ट्रंप को भारत से दिक्रत है अथवा रूस और चीन से? भारत ने पलट कर अमरीका पर कोई टैरिफ नहीं थोपा है। अमरीकी कंपनियां

भारत की सार्वजनिक और निजी कंपनियों से अरबों डॉलर के करार कर रही हैं। अमरीकी राष्ट्रपति के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार रहे अधिकारी ने अमरीका में मंदी की संभावनाओं को लेकर राष्ट्रपति को सचेत किया है। ऐसे भी विश्लेषण सामने आए हैं कि एक-तिहाई उद्योग पहले से ही आर्थिक संकट झेल रहे हैं। ऐसे में भारत के साथ कारोबार कम क्यों किया जा रहा है? टैरिफ को कोई औचित्य नहीं है, क्योंकि रूस के साथ भारत, चीन के अलावा अमरीका और यूरोपीय देश भी तेल और गैस का धंधा कर रहे हैं। राष्ट्रपति ट्रंप को आरोप लगाने की अपनी आदत

‘गूगल’ ने 22-23,000 करोड़ रुपए बनाए हैं और ‘मेटा’ ने भी लगभग इतनी ही कमाई की है। ये सभी अमरीकी कंपनियां हैं और भारत उनका सबसे बड़ा बाजार है। भारत में इनके प्लॉट भी सक्रिय होंगे अथवा स्थापित होने की प्रक्रिया में होंगे। ऐसी कई और अमरीकी कंपनियां होंगी, जो भारत में व्यापार कर रही हैं और मोटा मुनाफा कूट रही हैं। इन कंपनियों के सबसे अधिक ग्राहक और उपयोगकर्ता भी भारत में हैं। यह मुनाफा अमरीका में ही जा रहा है। राष्ट्रपति ट्रंप अब भारत के बारे में क्या सोच रहे हैं? चूंकि अमरीकी कंपनियां भारत में उत्पादन कर रही हैं और माल अमरीकी बाजार में जा रहा है, क्या राष्ट्रपति ट्रंप इन उत्पादों पर भी 50 फीसदी टैरिफ थोपेंगे? बल्कि ट्रंप हरररोज टैरिफ पर सफाई दे रहे हैं। भारत सरकार के

वाणिज्य मंत्रालय के सूत्रों का मानना है कि राष्ट्रपति ट्रंप 100 दिनों के अंतराल में टैरिफ पर पुनर्विचार कर अपने फैसले को वापस ले सकते हैं, लिहाजा उन्होंने सर्वोच्च अदालत से आग्रह किया है कि वह टैरिफ मामले पर यथाशीघ्र सुनवाई कर उसे ‘वैध’ करार दे।

को सुधारना चाहिए। उन्होंने अब चीन पर आरोप सफाया किया है कि वह अमरीका के खिलाफ चर्चा कर रहा है। दरअसल बदलते वैश्विक परिदृश्य में अमरीका अकेला पड़ता जा रहा है। अच्छे संबंधों को सिर्फ टैरिफ तक सीमित कर देखा ट्रंप और अमरीका के लिए नुकसानदायक होगा। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद जब शीत युद्ध शुरू हुआ था, तब भी भारत दोनों ध्रुवों से अलग, अपनी गुटनिरपेक्षता के लिए, मजबूती से खड़ा था। बहरहाल अब भी निर्णय लेना है, राष्ट्रपति ट्रंप और अमरीका को लेना है।







# कोट डी आइवर क्या सच में होने जा रहा मालामाल सोने का विशाल भंडार और 2026 से खनन कार्य

यमोजसोउको, 08 सितंबर (एजेंसियां)।

पश्चिम अफ्रीकी देश कोट डी आइवर को लेकर एक खबर सामने आई है, जिसमें कहा गया है कि यहां सोने के विशाल भंडार मिले हैं। यही नहीं सरकार ने इन सोने के भंडार पर खनन कार्य 2026 से करने का प्लान भी बना लिया है, जिस पर कार्य किया जा रहा है। एक रिपोर्ट के दावे के अनुसार कोट डी आइवर के उत्तर-पूर्वी डोरोपो क्षेत्र में सोने का एक विशाल भंडार मिलने की पुष्टि हो गई है।

रिपोर्ट्स में बताया गया है, कि पश्चिमी

अफ्रीकी देश कोट डी आइवर में जमीन के भीतर लगभग 100 टन से अधिक सोना दबा हुआ है। लंबे समय से चर्चा में रही इस खोज को अब वास्तविकता में बदलने की तैयारी हो चुकी है। अधिकारियों के हवाले से बताया गया है, कि खदान के निर्माण कार्य की शुरुआत वर्ष 2026 से होने की संभावना है। इसके साथ ही सोने का पहला उत्पादन 2028 तक शुरू हो सकता है।

खास बात यह है कि इसके लिए जुन 2024 में पर्यावरणीय परमिट पहले ही जारी किया जा चुका है, जबकि खनन लाइसेंस की

प्रक्रिया जारी है। खनन शुरू होने के बाद हजारों लोगों को रोजगार मिलेगा और देश की आर्थिक स्थिति में बड़ा बदलाव आ सकता है। यह खोज उस क्षेत्र में हुई है, जहां पहले से ही खनन और उत्पादन की सुविधाएं मौजूद हैं, जिससे आधारभूत ढांचे और श्रमिकों की उपलब्धता में आसानी होगी।

इसकी रिपोर्ट में पुष्टि की गई है और बताया गया है कि रेजोल्यूट माइनिंग कंपनी के सीईओ क्रिस एगर ने अपने एक बयान में कहा, कि उत्पादन शुरू होने के शुरुआती

चरण में ही कोट डी आइवर को लगभग 300 अरब एफसीएफ (सेंट्रल अफ्रीकन फ्रैंक) टैक्स के तौर पर राजस्व प्राप्त हो सकता है। हालांकि, यह अनुमान उत्पादन दरों और खदान की लागत पर निर्भर करेगा। उम्मीद जताई जा रही है कि सोने के इस भंडार और उत्पादन यदि पूर्व लक्ष्य पर आधारित परिणाम प्राप्त करता है तो यह खोज कोट डी आइवर पश्चिम अफ्रीका के सोने के उद्योग को एक नई शक्ति के तौर पर उभारने में सफल हो जाएगा है। इस पर अब दुनियां की नजरें टिकी हुई हैं।

## न्यूज़ ब्रीफ

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में आठ माह में आतंकवादियों ने 605 हमले किए 138 नागरिक मारे गए और 352 घायल



इस्लामाबाद (पाकिस्तान)। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में इस साल आतंकवादी घटनाओं में तेजी से वृद्धि देखी गई है। साल के पहले आठ महीनों में 605 हमले हुए। इनमें 138 नागरिक मारे गए और 352 घायल हुए। रिपोर्ट के अनुसार, केंद्रीय पुलिस कार्यालय (सीपीओ) के आंकड़ों में बताया गया है कि इस अवधि के दौरान आतंकवाद से संबंधित मामलों में 351 संदिग्ध आतंकवादियों के नाम दर्ज किए गए। सुरक्षा अभियानों में 32 आतंकवादी मारे गए और पांच अन्य गिरफ्तार किए गए। आंकड़ों से यह भी पता चलता है कि प्रांत के पुलिस बल को भारी नुकसान उठाना पड़ा। इन हमलों में 79 जवान मारे गए और 130 घायल हुए। अकेले अगस्त में ही पूरे प्रांत में 129 आतंकवादी घटनाएं हुईं। इन हमलों में 17 नागरिकों की जान गई और 51 घायल हुए। इसी महीने, 186 संदिग्धों की पहचान की गई, जबकि मुठभेड़ों में आठ आतंकवादी मारे गए। ज़िलेदार विवरण से पता चलता है कि अगस्त में बन्नु में सबसे अधिक 42 हमले हुए।

## प्रेमी को पैसों के लिए बेच डाला गुलामी कराने वाले गिरोह को



बीजिंग। चीन के ग्वांगडोंग प्रांत के झांजियांग की एक 17 वर्षीय लड़की ने अपने 19 साल के प्रेमी को पहले मोहब्बत के जाल में फंसाया और पैसों के लिए गुलामी कराने वाले गिरोह को बेच डाला। रिपोर्ट्स के अनुसार, दोनों की मुलाकात एक स्थानीय पूल हॉल में हुई थी। लड़की हमेशा आकर्षक कपड़े पहनती और नकली डिजाइनर बैग्स के जरिए अमीरी का दिखावा करती थी। यही चीजें उस युवक को लुभा गईं। धीरे-धीरे लड़की ने उससे नजदीकियां बढ़ाई और अपने कथित बिजनेस की कहानियां सुनाकर उसे प्रभावित किया। उसने युवक को म्यांमार में शानदार नौकरी दिलाने का वादा किया। प्रेम के जाल में फंसा युवक परिवार के विरोध के बावजूद फरवरी में उसके साथ थाईलैंड चला गया। थाईलैंड-म्यांमार बॉर्डर पर पहुंचने के बाद लड़की ने उसे अकेला छोड़ दिया और हथियारबंद लोगों के हवाले कर दिया। उन्होंने युवक के दस्तावेज और फोन छीनकर उसे एक सीक्रेट कैप में कैद कर लिया। वहां उसका सिर मुंडवाया गया और उसे रोजाना 16 से 20 घंटे तक कंप्यूटर पर बैठाकर अपने ही देशवासियों के खिलाफ ऑनलाइन धोखाधड़ी करने के लिए मजबूर किया गया। जब वह काम में असफल रहा तो उसे लोहे की रॉड से पीटा गया। लगातार यातनाओं के कारण उसका वजन 10 किलो से ज्यादा घट गया और उसे सुनने में भी परेशानी होने लगी। स्थिति और बिगड़ी जब अपहरणकर्ताओं ने युवक के परिवार से 43 लाख रुपये की फिरोती मांगी। परिवार ने जैसे-तैसे पैसा इकट्ठा कर जून 2021 में उसकी रिहाई कराई। इस बीच, धोखेबाज प्रेमिका म्यांमार से निकलकर थाईलैंड में 10 दिन छुट्टियां मनाती रही और फिर चीन लौट आई।

## बुजुर्ग महिला की फिटनेस और खूबसूरती से युवाओं कर रही हैरान



लंदन। यहां की 55 वर्षीय आंद्रेया सनशाइन अपनी फिटनेस और खूबसूरती से युवाओं तक को हैरान कर देती हैं। इस अघेड महिला को 25 साल तक के युवा लड़कें भी अपनी गर्लफ्रेंड बनाने और दोस्ती करने के लिए उत्सुक रहते हैं। आंद्रेया का कहना है कि उन्हें इस तरह की अटेंशन बिल्कुल पसंद नहीं है। आंद्रेया सोशल मीडिया पर अपने फिटनेस टिप्स और ब्यूटी सीक्रेट्स शेयर करती रहती हैं। उनकी फिटनेस का राज है रोजाना कम से कम तीन घंटे तक का वर्कआउट। वह एक घंटे तक कार्डियो करती हैं और फिर वेट ट्रेनिंग, जो उनके वर्कआउट का पसंदीदा हिस्सा है। जिम में उन्हें अक्सर पुरुषों से पलट करनी की कोशिशों का सामना करना पड़ता है, लेकिन वह साफ कहती हैं कि उनका ध्यान केवल फिटनेस पर होता है। उन्होंने मजाकिया अंदाज में बताया कि जिम में लोग उन्हें 'बीस्ट' कहते हैं, क्योंकि वह किसी भी उम्र के पुरुषों से ज्यादा मेहनत करती हैं।

# यूक्रेन पर रूस के ताजा हमले से अमेरिका में हलचल, ट्रंप ले सकते हैं बड़ा फैसला



कीव (यूक्रेन)/वाशिंगटन, 08 सितंबर (एजेंसियां)।

रूस के यूक्रेन पर अब तक के सबसे बड़े हमले से वाशिंगटन में हलचल तेज हो गई है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को संकेत दिया कि वे रूस पर नए प्रतिबंध लगाने के लिए तैयार हैं। हालांकि उन्होंने इस बारे में और कोई जानकारी नहीं दी। ट्रंप से व्हाइट हाउस से निकलते समय पत्रकारों ने सवाल किया- अब मास्को के प्रति क्या इरादा है ट्रंप ने कहा कि वह बड़ा फैसला लेंगे।

यूक्रेन के अखबार कीव पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप की इस टिप्पणी के बाद वित्तमंत्री स्कॉट बेसेंट ने कहा, हम अब इस प्रतिक्रिया में हैं कि यूक्रेन की सेना कितने समय तक टिक सकती है, बनाम रूसी अर्थव्यवस्था कितने समय तक टिक सकती है बेसेंट ने कहा कि यही नहीं, अब अमेरिका रूसी तेल खरीदने वाले देशों पर नए प्रतिबंध लगाने के लिए यूरोपीय देशों के साथ साझेदारी करने को तैयार है।

जेडी वेंस ने यूरोपीय आयोग प्रमुख से बातचीत की - उन्होंने कहा कि अगर अमेरिका और यूरोपीय संघ आगे आकर रूसी तेल खरीदने वाले देशों

र और प्रतिबंध और अतिरिक्त टैरिफ लगाएँ तो रूसी अर्थव्यवस्था पूरी तरह से चरमरा जाएगी और मजबूर होकर राष्ट्रपति पुतिन को बातचीत के लिए आगे आना पड़ेगा। बेसेंट ने कहा कि हमले के बाद उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने यूरोपीय आयोग की प्रमुख उर्सुला वॉन डेर लेयेन से चर्चा की है। उन्होंने कि हम इस बारे में बात कर रहे हैं कि यूरोपीय संघ और अमेरिका दोनों मिलकर क्या कर सकते हैं। हम रूस पर दबाव बढ़ाने के लिए तैयार हैं, लेकिन हमें अपने यूरोपीय सहयोगियों को भी साथ लाने की जरूरत है।

अमेरिकी दूतावास ने हमले की निंदा की - इस हमले पर कीव स्थित अमेरिकी दूतावास ने एक बयान जारी कर हमले में एक माँ और एक शिशु की बेवजह हत्या और अभूतपूर्व पैमाने पर विनाश की निंदा की है। यूक्रेन के लिए ट्रंप के विशेष दूत कोथ केलांग ने भी सोशल मीडिया पर लिखा: किसी भी युद्ध में खतरा तनाव का बढ़ना होता है। ऐसा लगता है कि रूस युद्ध को और बढ़ा रहा है। इस युद्ध का सबसे बड़ा हमला कीव के कैबिनेट के कार्यालय पर



हुआ है। केलांग ने इसके लिए रूस को चेताया भी है।

रिपब्लिकन और डेमोक्रेट बोले-

कार्रवाई का वक्त आ गया - इस हमले पर कैपिटल हिल में कड़ी प्रतिक्रिया हुई है। रिपब्लिकन सीनेटर थॉम टिलिस (आर-एनसी) ने सोशल मीडिया पर लिखा: राष्ट्रपति ट्रंप तीन हफ्ते पहले पुतिन से मिले थे। तब से, पुतिन अमेरिका के खिलाफ साजिश रचने के लिए अपने साथी सत्तावादीयों से मिले हैं। फिर वह अपने अवैध आक्रमण की शुरुआत के बाद से यूक्रेन पर सबसे बड़े हवाई हमले को मंजूरी देने के लिए मास्को लौट आए। अब इस झूठे और हत्यारे को रोकने का समय आ गया है। सीनेटर जॉन कॉर्निन (रिपब्लिकन-टेक्सास) ने भी इसी भावना को दोहराया। विदेश नीति पर अग्रणी डेमोक्रेट सीनेटर जॉन शाहीन (डेमोक्रेट-न्यू हैम्पशायर) ने रूस तुरंत प्रतिबंध लगाने का आह्वान किया है। उन्होंने जोर देकर कहा: पुतिन ने निर्दोष यूक्रेनियों पर अब तक का सबसे बड़ा झोना हमला किया है। जब तक ट्रंप कार्रवाई नहीं करते, ये हमले जारी रहेंगे। अब और समय सीमा नहीं बढ़नी चाहिए।

## ट्रंप ने कजाक राष्ट्रपति टोकायेव से हुई बातचीत को बताया शानदार



वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को कहा कि उनकी कजाकिस्तान के राष्ट्रपति कासिम-जोमार्ट टोकायेव से बहुत अच्छी बातचीत हुई। ट्रंप ने यह टिप्पणी व्हाइट हाउस से निकलते वक्त पत्रकारों से की, जब वे यूएस ओपन टैनिस् टूर्नामेंट के पुरुष फाइनल में शामिल होने जा रहे थे। हालांकि, बातचीत के मुद्दों पर उन्होंने कोई विस्तार नहीं किया। टोकायेव ने बीते जुलाई में ट्रंप को एक पत्र लिखा था, जिसमें उन्होंने व्यापारिक मुद्दों पर रचनात्मक संवाद के लिए अपनी तत्परता जताई थी। यह तब आया था जब अमेरिका ने कजाकिस्तान से आने वाले सामान पर 25 प्रतिशत नए टैरिफ लगा दिए थे। अमेरिका और कजाकिस्तान ने ट्रंप के पहले कार्यकाल (2017) में उन्नत रणनीतिक साझेदारी समझौते पर हस्ताक्षर किए थे, जिसमें सुरक्षा और व्यापार सहयोग पर जोर दिया गया था। साल 2024 में अमेरिका और कजाकिस्तान के बीच व्यापारिक कारोबार 4.2 बिलियन डॉलर तक पहुंचा, जो 2023 की तुलना में 4प्रतिशत अधिक था। अमेरिका को कजाकिस्तान का मुख्य निर्यात कूड ऑय, यूरेनियम (16.4प्रतिशत), चांदी (12.2प्रतिशत), फेरोअलॉयज (9.5प्रतिशत), टैटलम और उसके उत्पाद (0.89प्रतिशत) रहे।

## अमेरिका के पोल्ट्री उद्योग को बर्ड फ्लू से भारी नुकसान

वाशिंगटन, 08 सितंबर (एजेंसियां)।

अमेरिका ने जुलाई महीने में रूस से ताजा मुर्गी के अंडों पर 4.55 लाख डॉलर (करीब 3.8 करोड़ रुपये) खर्च किए। यह कदम उस समय उठाया गया जब देश में बर्ड फ्लू महामारी के चलते पोल्ट्री उद्योग को भारी नुकसान हुआ और अंडों की आपूर्ति संकट पैदा हो गया।

यह जानकारी अमेरिकी सांख्यिकीय सेवा के आंकड़ों के हवाले से दी। बताया जा रहा है कि यह आयात 32 वर्षों में पहली बार हुआ है। आखिरी बार अमेरिका ने 1992 में रूस से अंडे खरीदे थे। रिपोर्ट के अनुसार, रूस की अर्थव्यवस्था को पंगु बनाने की कोशिश में जुटा अमेरिका अब खुद ही उसके साथ व्यापार करने के लिए मजबूर है। अमेरिका में साल 2025 की शुरुआत में फैले बर्ड फ्लू प्रकोप से लाखों मुर्गियां प्रभावित हुईं। हालात इतने गंभीर थे कि कई स्टोर्स को अंडों पर खर्च की सीमा लगानी पड़ी। फरवरी तक एक दर्जन अंडों की कीमत 7 डॉलर तक पहुंच गई। हालांकि पिछले महीनों में दामों में कुछ कमी आई है, लेकिन जुलाई 2025 में अंडे पिछले साल की तुलना में अब भी 16.4 प्रतिशत महंगे रहे। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलीन लेविट ने इस संकट के लिए पूर्व बाइडेन प्रशासन को जिम्मेदार



उहराते हुए आरोप लगाया कि उन्होंने पद छोड़ने से पहले करीब 80 लाख मुर्गियों की अकारण कुरबानी दी, जिससे स्थिति और बिगड़ी।

फरवरी 2022 में यूक्रेन पर रूस के पूर्ण पैमाने पर हमले के बाद अमेरिका और पश्चिमी देशों ने माँकों पर कड़े प्रतिबंध लगाए। अमेरिका ने रूस की अर्थव्यवस्था को कमजोर करने, उसकी सैन्य क्षमताओं को सीमित करने और उसे वित्तीय व कूटनीतिक रूप से अलग-थलग करने के लिए ये व्यापक प्रतिबंध लगाए हैं। इनमें रूसी सेंट्रल बैंक की अरबों डॉलर की संपत्ति को फ्रीज करना,

प्रमुख रूसी बैंकों को स्विफ्ट सिस्टम से बाहर करना, रूस के ऊर्जा क्षेत्र में व्यापार और निवेश पर भारी प्रतिबंध लगाना, और प्रमुख रूसी अधिकारियों पर प्रतिबंध शामिल हैं। इन पारबंदियों के बावजूद, 2024 में अमेरिका ने रूस से करीब 3 अरब डॉलर के सामान आयात किए। इनमें उर्वरक (2025 की पहली छमाही में 927 मिलियन डॉलर), यूरेनियम व प्लूटोनियम (755 मिलियन डॉलर) और पैलेडियम जैसे कीमती धातु शामिल हैं। पिछले तीन वर्षों में अमेरिका-रूस व्यापार लगभग 90प्रतिशत तक गिर चुका है।

## हमास को खत्म करने के चक्कर में आम लोगों की जा रही जान, अब भयंकर भुखमरी का संकट

गाजा, 08 सितंबर (एजेंसियां)।

गाजा में इजरायली हमले रुक नहीं रहे हैं। वजह ये है कि इजरायल ने संकल्प ले रखा है कि हमास के एक एक सदस्य को चुनचुनकर मारेगे। भले ही इसके लिए कितनी ही कीमत क्यों न चुकाना पड़े। शायद यही वजह है कि इजरायल उन इमारतों पर हमले कर रहा है जहां हमास के लोगों के छिपे होने की आशंका है। गाजा में इजरायली हमलों में अब तक 64 हजार लोगों की जान गई है। वहीं भुखमरी से मरने वालों को कोई आंकड़ा ही सामने नहीं आया है। अंतरराष्ट्रीय संगठन गाजा में अकाल को लेकर बेहद चिंतित हैं। यूएन की एजेंसी का भी कहना है कि अगर इजरायल चाहे तो गाजा अकाल से बच सकता है। ग्लोबल हंगर मॉनीटर के मुताबिक हजारों फिलिस्तीनी अब भी भुखमरी का शिकार हैं। वहीं गाजा सिटी में इजरायली हमला तेज होने के बाद यहाँ स्थिति काफी खराब हो गई है।

गाजा के लोगों का कहना है कि गाजा सिटी

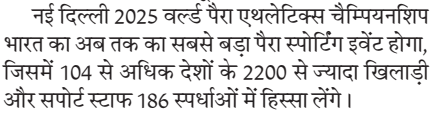


राफाह बन जाए, इससे पहले हमास को इजरायल के साथ बात करके युद्ध खत्म करना चाहिए। इजरायल में भी आम जनता गाजा के इस युद्ध का समर्थन नहीं करती है। शनिवार को भी हजारों लोगों ने युद्ध खत्म करने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। माना जा रहा है कि गाजा में अब भी 48 इजरायली बंधक जिंदा हैं। इजरायल की रक्षा एजेंसी सीओजीएटी का कहना है कि पिछले सप्ताह गाजा में 1900 टुक भेजे गए हैं। धीरे-धीरे सप्लाई बढ़ाई जा रही है। एजेंसी ने कहा, यह सहायता केवल आम लोगों के लिए है ना कि हमास के लिए। इजरायल का कहना है कि गाजा सिटी की बहुमंजिला इमारतों पर हमास का कब्जा है इसलिए आम लोग इसे खाली कर दें। बीते दिनों इजरायल ने गाजा सिटी की कई हाई राइज को निशाना बनाया है। इन हमलों में कम से कम 14 लोग मारे गए।

इजरायल ने मार्च सेई तक 11 महीने के

लिए गाजा में मानवीय सहायता पर भी रोक लगा दी थी। वहीं अब इजरायल का दावा है कि वह आम लोगों तक राशन पहुंचा रहा है। वहीं यूएन की एजेंसी के मुताबिक यह सहायता पर्याप्त नहीं है। यूएन एंड के चीफ टॉम फ्लेचर ने कहा कि समय तेजी से गुजर रहा है। अगर गाजा को अकाल से बचाना है तो इसके लिए बहुत कम समय बचा है। इजरायल के सुप्रीम कोर्ट ने रविवार को कहा कि सरकार फलस्तीनी कैदियों को पर्याप्त मात्रा में भोजन उपलब्ध नहीं करा रही। कोर्ट ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे कैदियों को पर्याप्त भोजन मुहैया कराएं। यह लगभग ढाई साल में ऐसा दुर्लभ मामला है, जिसमें उच्चतम न्यायालय ने सरकार के खिलाफ कोई फैसला सुनाया है। युद्ध शुरू होने के बाद से इजरायल ने गाजा में हमास से जुड़े होने के संदेह में हजारों लोगों को कैद किया है। हजारों लोगों को महीनों हिरासत में रखने के बाद छोड़ा भी गया है।





नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने भारतीय टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज संजु सैमसन की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि उन्हें एशिया कप में पारी की शुरुआत के लिए ही भेजा जाना चाहिये। शास्त्री ने कहा कि बल्लेबाजी क्रम को नहीं बदला जाना चाहिये क्योंकि वह पारी की शुरुआत में ही बेहतर खेलेंगे। सैमसन को टी20 एशिया कप 2025 के लिए भारतीय टीम में जगह तो मिल गयी है पर उनको अंतिम ग्यारह में शामिल किये जाने की संभावना रहा है कि वयोक्ति टीम में शुभमन गिल को उपकमान के तौर पर शामिल किया गया है और माना जा रहा है कि वहीं पारी की शुरुआत करेंगे। शास्त्री का मानना है कि सैमसन शीर्ष पर ही रहकर आपको मैच जिता सकते हैं निचले क्रम पर उनका प्रदर्शन प्रभावी नहीं रहा है। शास्त्री ने कहा, सैमसन शीर्ष पर सपोर्टेज ज्यादा खतरनाक बल्लेबाजी करेंगे। इससे वह आपको मैच जिता सकते हैं। अगर वो किसी भी पारी में सहायकदार प्रदर्शन करवाते हैं, तो टीम की जीत की संभावना बढ़ जाती है। इसलिए उन्हें शीर्ष पर ही रहने दो, वही सबसे अच्छा है। सैमसन ने हाल ही में केरल क्रिकेट लीग (केसीएल) की 5 पारियों में 368 रन बनाए हैं और इनमें से 350 से ज्यादा रन उन्होंने सलामी बल्लेबाज के तौर पर बनाए हैं पर टीम की घोषणा के समय ही मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने साफ कर दिया है कि वे एशिया कप में पारी शुरु नहीं करेंगे।





# ऑडी ने 7.8 लाख रुपए तक घटायें वाहनों के दाम, नई कीमतें 22 सितंबर से होगी लागू

**जीएसटी का लाभ ग्राहकों को देने के लिए कीमतों में 7.8 लाख रुपये तक कटौती की**

नई दिल्ली, 08 सितंबर (एजेंसियां)।

जर्मन लक्जरी कार निर्माता कंपनी ऑडी इंडिया ने सोमवार को भारत में अपने सभी मॉडलों की कीमतों में 2.6 लाख रुपये से

लेकर 7.8 लाख रुपये तक कटौती का ऐलान किया है। नई कीमतें नवरात्रि के पहले दिन 22 सितंबर से लागू होंगी।

ऑडी इंडिया ने एक बयान में कहा कि जीएसटी की दरों में बदलाव के बाद उसने अपने सभी उत्पाद पोर्टफोलियो की कीमतों में संशोधन किया है, ताकि ऑटोमोबाइल पर जीएसटी कटौती का लाभ ग्राहकों तक पहुंचाया जा सके। अब ग्राहकों को मॉडल के आधार पर 2.6 लाख रुपये से लेकर 7.8 लाख

रुपये तक का लाभ मिलेगा। कंपनी के मुताबिक नई कीमतों के तहत कंपनी की एंटी-लेवल एसयूवी क्यू3 की शुरुआती कीमत 43.07 लाख रुपये हो जाएगी, जो पहले 46.14 लाख रुपये थी। इसी तरह टॉप-एंड एसयूवी क्यू8 की शुरुआती कीमत 1.18 करोड़ रुपये से घटकर अब 1.1 करोड़ रुपये हो जाएगी। इसके अलावा एसयूवी क्यू5 और क्यू7 जैसे अन्य मॉडलों के साथ-साथ सेडान ए4 और ए6 की कीमतों में भी कमी की गई

है। कंपनी ने कहा कि संशोधित कीमतें लागू होने के बाद ऑडी की लक्जरी कारों और एसयूवी रेंज को और अधिक सुलभ बनाएगी, जिससे त्योहारी सीजन से पहले ग्राहकों की मांग में तेजी आएगी। ग्राहक अपनी पसंदीदा कार की सटीक कीमत जानने के लिए ऑडी इंडिया के नजदीकी डीलरशिप पर जा सकते हैं या कंपनी की आधिकारिक वेबसाइट पर विजिट कर सकते हैं।

## न्यूज़ ड्रीफ़

### अमेरिकी शुल्क से कोलकाता की चमड़ा फैक्ट्रियों की रफतार पर लगा ब्रेक



नई दिल्ली। कोलकाता के बंगाला स्थित एक चार मंजिला चमड़ा फैक्टरी में करीब 380 कर्मचारी हैं, जो ह्यूगो बॉस जैसे ब्रांड के लिए हैंडबैग और वॉलेट तैयार करते हैं। चमड़े के टुकड़े करीने से पंक्तियों में रखे हुए हैं और फैक्टरी में तेजी से काम हो रहा है, लेकिन इसके पीछे एक बड़ी आर्थिक चिंता छुपी है। क्रीसेंट एक्सपोर्टर्स के लिए अमेरिका सबसे बड़ा बाजार है, लेकिन हाल ही में अमेरिका ने भारत के कुछ उत्पादों पर 50 फीसदी तक आयात शुल्क बढ़ा दिया है। इसका सीधा असर ऑर्डर पर पड़ा है। कंपनी के प्रबंध निदेशक एम. अजहर ने बताया कि अमेरिका से आने वाले कई ऑर्डर रोक दिए गए हैं और उत्पादन की रफतार भी धीमी हो गई है। अमेरिका ने यह जवाबी शुल्क रूस से तेल खरीदने के चलते लगाया है, जिसमें अतिरिक्त 25 फीसद शुल्क 27 अगस्त से लागू हुआ। इस समय सीमा से पहले जितना माल तैयार था, उसे कीरसेंट ने हवाई मार्ग से भेजा, जबकि सामान्यतः समुद्री मार्ग का इस्तेमाल होता है। चमड़ा निर्यातकों पर 50 फीसदी तक आयात शुल्क का असर, ऑर्डर घटे, उत्पादन प्रभावित कंपनी की लगभग 60 फीसदी बिज्नी अमेरिका में होती है, जबकि शेष यूरोप और ऑस्ट्रेलिया में। अन्य कंपनियां जैसे जेसी इंटरनेशनल भी इसी संकट से जूझ रही हैं। उनके अनुसार अक्टूबर-दिसंबर की तिमाही चुनौतीपूर्ण रहेगी।

### देश की पहली वंदे भारत स्लीपर एक्सप्रेस जल्द होगी शुरू, दिल्ली-पटना यात्रा अब सिर्फ 11.5 घंटे में



नई दिल्ली। भारतीय रेलवे देश की पहली वंदे भारत स्लीपर एक्सप्रेस को दिवाली से पहले शुरू करने जा रहा है। यह ट्रेन सितंबर के अंत तक यात्रियों के लिए शुरू की जा सकती है। अब तक वंदे भारत ट्रेनें केवल दिन की यात्रा के लिए वेयर-का सुविधा देती थी, लेकिन नई ट्रेन को खासतौर पर रातभर की लंबी दूरी की यात्रा के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह स्लीपर ट्रेन दिल्ली और पटना के बीच प्रयागराज होते हुए चलेगी। इस रूट पर यात्रा का समय अब सिर्फ 11.5 घंटे होगा, जबकि राजधानी एक्सप्रेस को यही दूरी तय करने में लगभग 23 घंटे लगते हैं। ट्रेन पटना से रात 8 बजे रवाना होकर सुबह 7:30 बजे दिल्ली पहुंचेगी। वापसी यात्रा भी इसी समय पर होगी। भारत अर्थ मूवर्स लिमिटेड द्वारा बनाए गए इस ट्रेन के कोच आधुनिक तकनीक और सुविधाओं से युक्त हैं। हर कोच में सीसीटीवी कैमरे, एरिंडी स्क्रीन, ऑटोमैटिक दरवाजे, फायर सेफ्टी सिस्टम और ऑनबोर्ड घोषणा प्रणाली जैसी सुविधाएं होंगी। इसके इंटीरियर को विमान की तर्ज पर डिज़ाइन किया गया है। टिकट की कीमत राजधानी एक्सप्रेस से 10-15 फीसदी अधिक हो सकती है, लेकिन सुविधाओं और कम समय के कारण यह ट्रेन हवाई यात्रा से सस्ता और सुविधाजनक विकल्प साबित होगी।

### उपभोक्ताओं की बदलती मांग को देखते हुए हुंडई ने पेश किए नए मॉडल



नई दिल्ली। शहरी और अर्ध-शहरी इलाकों में उपभोक्ताओं की बदलती मांग को देखते हुए हुंडई मोटर इंडिया ने लगातार नए मॉडल और अपडेट पेश कर रही है। हुंडई इंडिया ने 1996 में भारतीय बाजार में कदम रखा था और यह हर साल लाखों ग्राहकों को अपनी ओर आकर्षित कर रही है। कंपनी की रणनीति सिर्फ नई कारें लॉन्च करने तक सीमित नहीं है, बल्कि वह भारतीय उपभोक्ताओं की जरूरतों को समझते हुए डिज़ाइन, तकनीक और क्वालिटी पर भी ध्यान देती है। इसका सबसे बड़ा उदाहरण क्रेटा है, जिसने मिड-साइज एसयूवी सेगमेंट में बेजोड़ लोकप्रियता हासिल की। जानकार मानते हैं कि इलेक्ट्रिक मोबिलिटी की ओर बढ़ते रुझान को देखते हुए हुंडई ने भी ईवी सेगमेंट पर फोकस बढ़ा दिया है। कंपनी आने वाले समय में इलेक्ट्रिक कारों की रेंज में नए विकल्प पेश करने की तैयारी कर रही है। ऑटो एक्सपर्ट्स का कहना है कि भारतीय ग्राहकों का भरोसा और बाजार की तेजी ने हुंडई को आगे बढ़ाया है। साथ ही, कंपनी के डीएन नेटवर्क और आफ्टर-सेल्स सर्विस को भी इसकी सफलता का अहम कारण माना जा रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि अगले कुछ सालों में जब इलेक्ट्रिक कारों की मांग और बढ़ेगी।

## चीन और जाकिर...

बोर्ड के अन्य सदस्यों में प्रियंका गांधी वाड्वा, पी चिदंबरम, सुमन दुबे, अशोक गांगुली, मोंटेक सिंह अहलूवालिया और विजय महाजन शामिल हैं।

यह नोटिस राहुल गांधी पर जनवरी 2025 में दर्ज एफआईआर से संबद्ध है। राहुल गांधी के इंडियन स्टेट से संघर्ष वाले विवादित बयान पर ओड़ीशा के झारसुगुड़ा में शिकायत दर्ज कराई गई थी। शिकायत में बताया गया कि राहुल गांधी के बयान से भारत की एकता और अखंडता को खतरा है। शिकायतकर्ता राम हरि पुजारी ने कहा कि राहुल गांधी ने इंडियन स्टेट के खिलाफ युद्ध घोषित कर देशद्रोह भड़काया है। मामले की जांच के बाद आईजी हिमांशु लाल ने आरोपों को सही पाया और एफआईआर दर्ज करने का निर्देश दिया था। यह मामला झारसुगुड़ा थाने में धारा 152 (भारत की एकता और संप्रभुता को खतरा) और धारा 197 (1) (डी) (झूठी एवं भ्रामक सूचना फैलाना) के तहत दर्ज हुआ।

यह विवाद राहुल गांधी के 15 जनवरी 2025 को दिए गए बयान से शुरू हुआ। राहुल गांधी ने दिल्ली के कोटला रोड स्थित कांग्रेस मुख्यालय के उद्घाटन समारोह में अपने भाषण के दौरान देश-विरोधी बयान दिया। उन्होंने कहा था कि भाजपा और आरएसएस ने देश के हर एक संस्थान पर कब्जा कर लिया है और कांग्रेस, भाजपा, आरएसएस और भारत (इंडियन स्टेट) के खिलाफ संघर्ष कर रही है। राहुल गांधी ने कहा था, मुझे नहीं लगता कि हम एक निष्पक्ष और नैतिक लड़ाई लड़ रहे हैं। इसमें कोई निष्पक्षता या नैतिकता नहीं है। अगर आप मानते हैं कि हम भाजपा या आरएसएस नामक किसी राजनीतिक संगठन से लड़ रहे हैं, तो आप समझ नहीं पाए हैं कि क्या हो रहा है। भाजपा और आरएसएस ने हमारे देश की हर संस्था पर कब्जा कर लिया है। इसलिए अब हम भाजपा, आरएसएस और इंडियन स्टेट से ही लड़ रहे हैं। राहुल गांधी के इस बयान का पूरे देश में विरोध हुआ था और इसे भारतीय राज्य के खिलाफ और राष्ट्रीय एकता के लिए खतरा बताया गया था।

## आधार कार्ड...

चुनाव आयोग की तरफ से पेश हुए वरिष्ठ वकील राकेश द्विवेदी ने कहा कि आधार कार्ड को नागरिकता के सबूत के तौर पर स्वीकार नहीं किया जा सकता। इस पर जस्टिस बागची ने भी साफ किया कि पासपोर्ट और जन्म प्रमाण पत्र को छोड़कर, चुनाव आयोग द्वारा सूचीबद्ध किए गए 11 दस्तावेज भी नागरिकता के सबूत नहीं माने जाएंगे।

चुनाव आयोग ने जिन दस्तावेजों को मान्यता दी है उनमें (1) केंद्र, राज्य सरकार एवं सार्वजनिक उपक्रमों में कार्यरत कर्मियों के पहचान पत्र, पेंशन भुगतान आदेश, (2) एक जुलाई 1987 के पूर्व सरकारी, स्थानीय प्राधिकार, बैंक, पोस्ट ऑफिस, एलआईसी एवं पब्लिक सेक्टर उपक्रमों से जारी आई कार्ड, दस्तावेज, (3) सक्षम प्राधिकार से जारी जन्म प्रमाणपत्र, (4) पासपोर्ट, (5) मान्यता प्राप्त बोर्ड, विश्वविद्यालय से जारी मैट्रिक व अन्य शैक्षिक प्रमाणपत्र, (6) स्थायी आवासीय प्रमाणपत्र, (7) वन अधिकार प्रमाणपत्र, (8) सक्षम प्राधिकार द्वारा जारी ओबीसी/एससी/एसटी जाति प्रमाणपत्र, (9) राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (जहां उपलब्ध हो), (10) राज्य/स्थानीय प्राधिकार द्वारा तैयार पारिवारिक रजिस्टर और (11) सरकार का कोई भूमि/मकान आवंटन प्रमाणपत्र शामिल है। अब उसमें 12वें नंबर पर आधार कार्ड भी शामिल हो गया है, लेकिन वह नागरिकता की पुष्टि नहीं करेगा और उसकी वैधता की जांच की जा सकती है।

## नेता की...

पीठ ने कहा, हम बार-बार कह रहे हैं कि इस अदालत का इस्तेमाल राजनीतिक लड़ाई के लिए न करें। इसे खारिज किया जाता है। अगर आप एक नेता हैं, तो आपको मोटी चमड़ी रखनी चाहिए।

भाजपा की तेलंगाना इकाई ने मई 2024 में रेवंत रेड्डी के खिलाफ एक शिकायत दर्ज कराई थी और आरोप लगाया था कि उन्होंने भाजपा के खिलाफ अपमानजनक और भड़काऊ भाषण दिया था। दावा किया गया कि सीएम रेवंत रेड्डी ने तेलंगाना कांग्रेस के साथ मिलकर एक फर्जी और संदिग्ध राजनीतिक कहानी गढ़ी कि अगर भाजपा सत्ता में आई तो वह आरक्षण खत्म कर देगी। शिकायतकर्ता ने दावा किया कि कथित मानहानिकारक भाषण ने एक राजनीतिक दल के रूप में भाजपा की प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचाई है।

एक निचली अदालत ने पिछले साल अगस्त में कहा था कि रेड्डी के खिलाफ तत्कालीन भारतीय दंड संहिता और जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 125 के तहत मानहानि के कथित अपराधों के लिए प्रथम दृष्टया मामला बनता है। अधिनियम की धारा 125 चुनाव के संबंध में विभिन्न वर्गों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देने से संबंधित है। रेड्डी ने निचली अदालत के आदेश को उच्च न्यायालय में चुनौती दी और तर्क दिया कि शिकायत में लगाए गए आरोप उनके खिलाफ प्रथम दृष्टया मामला नहीं बनाते। उन्होंने तर्क दिया कि राजनीतिक भाषणों को मानहानि का विषय नहीं बनाया जा सकता। उच्च न्यायालय ने बाद में टिप्पणी की, भले ही यह न्यायालय यह स्वीकार कर ले कि शिकायतकर्ता भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय इकाई का सदस्य है और उसे भारतीय जनता पार्टी का सदस्य माना जा सकता है, फिर भी प्राधिकरण के अभाव में शिकायत विचारणीय नहीं है।

हाईकोर्ट ने कहा था कि न तो शिकायतकर्ता और न ही उसके प्रतिनिधि को भाजपा की राष्ट्रीय इकाई की ओर से शिकायत दर्ज करने के लिए अधिकृत किया गया था। हाईकोर्ट ने कहा, राजनीतिक भाषणों को अक्सर बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया जाता है। यह आरोप लगाना कि ऐसे भाषण मानहानिकारक हैं, एक और अतिशयोक्ति है। रेड्डी की याचिका स्वीकार करते हुए हाईकोर्ट ने

निचली अदालत के आदेश और मामले से संबंधित कार्यवाही को रद्द कर दिया था।

## संसद भवन में...

इस दौरान सुरक्षाबलों पर पथराव भी किया गया। पुलिस ने हालात पर काबू पाने के लिए हल्का लाठीचार्ज किया। आंसू गैस के गोले छोड़े। पानी की बोछार की और कुछ जगहों पर फायरिंग भी की। स्थानीय मीडिया रिपोर्टर्स के मुताबिक, विरोध प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा में 14 लोगों की मौत हो गई और 42 लोग घायल हो गए। काठमांडू के न्यू बानेश्वर और झापा जिले के दमक में सबसे ज्यादा हालात खराब हैं।

द हिमालयन टाइम्स के मुताबिक, न्यू बानेश्वर में हिंसक झड़पों के दौरान गोली लगने से घायल हुए प्रदर्शनकारी ने सिविल अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। इस समय कई घायल व्यक्तियों की पहचान अब भी ज्ञात नहीं है। दमक में प्रदर्शनकारियों ने दमक चौक से नगरपालिका कार्यालय की ओर मार्च किया, जहां उन्होंने नेपाली प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली का पुतला फूँका और कार्यालय के द्वार तोड़ने का प्रयास किया। हालात और न बिगड़े, इसके लिए सेना को मोर्चे पर उतार दिया गया है।

न्यू बानेश्वर में प्रदर्शन के दौरान पुलिस की गोलीबारी में कुछ प्रदर्शनकारी घायल भी हुए हैं। घायलों को इलाज के लिए एक्सेस अस्पताल, सिविल अस्पताल और आसपास के अन्य अस्पतालों में ले जाया गया है। कार्यकर्ता रोनेश प्रधान ने बताया कि हामी नेपाल संगठन ने प्रदर्शनकारियों को प्राथमिक उपचार प्रदान करने के लिए मैतीघर में एक प्राथमिक चिकित्सा शिविर स्थापित किया है। प्रधान ने कहा, मैतीघर में छह से सात लोगों का इलाज चल रहा है, जबकि ज्यादातर घायल एक्सेस अस्पताल में हैं। हालांकि, घायलों की सटीक संख्या की पुष्टि अब तक नहीं हुई है।

बताया गया कि सोमवार सुबह 9 बजे से प्रदर्शनकारी काठमांडू के मैतीघर में एकत्रित होने लगे। हाल के दिनों में नेपो किड और नेपो बेबीज जैसे हैशटैग ऑनलाइन ट्रेंड कर रहे हैं। सरकार की ओर से अपराजित प्लेटफॉर्म को ब्लॉक करने के फैसले के बाद इसमें और तेजी आई है। काठमांडू जिला प्रशासन कार्यालय के अनुसार, हामी नेपाल ने इस रैली का आयोजन किया था। इसके लिए पूर्व अनुमति ली गई थी। समूह के अध्यक्ष सुधन गुरुंग ने कहा कि यह विरोध प्रदर्शन सरकारी कार्रवाइयों और भ्रष्टाचार के विरोध में था। देश भर में इसी तरह के प्रदर्शन हो रहे हैं। उन्होंने छात्रों से भी अपनी यूनिफॉर्म पहनकर और किताबें लेकर प्रदर्शन में शामिल होने का आग्रह किया।

सरकार के मुताबिक, नेपाल में सोशल मीडिया कंपनियों को पंजीकरण के लिए 28 अगस्त से सात दिन का समय दिया गया था। बीते बुधवार को जब समय सीमा समाप्त हो गई, तब भी किसी भी बड़े सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म - जिसमें मेटा (फेसबुक, इंस्टाग्राम, व्हाट्सएप), अल्फाबेट (यूट्यूब), एक्स (पूर्व में ट्विटर), रैडिट और लिंकडइन शामिल थे, पंजीकरण नहीं कराया। जिसके बाद सरकार ने गुरुवार से इन कंपनियों पर प्रतिबंध लगा दिया। सरकार का कहना है कि फर्जी आईडी से जुड़े यूजर्स इन प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल नफरत फैलाने, अफवाहें फैलाने और साइबर अपराधों के लिए कर रहे थे। इससे समाज में अशांति और असामाजिक गतिविधियां बढ़ रही थीं।

## मटन नहीं तो...

एसोसिएशन के महासचिव मेहराजुद्दीन गर्नई ने बताया कि स्थिति चिंताजनक हो गई है और अगर एक दिन के भीतर घाटी में पशुओं की आपूर्ति नहीं पहुंची, तो मंगलवार से मटन की उपलब्धता शून्य हो जाएगी। उन्होंने बताया कि पिछले तीन दिनों में फंसे हुए ट्रकों में कम से कम 400 भेड़ें मर चुकी हैं। इन मौतों का कारण लंबे समय तक ट्रकों का रुकना, भोजन और पानी की कमी और वाहनों के अंदर दम घुटना बताया गया है। सरकार का कहना है कि आवश्यक आपूर्ति मुगल रोड के रास्ते की जा रही है, लेकिन डीलरों का आरोप है कि यातायात पुलिस नियमों का उल्लंघन कर रही है और अनावश्यक रुकावटें पैदा कर रही है। गर्नई का कहना था कि लखनपुर से ही ट्रकों को नौशहरा, सुरनकोट और पुंछ सहित कई जगहों पर रोक दिया जाता है। उन्हें आगे बढ़ने की अनुमति देने से पहले कई दिनों तक इंतजार करना पड़ता है, जिससे बड़ी संख्या में मवेशियों की मौत हो जाती है और आर्थिक नुकसान होता है।

उन्होंने कहा कि भेड़-बकरियों से लदे ट्रक कई जगहों पर लगातार तीन-चार दिनों तक फंसे रहते हैं। व्यापारियों ने आरोप लगाया कि बार-बार अनुरोध करने के बावजूद अधिकारी सुचारू आवाजाही सुनिश्चित करने में विफल रहे हैं। मटन डीलर्स एसोसिएशन ने प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप करने और पशुओं के ट्रकों की कश्मीर में बिना किसी परेशानी के आवाजाही सुनिश्चित करने की अपील की है ताकि और नुकसान को रोका जा सके और बाजार में आपूर्ति स्थिर रहे।

## जनता से...

तक पहुंचाने के लिए अभियान चलाने का आह्वान किया। उन्होंने सांसदों को सरकारी योजनाओं का प्रचार करने स्वच्छता अभियान को आगे बढ़ाने और संसदीय समितियों में सक्रिय रहने की सलाह दी। पीएम मोदी ने इस कार्यशाला के जरिए भाजपा सांसदों को कई निर्देश दिए कि वे क्या करें और क्या न करें। पीएम मोदी ने सांसदों से संसदीय समितियों की बैठकों में सक्रिय रहने को कहा। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि सांसदों को खेल महोत्सव में अधिक से अधिक भाग लेना चाहिए।

पीएम मोदी ने कहा कि सांसद जनता से लगातार जुड़े रहें, खासकर ग्रामीण इलाकों में जाकर जागरूकता फैलाएं। उन्होंने ऑनलाइन गेमिंग बैंक का उदाहरण देते हुए कहा कि जानकारी की कमी के कारण ग्रामीण परिवार परेशान होते हैं। सांसदों को सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों पर नज़र रखनी चाहिए ताकि मदद सही हाथों तक पहुंचे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सांसदों से कहा कि वे समिति की रिपोर्ट ध्यान

से पढ़ें और सत्र की तैयारी गंभीरता से करें। उन्होंने सरकारी अधिकारियों से टकराव से बचने की सलाह दी और कहा कि वे संसाधन हैं, दुश्मन नहीं हैं।

पीएम मोदी ने कहा कि ग्रामीण और शहरी समस्याओं को अलग-अलग समझने की जरूरत है। उन्होंने सिंगपुर का उदाहरण देते हुए कहा कि एकजुट प्रयास से देश नई ऊंचाइयों तक पहुंच सकता है। स्वच्छता अभियान का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि यह केवल फंडिंग नहीं, बल्कि अनुशासन और सतत प्रयास का विषय है। इस सत्र में युवा और अनुभवी दोनों तरह के सांसद मौजूद रहे।

## कुलगाम में ....

सीआरपीएफ की एक संयुक्त टीम द्वारा आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद इलाके में तलाशी अभियान शुरू करने के बाद मुठभेड़ शुरू हुई। सेना के चिनार कोर ने बताया कि सीमा सुरक्षा बलों की जवाबी फायरिंग में दो आतंकवादी मारे गए हैं। सेना के एक जूनियर कमीशन अधिकारी समेत चार घायल जवानों में से दो की जान चल गई है। फिलहाल आतंकियों की तलाशी का अभियान जोर शोर से जारी है। सुरक्षाबलों ने भी जवाबी फायरिंग की। घायल जवानों को पास के अस्पताल में भेजा गया है। अधिकारियों ने बताया कि आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद सुरक्षा बलों की संयुक्त टीमों ने कासो (घेराबंदी और तलाशी अभियान) शुरू किया था।

अधिकारी ने बताया कि जैसे ही संयुक्त टीम संदिग्ध स्थान के पास पहुंची, छिपे हुए आतंकवादियों ने गोलीबारी शुरू कर दी, जिसका जवाबी कार्रवाई में जवाब दिया गया, जिससे मुठभेड़ शुरू हो गई। उन्होंने कहा कि आखिरी रिपोर्ट आने तक गोलीबारी जारी थी, जबकि इलाके में अतिरिक्त सुरक्षा बल भेजा गया है। दूसरी ओर सीमा सुरक्षा बलों ने देर रात जम्मू जिले के आरएस पुरा सेक्टर में एक पाकिस्तानी नागरिक को पकड़ा है। अधिकारियों ने बताया कि बीएसएफ कर्मियों ने कल देर रात एक सीमा स्तंभ के पास कुछ संदिग्ध गतिविधियां देखीं और उसके बाद एक पाकिस्तानी नागरिक को हिरासत में ले लिया गया। उन्होंने बताया कि फिलहाल उससे पूछताछ की जा रही है। गिरफ्तार युवक सिराज खान (16 वर्ष) पुत्र जाहिद खान ने बताया कि वह पाकिस्तान में गांव 27 चक तहसील भलवाल, जिला सरगोधा, पंजाब (पाकिस्तान) का रहने वाला है। तलाशी में उसके पास से पाकिस्तानी 30 रुपए बरामद हुए हैं।

## दुर्गम क्षेत्र में...

पूरी रेल पटरी घने जंगल से होकर गुजरती है जिसमें खड़ी पहाड़ियां और गहरी खाइयां हैं। 70 मीटर से अधिक और 114 मीटर तक की अधिकतम ऊंचाई वाले छह ऊंचे पुल हैं। प्रतिकूल भूभौमध्य परिस्थितियों में 45 सुरंगें हैं, सभी सुरंगों में बलास्ट रहित ट्रैक का निर्माण किया गया है। कुल 45 सुरंगें हैं, जिनकी कुल लंबाई 15.885 किमी है। उसमें सबसे लंबी सुरंग 1.868 किलोमीटर है। दुर्गम भौगोलिक स्थिति और भारी मानसून के कारण अप्रैल से अक्टूबर तक रेल ट्रैक के निर्माण का काम रुका रहा। यह मार्ग पहाड़ी इलाकों, गहरी घाटियों और घाटियों से होकर गुजरती है, जिसके लिए सुरंगों और ऊंचे पुलों, पुलों के निर्माण की आवश्यकता होती है। अस्थिर कमजोर चट्टानें (शेल, सिल्टस्टोन और बलुआ पत्थर) दिनों में टूटी, दरारें और पानी का प्रवेश होने से धराशाई होती रहती हैं। ऐसी दुर्गम स्थिति में परियोजना की कामयाबी अत्यंत सराहनीय है।

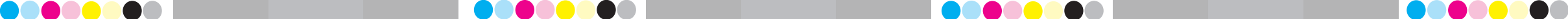
इस परियोजना के होने से मिजोरम के आइजोल जिले को पहली बार रेल कनेक्टिविटी मिलेगी और यह राष्ट्रीय रेल नेटवर्क से जुड़ जाएगा। कोलासिब और आइजोल निवासियों के लिए आसान, कुशल और सस्ती यात्रा हो जाएगी। सिलचर, गुवाहाटी और दिल्ली जैसे शहरों में शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा केंद्रों तक लोगों की बेहतर पहुंच हो जाएगी। इसके अलावा मालगाड़ियों की आवाजाही सुगम हो जाएगी, जिससे इस क्षेत्र में व्यापार और लॉजिस्टिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा।

आईआरसीटीसी ने पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए मिजोरम के साथ अगस्त 2025 में दो वर्षीय समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। योजनाओं में गुवाहाटी से आगे पूर्वोत्तर की खोज के तहत एक स्पेशल टूरिस्ट ट्रेन शामिल है, जिसमें आइजोल एक प्रमुख गंतव्य होगा। सहयोग में संयुक्त प्रचार, आसान ट्रेवेल लॉजिस्टिक्स और क्यूरेटेड यात्रा कार्यक्रम शामिल हैं। पर्यटन विकास से आतिथ्य, गाइडिंग और होटल में स्थानीय नौकरियों का सृजन होगा। पर्यटकों की संख्या में वृद्धि से हस्तशिल्प, वस्त्र और कृषि जैसे स्थानीय व्यवसायों को बढ़ावा मिलेगा।

## बंगाल में रेत...

जहीरूल के आवास, कार्यालय और वाहनों की तलाशी ली गई है। जहीरूल पर अवैध रेत खनन और इसके व्यापार में शामिल होने का आरोप है। ईडी ने शेख जहीरूल के ठिकाने से भारी मात्रा में नकदी जब्त की गई है। शेख जहीरूल कई रेत खदानों का मालिक है। जहीरूल ने ग्राम पुलिस में काम किया और रेत खनन के काम में शामिल होने से पहले साइकिल मैकेनिक का काम भी किया। ईडी ने शेख जहीरूल के अलावा उनसे जुड़े कई अन्य लोगों के ठिकानों पर भी छापेमारी की। ईडी के अधिकारियों का कहना है कि यह छापेमारी अभियान अवैध रेत व्यापार से जुड़े वित्तीय नेटवर्क का पर्दाफाश करने पर फोकस है। ईडी को शक है कि इस रैकेट में बड़ी मात्रा में धन विभिन्न बीमा कंपनियों और व्यावसायिक उपक्रमों में लगाया है।

ईडी के अधिकारियों ने कोलकाता में एक खनन कंपनी के बेहाल और साल्ट लेक सेक्टर-5 स्थित कार्यालयों की तलाशी ली। ईडी अधिकारियों ने बताया कि छापेमारी के दौरान कई बैंक खाते और अन्य दस्तावेज जब्त किए हैं। कंपनी के खातों की भी जांच की जा रही है और कर्मचारियों से पूछताछ हो रही है।





आचरण और निर्णय ही हैं, कर्म और आचरण उसे सफलता दिलाते हैं और उचित निर्णय जीवन को सही मार्ग पर ले जाता है, इसी से ईसान अपना भाग्य स्वयं रच सकता है। आजकल के ज्योतिषी व्यक्ति की जन्मकुण्डली के साथ-साथ उसके कर्मों की कुण्डली का भी विश्लेषण साथ-साथ करते हैं, क्योंकि अगर ग्रह-नक्षत्र सही हैं, लेकिन उसकी कर्म कुण्डली में उसके वर्तमान कर्म सही नहीं हैं, तो जन्मकुण्डली का फल कर्म कुण्डली के आधार पर बदल जाता है।



# संगीत के इतिहास में सबसे अधिक गाने रिकॉर्ड करने वाली सिंगर हैं आशा भोसले

**आ**शा भोसले। भारतीय सिनेमा और संगीत की दुनिया में एक ऐसा नाम हैं, जो अपनी वर्सटिलिटी के लिए मशहूर हैं। फिर चाहे बात रोमांटिक गानों की हो, या फिर डांस नंबरों की, अपने 8 दशक से अधिक के करियर में आशा ताई ने जो भी गाया, बेहतरीन गाया है। 8 सितंबर 2025 को आशा भोसले 92 साल की हो गई हैं। दादा साहब फाल्के अवॉर्ड और पद्म विभूषण आशा का नाम 2011 में गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज किया गया। वह संगीत के इतिहास में सबसे अधिक गाने रिकॉर्ड करने वाली सिंगर हैं। आशा भोसले ने 1980 में पंचम दा यानी आरडी बर्मन से शादी की थी। यह उनकी दूसरी शादी थी। आशा और पंचम की जोड़ी ने तीन दशकों तक साथ काम करते हुए कई हिट गाने दिए। इनमें से ही एक सुपरहिट गाना है 'आजा आजा मैं हूं प्यार तेरा', यह गाना जितना यादगार है, इसके बनने की कहानी उससे कहीं ज्यादा दिलचस्प और मजेदार।

फिल्म 'तीसरी मंजिल' का यह गाना 'आजा आजा मैं हूं प्यार तेरा', को आशा भोसले और मोहम्मद रफी ने गाया था। बोल मजरूह सुल्तानपुरी ने लिखे थे। शम्मी कपूर और आशा परेख पर इस गाने को फिल्माया गया। डायरेक्टर विजय आनंद थे और फिल्म के प्रोड्यूसर नासिर हुसैन। यह एक ऐसा गाना है जिसने शम्मी कपूर के ऑन-स्क्रीन इमेज को गढ़ने का काम किया। वैसे तो 'तीसरी मंजिल' के सभी गाने सुपरहिट रहे थे। फिर चाहे, 'ओ मेरे सोना रे सोना' हो, 'ओ हसीना जुल्फों वाली जाने जहां' हो या फिर

'दीवाना मुझसा नहीं' और 'तुमने मुझे देखा'।

**शम्मी उस समय राजा थे, राजा की तरह व्यवहार करते थे**

साल 1984 में फिमफेयर को दिए इंटरव्यू में आरडी बर्मन ने बताया था मजरूह सुल्तानपुरी ने ही नासिर हुसैन से इस गाने के लिए उनके नाम की सिफारिश की थी। फिल्म में पहले देव आनंद लीड रोल में थे, लेकिन नासिर साहब के साथ उनके विवाद के कारण बाद में शम्मी कपूर को कास्ट किया गया। आरडी बर्मन कहते हैं, 'मुझे लगता है कि उस समय फिल्म करने की मेरी संभावनाएं खत्म हो गई थीं, क्योंकि शम्मी उस समय राजा थे, राजा की तरह व्यवहार करते थे और उनका अपना ग्रुप था। शम्मी चाहते थे कि संगीत निर्देशन का काम जयकिशन करें। लेकिन फिर उन्होंने ही उनसे कहा कि मुझे मौका दिया जाना चाहिए। शम्मी मान गए।

**आठ दिन चली थी गाने की रिकॉर्डिंग**

साल 2010 में आशा भोसले ने 'तीसरी मंजिल' की कहानी शेयर की थी। उन्होंने कहा, 'आरडी बर्मन को फिल्म मिलने के बाद, वह मेरे पास आए। वह चाहते थे कि मैं उनके गाने की आवाज बनूं। दरअसल, 'आजा आजा' पहला गाना था जो उन्होंने फिल्म के लिए बजाया था। हालांकि पहले तो लगा कि यह किसी भी अन्य गाने जैसा ही है, लेकिन जब मैं 'आह आह आजा, आह आह आजा' वाले हिस्से पर पहुंची, तो एहसास हुआ कि इसके लिए एक लंबी रिकॉर्डिंग की जरूरत है। नतीजा यह हुआ कि आठ दिन रिकॉर्डिंग में लगे, क्योंकि इसके लिए अपनी सांसें पर कंट्रोल रखना जरूरी था।'

**जब मैंने गाना सुना, तो मैं 'अरे बाप रे' जैसी हो गई'**

आशा भोसले ने 'इंडियन आइडल' में एक और किस्सा शेयर करते हुए बताया, 'जब मैंने गाना सुना, तो मैं 'अरे बाप रे' जैसी हो गई। मुझे इस गाने की प्रैक्टिस और तैयारी में आठ दिन लगे। दरअसल, एक बार तो मेरा ड्राइवर मेरे मुंह से 'आह आह आजा, आह आह आजा' सुनकर मुझे अस्पताल ले जाने वाला था, क्योंकि उसे लगा कि जिस तरह से मेरी सांसें चल रही थीं, मैं किसी मेडिकल इमरजेंसी में फंस गई हूं। लेकिन उसे क्या पता था कि यह अपने समय के सबसे लोकप्रिय गानों में से एक का यादगार एक्सप्रेशन बनने वाला है।'

**ड्राइवर परेशान हो गया, उसे लगा मेरी सांस फूल रही है**

आशा ताई ने बताया कि वह रिकॉर्डिंग के बाद अपनी कार में गाने की इतनी प्रैक्टिस करती थीं। वह कहती हैं, 'एक दिन मेरा ड्राइवर परेशान हो गया। जब हम हाजी अली पहुंचे, जहां मैं रहती हूं, तो मेरे ड्राइवर ने अचानक मुझसे पूछा कि क्या मैं अस्पताल जाना चाहती हूं, क्योंकि उसे लगा कि मेरी सांस फूल रही है। यह वाकई एक मजेदार पल था।'



## फिल्म रंगीला के 30 साल पूरे, उर्मिला मातोंडकर ने याद किए पुराने दिन



**बॉ**लीवुड की आइकॉनिक फिल्म रंगीला ने सोमवार को 30 साल पूरे कर लिए हैं। इस खास मौके पर अभिनेत्री उर्मिला मातोंडकर ने पोस्ट के जरिए अपने दिल की बातें सोशल मीडिया पर शेयर कीं। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वह मशहूर गाने रंगीला रे पर डांस करती नजर आ रही हैं। उर्मिला ने वीडियो के कैप्शन में लिखा, 'रंगीला ये सिर्फ एक फिल्म नहीं थी, बल्कि एक एहसास थी, और आज भी रहेगी। ये खुशी, उम्मीद, सपने, महत्वाकांक्षा, सुंदरता, जोश, प्यार, प्रशंसा, संघर्ष, जीत, त्याग और सबसे बढ़कर, जिंदगी का एक शानदार जश्न था। अभिनेत्री ने बताया कि इसका हर एक सीन मासूम बच्चे जैसी चेहरे पर मुस्कान लाता है, जो कि हमें एक जादुई दुनिया में ले जाता है। इसका हर एक गाना सिर्फ संगीत ही नहीं बल्कि, नवरसों का उत्साह है। भारतीय साहित्य और कविता के नौ भाव शृंगार, हास्य, करुणा, रोद्र, वीर, भयानक, बीभत्स, अद्भुत और शांत। अभिनेत्री ने लिखा, इस फिल्म की कहानी मासूम लड़की की यात्रा है, जो अपनी सादगी और आकर्षण से सबके दिल जीत लेती है। वो हमें सुंदरता, कविता, जिंदगी और प्यार की एक अनमोल यात्रा पर ले जाती है। उन्होंने लिखा, तीस साल पहले आज ही के दिन 'रंगीला' आप सबकी हो गई थी। मुझे यकीन है कि आज भी यह फिल्म आपको उस पहले पल में ले जाती है, जब आप हंसे, तालियां बजाईं और इसके जादू से प्यार कर बैठे थे। आपके प्यार, तारीफ और सराहना मेरी जिंदगी की सबसे बड़ी खुशी है। मुझे अपने दिलों में जगह देने के लिए, इतना प्यार देने के लिए, और मुझे उस जगह पर पहुंचाने के लिए शुक्रिया, जिसका सपना बहुत कम लोग देख पाते हैं। हो जा रंगीला रे। राम गोपाल वर्मा द्वारा निर्देशित फिल्म में उर्मिला के अलावा, आमिर खान और जैकी श्रॉफ मुख्य भूमिका में थे। फिल्म की कहानी मिली (उर्मिला) के इर्द-गिर्द घूमती है, जो एक मशहूर अभिनेत्री बनने का सपना देखती है, लेकिन उसे इस राह में कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।



24 में 'मिर्जापुर: द फिल्म' की आधिकारिक घोषणा हुई थी। सोमवार को इसकी शूटिंग शुरू हो गई। अभिनेत्री रसिका दुग्गल ने फिल्म के पहले शेड्यूल की शूटिंग शुरू कर दी है। मिर्जापुर' सीरीज ने दर्शकों का खूब मनोरंजन किया था। इसकी कहानी दर्शकों को काफी पसंद आई। उन्होंने इसे छोटे पर्दे पर ही देखा था। अब दर्शकों को इसके बड़े पर्दे पर रिलीज होने का इंतजार है। फिल्म के पहले शेड्यूल की शूटिंग अभिनेत्री रसिका दुग्गल के साथ मुंबई में शुरू हुई है। इसमें वह बीना त्रिपाठी के रोल को निभाती दिखाई देंगी। उन्हें इस किरदार में दर्शकों ने खूब पसंद किया था।



## संजय दत्त ने बताया, पढ़ाई से बचने के लिए एक्टिंग का रास्ता...

**अ**भिनेता संजय दत्त हाल ही में कपिल शर्मा के कॉमेडी शो 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' में अपने करीबी दोस्त और अभिनेता सुनील शेट्टी के साथ नजर आए। यहां अभिनेता ने बताया कि उन्होंने पढ़ाई से बचने के लिए ही एक्टर बनना चुना था। इसका एक वीडियो इंस्टाग्राम पर शेयर किया गया है। इसमें कपिल शर्मा संजय दत्त से पूछते हैं, आप बचपन में खूब शरारती थे। जब आपने पहली बार अपने पिता को बताया कि आप एक्टर बनना चाहते हैं तो उनका क्या रिएक्शन था?

इस पर संजय दत्त ने कहा, मुझे थपड़ पड़ा। पापा ने कहा कि पढ़ाई करना बहुत जरूरी है। एक्टर बनना आसान नहीं है। मैंने सोचा था कि एक्टर बन जाऊंगा तो पढ़ाई से बच जाऊंगा। कॉलेज नहीं जाना पड़ेगा, इसलिए मैं एक्टर बनना चाहता था। मैंने ज़िद की, तो पापा बोले, 'सुबह 5 बजे उठ जाना कल। कल से तुम्हें घुड़सवारी सीखनी है।' मैं पोर-शान, इतनी जल्दी कैसे उठूंगा। कपिल, मैंने 6 महीने बाद पापा से पूछा था कि क्या मैं फिर से कॉलेज चला जाऊं।

संजय दत्त को सुबह उठना पसंद



नहीं था, इसलिए उन्होंने अपने पिता सुनील दत्त से फिर से कॉलेज जाने के बारे में पूछा था। यह एपिसोड जल्द ही नेटफ्लिक्स पर रिलीज किया जाएगा। इस शो में वे अपने जेल के दिनों को भी याद करते दिखाई देंगे। यह एपिसोड बहुत ही मजेदार होने वाला है। फिल्मों की बात करें तो संजय दत्त की लेटेस्ट फिल्म 'बागी 4' सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। दर्शक इस मूवी में उनके किरदार को पसंद कर रहे हैं। फिल्म में उनके साथ टाइगर श्रॉफ, हरनाज संधू, सोनम बाजवा और अन्य कलाकार हैं।

'बागी 4' का निर्माण साजिद नाडियाडवाला ने किया है। साजिद ने ही इसकी कहानी और पटकथा भी लिखी है। इसके निर्देशक ए. हर्ष हैं। इस मूवी से हरनाज संधू बॉलीवुड में डेब्यू कर रही हैं। संजय दत्त आने वाले दिनों में 'धुंध', 'द राजासाहब', 'वेलकम टू द जंगल', 'केडी: द डेविल' जैसी फिल्मों में दिखाई देंगे।

## मुंबई में 'मिर्जापुर: द फिल्म' की शूटिंग शुरू, बीना त्रिपाठी के अवतार में लौटी रसिका दुग्गल

**20** 24 में 'मिर्जापुर: द फिल्म' की आधिकारिक घोषणा हुई थी। सोमवार को इसकी शूटिंग शुरू हो गई। अभिनेत्री रसिका दुग्गल ने फिल्म के पहले शेड्यूल की शूटिंग शुरू कर दी है। मिर्जापुर' सीरीज ने दर्शकों का खूब मनोरंजन किया था। इसकी कहानी दर्शकों को काफी पसंद आई। उन्होंने इसे छोटे पर्दे पर ही देखा था। अब दर्शकों को इसके बड़े पर्दे पर रिलीज होने का इंतजार है। फिल्म के पहले शेड्यूल की शूटिंग अभिनेत्री रसिका दुग्गल के साथ मुंबई में शुरू हुई है। इसमें वह बीना त्रिपाठी के रोल को निभाती दिखाई देंगी। उन्हें इस किरदार में दर्शकों ने खूब पसंद किया था।

फिल्म से जुड़े सूत्र ने कहा, रसिका ने इस भूमिका के लिए बहुत अच्छी तैयारी की है और आसानी से बीना की दुनिया में वापस आ गई हैं। लोग उन्हें पूरी कास्ट के साथ देखने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। एक बात जो रोमांचक है, वह यह है कि उनका किरदार कितना प्रभावशाली बन रहा है। अब तक हमने जो कुछ भी देखा है, उससे ऐसा लगता है कि बीना त्रिपाठी मिर्जापुर की दुनिया में कुछ ऐसा लेकर आएंगी, जो पहले कभी नहीं देखा गया है। बताया जा रहा है कि 'मिर्जापुर' फिल्म में दमदार एक्शन और गद्दी के लिए लड़ते बाहुबलियों का संसार दिखाया जाएगा। यह फिल्म 2026 में रिलीज होगी। इस फिल्म से सीरीज के किरदारों की बड़े पर्दे पर वापसी होगी। इसमें कालीन भैया के रूप में पंकज त्रिपाठी, गुड्डू के रूप में अली फजल और मुन्ना के रूप में दिवेंद्र शर्मा जैसे कलाकार दिखाई देंगे। फिल्म में अभिनेता विक्रान्त मैसी भी थे, उन्हें अपने बबलू पंडित के रोल को आगे बढ़ाने का ऑफर मिला था, लेकिन विक्रान्त ने इसे ठुकरा दिया था। बताया जा रहा है कि फिल्म में जितेंद्र कुमार, रवि किशन और मोहित मलिक जैसे नए कलाकार भी हैं। इस फिल्म को रितेश सिध्वानी और फरहान अख्तर प्रोड्यूस कर रहे हैं।



## एक्ट्रेस निया शर्मा का नया लुक ऑल-ब्लैक गेटअप में दिखीं खूबसूरत

**टे**लीविजन की जानी-मानी अभिनेत्री निया शर्मा अपने स्टाइलिश लुक और आत्मविश्वास भरे अंदाज के लिए जानी जाती हैं। उन्होंने हाल ही में सोशल मीडिया पर अपनी लेटेस्ट तस्वीरें पोस्ट कीं। निया ने तस्वीरों में फैशन सेंस और ट्रेंडी लुक को बखूबी दर्शाती नजर आ रही हैं। निया ने इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन पर दो तस्वीरें पोस्ट कीं। इन तस्वीरों में वह ऑल-ब्लैक गेटअप में नजर आ रही हैं, जो उनकी बोल्ड और स्टाइलिश पर्सनेलिटी को उभार रहा है। पहली तस्वीर में निया ने ब्लैक टॉप के साथ स्टाइलिश काले चरम पहने हैं, जिसमें वह हल्की-सी मुस्कान के साथ सेल्फी लेती दिख रही हैं। उनके खुले बाल और मिनिमल मेकअप ने लुक को और भी आकर्षक बनाया है। दूसरी तस्वीर



में निया ने अपनी सैंडल की झलक दिखाई। निया शर्मा टेलीविजन इंडस्ट्री में अपनी दमदार एक्टिंग, बोल्ड लुक और बेबाक बयान के लिए मशहूर हैं। उन्होंने अभिनय की शुरुआत साल 2010 में आए शो 'काली- एक अग्रिपरीक्षा' से की थी। शो में उन्होंने अनु का किरदार निभाया था, जिसे दर्शकों ने खूब पसंद किया। इसके बाद उन्होंने 'एक हजारों में मेरी बहना है' में काम किया, जिसने उनकी घर-घर में पहचान बनाई। फिर, निया 'जमाई राजा' और 'नागिन' जैसे शो में नजर आई थीं। इसके अलावा, वह सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं और अक्सर अपनी तस्वीरें और वीडियो पोस्ट करती हैं। निया हाल ही में सेलिब्रिटी कुकिंग शो 'लाफ्टर शेफ्स : अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट' में भी दिखाई दी थीं। इसमें उनके साथ कृष्णा अभिषेक, राहुल वैद्य, करण कुंद्रा, रीम शेख, सुदेश लहरी, एल्विश यादव, रुबीना दिलैक, अली गोनी और कश्मीरा शाह जैसे स्टार्स नजर आए थे। इसके विजेता एल्विश यादव और करण कुंद्रा थे।





और तकनीशियनों को बढ़ाई देते हुए कहा कि वे आने वाले समय में हरियाणा प्रदेश का नाम रोशन करेंगे। इस अवसर पर उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री रवीन्द्रबीर सिंह ने कहा कि देश की कुल जनसंख्या का दो प्रतिशत से भी कम प्रतिनिधित्व रखने के बावजूद हरियाणा ने हर क्षेत्र में अण्णी भूमिका निभाई है। ड्रोन टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में आज की यश उपलब्धि हरियाणा को नई गति और ऊर्जा प्रदान करेगी। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव अरुण कुमार गुप्ता, विदेश सहयोग विभाग के सलाहकार पवन चौधरी, एड्वीपीएल इंटरनेशनल के दीप सिहाग, डॉ। प्रीत संधू और सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल आर।के। आनंद सहित अनेक वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।



# ग्रामीण की पीठ पर सवारी करना महंगा पड़ा, एनडीए के निशाने पर आए कांग्रेस सांसद तारिक अनवर

पटना (एजेंसियां)।

बिहार के कटिहार में कांग्रेस के सांसद तारिक अनवर को बाढ़ प्रभावित इलाकों के दौरे के दौरान ग्रामीणों की पीठ पर सवारी करना न सिर्फ खुद के लिए बल्कि उनकी पार्टी के लिए भी भारी पड़ने वाला है। राज्य में विधानसभा चुनाव से पहले उन्होंने ऐसा काम कर दिया है जिससे वे बीजेपी सहित एनडीए के बाकी दलों के भी निशाने पर आ गए हैं। उन्हें भारी आलोचना का सामना करना पड़ रहा है।

बिहार के कटिहार के कांग्रेस सांसद तारिक अनवर बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा करने गए थे। इस दौरान उन्हें पानी और कीचड़ के बीच से ग्रामीण अपनी पीठ पर बिठाकर ले गए। इस घटना का वीडियो सामने आते ही तारिक अनवर पर बीजेपी और अन्य विपक्षी दलों ने हमले शुरू कर दिए। एनडीए के दलों ने कहा कि अनवर बाढ़ पीड़ितों के प्रति असंवेदनशील हैं। हालांकि समाजवादी पार्टी ने तारिक अनवर की उम्र का हवाला देकर उनका बचाव किया। अनवर कटिहार जिले में बाढ़ से हुए नुकसान का जायजा लेने के लिए गए थे।

तारिक अनवर के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के निरीक्षण के बाद



विवाद शुरू हो गया है। अनवर नुकसान का आकलन करने के लिए दो दिन के दौरे पर अपने निर्वाचन क्षेत्र में गए थे। उन्होंने दूरदराज के इलाकों तक पहुंचने और बाढ़ पीड़ितों से मिलने के लिए ट्रैक्टर और नाव सहित कई साधनों का इस्तेमाल किया।

एक वीडियो में एक ग्रामीण तारिक अनवर को पीठ पर उठाकर ले जाते हुए दिखाई दे रहा है। कुछ अन्य लोग उन्हें पीछे से सहारा दे रहे हैं ताकि वे गिर न जाएं। एक पुलिस अधिकारी भी इस काम में मदद करते हुए दिखाई दे रहा है।

बीजेपी और उसके सहयोगियों ने यह वीडियो सामने आते ही तारिक अनवर पर हमला करने में

देर नहीं ही। उन्होंने उन पर बाढ़ पीड़ितों की दुर्दशा के प्रति असंवेदनशील होने का आरोप लगाया। बिहार के मंत्री प्रेम कुमार ने कहा, 'वे यहां सिर्फ फोटो और वीडियो के लिए थे, जो गलत है। उन्हें समस्या का समाधान खोजने के लिए प्रशासन के साथ चर्चा करनी चाहिए थी।

बीजेपी सांसद जगदंबिका पाल ने व्यंग्यात्मक लहजे में कहा, अगर बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण करते समय ग्रामीणों उन्हें अपनी पीठ पर ले जा रहे हैं, तो वे उन लोगों को क्या सहानुभूति दे सकते हैं जो तबाह हो गए हैं? उन्होंने कहा, वे इस तरह किसानों का मजाक कैसे उड़ा सकते हैं? एक तरफ किसान बाढ़ से

प्रभावित और तबाह हैं, और दूसरी तरफ उन्हें उन्हीं लोगों (पीड़ितों) द्वारा इधर-उधर ले जाया जा रहा है।

तारिक की आलोचना करने में जेडीयू ने भी देर नहीं की। पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता नीरज कुमार ने इस घटना पर कड़ी आपत्ति जताई। नीरज कुमार ने कहा, 'तारिक अनवर सबसे वरिष्ठ सांसद हैं। उनका संसदीय करियर लंबा रहा है। लेकिन जो फुटेज जारी किया गया है वह दुखद है। कार्यकर्ता या जनता आपका बोझ नहीं उठाएंगी। आप बोझ उठाएंगे। आपको बोझ उठाने की जरूरत भी नहीं है। आपको सिर्फ आंसू पीछने थे। नीतीश कुमार ही चिंता करते हैं। उन्होंने यह सुनिश्चित

किया है कि राहत सामग्री हर किसी तक पहुंचे।

नीरज कुमार ने पिछली सरकारों की भी आलोचना की। उन्होंने कहा, 'जब उन्होंने शासन किया तो बिहार में कोई आपदा प्रबंधन नीति नहीं थी। लेकिन नीतीश कुमार के आने के बाद, उन्होंने इसके लिए व्यवस्था भी की। तारिक अनवर, समय बदल गया है। सोशल मीडिया की दौड़ है। यह अच्छा होगा यदि आप हर गतिविधि को अपने आप पर केंद्रित रखें, अन्यथा आप पर हंसा जाएगा।

तारिक अनवर ने अपनी सफाई में कहा है कि, 'यह लोगों का प्यार था। मुझे लू लग गई थी, और चूंकि कीचड़ में चलना असुरक्षित था, इसलिए गांव वालों ने मुझे अपने कंधों पर उठा लिया। यह स्नेह के कारण था, और इसे राजनीति से जोड़ना गलत है।

हालांकि, समाजवादी पार्टी ने भी अनवर का बचाव किया। सपा के सांसद वीरेंद्र सिंह ने कहा, 'हमें नहीं पता कि वहां क्या स्थिति थी। तारिक अनवर लगभग 75 वर्ष के हैं। कुछ समस्याएं होनी चाहिए जिसके कारण यह किया गया था; हालांकि इसका जवाब केवल वही दे सकते हैं।

नीतीश कुमार का बड़ा तोहफा

## महिलाओं के लिए 80 नई पिंक बसें शुरू ई-टिकटिंग और सुरक्षा कैमरे की भी सुविधा



पटना (एजेंसियां)।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राज्य की महिलाओं को एक बड़ा तोहफा देते हुए 80 नई 'पिंक बसें' को हरी झंडी दिखाई है। यह पहल महिलाओं के लिए यात्रा को सुरक्षित और आरामदायक बनाने के उद्देश्य से शुरू की गई है।

सोमवार को मुख्यमंत्री आवास पर आयोजित एक कार्यक्रम में, नीतीश कुमार ने इन पिंक बसों के साथ-साथ 1,065 अन्य बसों में ई-टिकट सुविधा का भी उद्घाटन किया। इन पिंक बसों की सबसे खास बात यह है कि इनमें केवल

महिलाएं ही सफर कर सकती हैं और इनमें ड्राइवर और कंडक्टर भी महिलाएं होंगी। इन बसों में महिलाओं की सुरक्षा का खास ख्याल रखा गया है। कंडक्टर पिंकी कुमारी के मुताबिक, हर बस में तीन कैमरे लगाए गए हैं। इसके अलावा, गर्भवती महिलाओं के लिए अलग से सीटें और विशेष देखभाल की व्यवस्था की गई है।

बस का स्टॉफ यात्रा के दौरान महिलाओं से फीडबैक भी लेगा, ताकि सुविधाओं में और सुधार किया जा सके।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने

सोशल मीडिया पर इस पहल के बारे में बताया कि ई-टिकटिंग सुविधा से लोगों को यात्रा में काफी सहूलियत मिलेगी। ये सभी बसें राज्य के विभिन्न जिलों में चरलेंगी और एक कंट्रोल रूम से इनकी निगरानी की जाएगी। इस कदम से न केवल महिलाओं की सुरक्षा बढ़ेगी, बल्कि सार्वजनिक परिवहन भी अधिक सुगम और आधुनिक बनेगा।

बिहार विधानसभा चुनाव के पहले महिलाओं के लिए 'पिंक बसों' की शुरुआत को राजनीतिक दृष्टिकोण से भी काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

## छात्र ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

पटना (एजेंसियां)।

भोजपुर जिले में प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे एक छात्र ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। बताया जा रहा है कि छात्र ने वीडियो कॉल करते हुए अपने कमरे में फांसी लगा ली।

पुलिस के अनुसार मृतक छात्र की पहचान कृष्णगढ़ थाना क्षेत्र के अचरज राय टोला निवासी केशव पाल के पुत्र भोला कुमार के रूप में हुई है। वह पिछले तीन महीनों से आरा शहर के नवादा थाना क्षेत्र अंतर्गत अनाइठ मोहल्ले के एक लॉज में रहकर पढ़ाई कर रहा था।



लॉज मालिक रोहित कुमार सिंह ने बताया कि भोला के बड़े भाई ने मुंबई से फोन कर जानकारी दी कि वीडियो कॉल के दौरान उसने कुछ गलत कदम उठाया है। सूचना मिलते ही वे उसके कमरे पर पहुंचे, लेकिन दरवाजा अंदर से बंद था। खिड़की तोड़कर देखने पर छात्र पंखे से लटका हुआ मिला।

घटना की सूचना मिलते ही

स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा। पुलिस ने बताया कि आत्महत्या की वजह अभी स्पष्ट नहीं है और मामले की जांच की जा रही है। भोला कुमार की मौत की खबर सुनते ही परिजनों में कोहराम मच गया। परिवार के लोगों का रो-रोकर बुरा हाल है। वहीं, स्थानीय लोग इस दर्दनाक घटना से स्तब्ध हैं।

## सम्राट चौधरी ने राहुल गांधी को बताया 55 साल का बच्चा, लालू यादव को कहा पंजीकृत अपराधी

पटना (एजेंसियां)।

बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को 55 साल का बच्चा कहा है। सोमवार को पटना में पत्रकारों ने सम्राट चौधरी से पूछा कि कांग्रेस के सांसद तारिक अनवर गोद में बैठकर बाढ़ पीड़ितों से मिलने गए इस पर उन्होंने कहा कि यह कांग्रेस की संस्कृति रही है। यह पार्टी गोद में ही चलती है। अभी कुछ दिन पहले 55 साल का बच्चा बिहार में सीएम नीतीश कुमार और पीएम मोदी की सड़क पर घुमा और अब



मलेशिया चला गया है।

बिहार के उपमुख्यमंत्री ने कहा कि जम्मू कश्मीर में सम्राट अशोक का अपमान किया गया। लालू यादव का परिवार इसे मामूली

राजद और कांग्रेस की ओर से जो बयान दिया गया वह चिंता का विषय है।

उन्होंने कहा कि आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने एक हीरोइन के गाल की तरह सड़क बनाने की बात कही। लालू यादव ने सड़क बनवाई क्या। लालू यादव के परिवार ने कभी घोषणा ही नहीं की। महागठबंधन की मेनिफेस्टो कमिटी की बैठक ही चल रही है। राजद की ओर से महिलाओं की योजना के लिए फॉर्म भरवाए जाने पर सम्राट चौधरी ने कहा कि इसमें उनका

कोई योगदान नहीं है। पुलिस इस मामले में कार्रवाई करेगी। वह किस हिसाब से फॉर्म भरवा रहे हैं। यह गैरकानूनी है।

सम्राट चौधरी ने कहा कि लालू यादव पंजीकृत अपराधी है और उनके यहां उप राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार जाते हैं, जो सुप्रीम कोर्ट के जज रहे हैं, यहीं पर लोकतंत्र खत्म हो गया। जगदेव प्रसाद को लेकर राजद के एक्स पोस्ट पर सम्राट चौधरी ने कहा कि कांग्रेस ने जगदेव बाबू की हत्या कराई और आज राजद उनके साथ गठबंधन में है।

चरित्र अंकों से ज्यादा महत्वपूर्ण...

## मद्रास हाईकोर्ट ने शरक्स को पुलिस की नौकरी से रोका

मुद्रै (एजेंसियां)।

मद्रास हाई कोर्ट ने एक अहम फैसला दिया है। हाई कोर्ट ने कहा कि यह देखते हुए कि पुलिस जैसी यूनिफॉर्म सर्विसेस के लिए चयन और नियुक्ति प्रक्रिया में पूर्ववृत्त और चरित्र का सत्यापन सर्वोपरि है। यह कहते हुए हाई कोर्ट की एकल पीठ के उस आदेश को बरकरार रखा, जिसमें एक व्यक्ति की पुलिस कांस्टेबल के पद पर नियुक्ति की मांग वाली याचिका को खारिज कर दिया गया था।

के. मारेश्वरन (अपीलकर्ता) ने वर्ष 2020 के लिए ग्रेड खख पुलिस कांस्टेबल के पद पर भर्ती के लिए चयन प्रक्रिया में भाग लिया था। के मारेश्वरन ने लिखित



परीक्षा पास कर ली। उसके बाद वह फिजिकल टेस्ट में भी शामिल हुए। फिजिकल टेस्ट भी पास कर लिया। जॉइंटिंग से पहले पुलिस सत्यापन के दौरान, यह पाया गया कि अपीलकर्ता विरुधुनगर जिले के सूलक्षरई पुलिस स्टेशन में दर्ज

दो आपराधिक मामलों में शामिल था। एक मामले में उसे बरी कर दिया गया, जबकि दूसरे मामले को अज्ञात के रूप में संदर्भित किया गया।

जब यह पाया गया कि के मारेश्वरन पर केस है तो उन्हें

नियुक्ति पत्र नहीं जारी किया गया। अधिकारियों ने उन्हें अस्वीकृति आदेश पारित किया। पैनल के अस्वीकृति आदेश को चुनौती देते हुए मारेश्वरन ने अदालत का रुख किया और पुलिस कांस्टेबल के पद पर नियुक्ति की मांग की। एकल पीठ ने 2023 में उनकी याचिका खारिज कर दी थी। आदेश को चुनौती देते हुए अपीलकर्ता ने वर्तमान अपील दायर की थी।

न्यायमूर्ति एसएम सुब्रमण्यम और न्यायमूर्ति जी अरुल मुरुगन की खंडपीठ ने कहा कि न्यायालय का मानना है कि चयन को पूर्ण अधिकार नहीं माना जा सकता। वदीधारी सेवाओं में चयन,

यथावत प्रक्रियाओं का कड़ाई से पालन करते हुए किया जाना चाहिए।

पूर्ववृत्त के संबंध में चयन समिति का निर्णय अंतिम होता है। हाई कोर्ट से ऐसे मामलों में समिति के विचारों को प्रतिस्थापित करने की अपेक्षा नहीं की जाती है। केवल दोषमुक्ति ही चयन और नियुक्ति की मांग का आधार नहीं बन सकती। वदीधारी सेवाओं से संबंधित चयन मामलों में न्यायिक समीक्षा की शक्तियों के प्रयोग में हस्तक्षेप का दायरा सीमित है। न्यायाधीशों ने कहा कि न्यायालय को एकल पीठ के पारित आदेश में कोई कमी नहीं दिखती और याचिका खारिज कर दी गई।

## बिहार में वोट अधिकार यात्रा के बाद सत्ता के खिलाफ माहौल गर्म रखने के लिए प्रचार में जुटी कांग्रेस

पटना (एजेंसियां)।

कांग्रेस ने बिहार में राहुल गांधी की वोट अधिकार यात्रा के बाद इसके मकसद का प्रचार शुरू कर दिया है। यात्रा के बाद कांग्रेस ने एक न्यूजलेटर जारी किया। इसमें राहुल गांधी के 'वोट चोरी को उजागर करने और लोकतंत्र की रक्षा' के राष्ट्रव्यापी अभियान के बारे में बताया गया है। बिहार में राहुल गांधी की यात्रा के बारे में कांग्रेस ने कहा है कि यह यात्रा मतदाताओं के अधिकारों की रक्षा के लिए की गई। यह यात्रा 25 जिलों से गुजरी थी।

बिहार में विधानसभा चुनाव की प्रक्रिया मध्य अक्टूबर के बाद शुरू होने की संभावना है। इससे पहले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन और इंडिया गठबंधन अपने-अपने पक्ष में माहौल बनाने के लिए पूरी ताकत लगा रहे हैं।

कांग्रेस ने एक्स पर एक पोस्ट में राहुल गांधी के वोट चोरी के खिलाफ अभियान के बारे में बताया है। कांग्रेस ने कहा है कि बिहार में उनकी मतदाता अधिकार यात्रा का उद्देश्य मतदाताओं के अधिकारों की रक्षा करना है। कांग्रेस ने कहा, 'वोट चोरी के खिलाफ हमारे अभियान ने उजागर किया है कि कैसे बीजेपी चुनाव आयोग के साथ मिलकर वोट चुरा रही है और चुनावों में धांधली कर



रही है। कांग्रेस ने लोगों से न्यूजलेटर को पढ़ने का आग्रह किया है ताकि उन्हें और जानकारी मिल सके। न्यूजलेटर में चुनावी गड़बड़ियों के खिलाफ अभियान के बारे में विस्तार से बताया गया है। इसमें कहा गया है कि राहुल गांधी ने महीनों तक 'वोट धोखाधड़ी और बीजेपी की मदद करने में चुनाव आयोग की भूमिका' को उजागर किया। इसमें यह भी कहा गया है कि असली मोड़ तब आया जब उन्होंने बेंगलूर सेंट्रल में एक लाख से ज्यादा फर्जी वोट पकड़े। इसके बाद उन्होंने बिहार में मतदाता अधिकार यात्रा शुरू की ताकि लोगों तक सीधे संदेश पहुंचाया जा सके।

न्यूजलेटर में दावा किया गया है, जो एक नेता की लड़ाई के रूप में शुरू हुआ था, वह अब वोट देने के हमारे अधिकार की रक्षा के लिए एक जन आंदोलन बन गया है।' इसमें कहा गया है कि यात्रा में वोट लिस्ट के स्पेशल इंटेसिव रिवीजन के ज़रिए लाखों मतदाताओं को मताधिकार से वंचित करने की बात को उजागर किया गया। यह यात्रा बिहार में 1300 किलोमीटर तक चली। इसमें 18 रैलियां हुईं। इनमें आरजेडी के नेता तेजस्वी प्रसाद यादव, सीपीआई-एमएल के दीपांकर भट्टाचार्य और वीआईपी के मुकेश सहनी जैसे इंडिया गठबंधन के नेता शामिल हुए।

न्यूजलेटर में यह भी बताया गया है कि राहुल गांधी ने चुनाव आयोग के एसआईआर ड्राफ्ट वोट लिस्ट में 'मृत' घोषित किए गए बिहार के निवासियों के साथ चाय पार्टी की। उन्होंने पूर्णिया में किसानों के साथ मखाना की कटाई में भाग लिया। उन्होंने अपनी बहन प्रियंका गांधी और तेजस्वी के साथ बुलेट पर बैठकर यात्री भी की।